हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
PRINT | WEB | VIDEO
बोकारो, सोमवार
03.03.2025
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 12, अंक : 31
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
RNI : JHAHIN/2014/54374
www.rashtriyamukhyadhara.com
अख़बार भी, आन्दोलन भी
राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित : देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

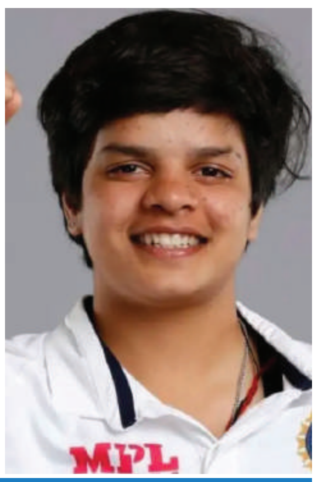

नशा तस्करों को दंडित करने में सरकार कोई कसर नहीं छोड़ रही : अमित शाह

एजेंसी। नई दिल्ली

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि पैसे के लालच में हमारे युवाओं को नशे की अंधेरी खाई में धकेलने वाले नशा तस्करों को दंडित करने में मोदी सरकार कोई कसर नहीं छोड़ रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी पोस्ट में अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार का संकल्प नशामुक्त भारत के निर्माण के लिए नशीली दवाओं के खतरे से लड़ना है। गृह मंत्री ने कहा कि नीचे से ऊपर और ऊपर से नीचे की रणनीति के साथ अचूक जांच के परिणामस्वरूप देश भर में 12 अलग-अलग मामलों में 29 नशा तस्करों को अदालतों ने दोषी ठहराया है। मादक पदार्थों के खिलाफ मोदी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के अनुसरण में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। इनका विवरण इस प्रकार है:

अहमदाबाद जोन : 27 जुलाई, 2019 को एनसीबी अहमदाबाद जोनल यूनिट ने गुजरात के अहमदाबाद में साबरमती रेलवे स्टेशन से मोहम्मद रिजवान और मो. जिशान के कब्जे से 23.859 किलोग्राम चरस जब्त की। जांच के दौरान साहिदुल रहमान नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। इस मामले में कोर्ट ने 29 जनवरी 2025 को फैसला सुनाया और सभी 03 अभियुक्तों को 14 साल के कठोर कारावास और प्रत्येक को 01 लाख रुपये जुर्माने से दंडित किया गया।

भोपाल जोन (मंदसौर) : जुलाई 2022 में एनसीबी मंदसौर ने मध्य प्रदेश के शहडोल में ध्रुव टोल प्लाजा पर राष्ट्रीय राजमार्ग 43 पर एक हैरियर वाहन और एक वेन्यू को रोका और 123.080 किलोग्राम गांजा जब्त किया। इस मामले में 24 फरवरी 2025 को विशेष एनडीपीएस न्यायालय, शहडोल ने चार आरोपियों शिवम सिंह, संत कुमार यादव, बालमुकुंद मिश्रा और उत्तम सिंह को दोषी ठहराया और उन्हें 12 साल के कठोर कारावास तथा 2-2 लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई।

चंडीगढ़ जोन : एनसीबी चंडीगढ़ के अधिकारियों द्वारा डीएचएल एक्सप्रेस, लुधियाना में 438 ग्राम अफ़ीम से भरी दो हॉकी स्टिक वाले पार्सल को रोका गया। पार्सल आरोपित नसीब सिंह ने बुक किया था, बुकिंग के दौरान गोबिंद सिंह उसके साथ था। अदालत ने दोनों दोषियों को एनडीपीएस अधिनियम के तहत 3 साल के कठोर कारावास और 10,000 रुपये के जुर्माने (डिफॉल्ट रूप से, एक महीने की अतिरिक्त कैद) की सजा सुनाई। 30 दिसंबर 2021 को एनसीबी चंडीगढ़ जोनल यूनिट ने चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन पर भीम लामा को 390 ग्राम चरस के साथ मुंबई के लिए पश्चिम एक्सप्रेस में चढ़ने से पहले रोका। 08 जनवरी 2025 को विशेष अदालत, चंडीगढ़ ने भीम लामा को 390 ग्राम चरस रखने के लिए एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की धारा 20 के तहत दोषी ठहराया।

कोच्चि जोन : 19 जून 2021 को एनसीबी कोचीन ने कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचने पर शेरोन चिरवाजा नामक जिम्बाब्वे की एक महिला को रोका। उसके चेक-इन सामान की जांच से 2.910 किलोग्राम हेरोइन की बरामदगी और जब्ती हुई। महिला को गिरफ्तार कर लिया गया और एनसीबी कोचीन जोनल यूनिट द्वारा मामला दर्ज किया गया। 29 जनवरी 2025 को सुनाए गए विस्तृत फैसले में न्यायालय ने आरोपित को 11 वर्ष के कठोर कारावास एवं 3,00,000 रुपये के जुर्माने से दण्डित किया है।

देहरादून जोन : 5 जनवरी 2018 को एनसीबी देहरादून ने 450 ग्राम चरस जब्त की, जिससे नमन बंसल की गिरफ्तारी हुई। मामले की जांच में 19 फरवरी 2018 को एक और सह-आरोपित, देहरादून निवासी आशुतोष उनियाल की गिरफ्तारी हुई। एनडीपीएस कोर्ट, देहरादून (यूकेडी) ने 18 जनवरी 2025 को आरोपित नमन बंसल को 01 साल की सश्रम कारावास और 20,000 रुपये के जुर्माने से दंडित किया।

दिल्ली जोन : 19 मार्च 2021 को, एनसीबी दिल्ली जोनल यूनिट ने सही आसूचना उर्फ पंडित नाम के दो आरोपियों के कब्जे से 1.950 किलोग्राम चरस की तस्करी के आरोप में एनडीपीएस कोर्ट, जींद (हरियाणा) में एनडीपीएस केस नंबर 11/2021 के तहत शिकायत दर्ज की गई। अदालत ने 10 जनवरी 2025 को दोनों को दोषी करार देते हुए 10 साल की सश्रम कारावास और प्रत्येक को 01 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

हैदराबाद जोन : 24 फरवरी 2021 को एनसीबी हैदराबाद जोन के अधिकारियों ने नेहरू आउटर रिंग रोड, हयातनगर मंडल, रंगा रेड्डी जिले पर पेद्दा अंबरपेट टोल प्लाजा पर 681.8 किलोग्राम गांजा जब्त किया। आठ आरोपितों सुरेश श्यामराव पवार, विशाल रमेश पवार, बालाजी रामदास वारे, मनोज विलास धोत्रे, ध्यानेश्वर लालासाहेब देशमुख, रामराजे चतुर्भुज गुंजले, अक्षय अनंत गांधी और सचिन दगडू सनप को मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

इंदौर जोन : सितंबर 2021 में, एनसीबी इंदौर ने मध्य प्रदेश के सिवनी में अलोनिया टोल प्लाजा पर राष्ट्रीय राजमार्ग 07 पर एक ट्रक को रोका और 152.665 किलोग्राम गांजा जब्त किया। मामले में महेंद्र सिंह यादव और सोहेल दाउद खान पठान को गिरफ्तार किया गया। जांच टीम ने रिसीवर सुरेश गुप्ता और सह-रिसीवर के साथ-साथ जब्त ट्रक के मालिक राम बाबू यादव को भी गिरफ्तार कर लिया। 22 फरवरी 2025 को विशेष एनडीपीएस न्यायालय, सिवनी ने चारों आरोपितों को दोषी करार देते हुए 15-15 वर्ष के कठोर कारावास एवं 1-1 लाख रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया।

कोलकाता जोन : 11 जुलाई 2020 को एनसीबी कोलकाता जोन के अधिकारियों ने एनसीबी सीआरपीसी क्रमांक 15/2020 के अनुसार, पगलाचंडी के पास प्लासी और कृष्णानगर के बीच एनएच 12 पर एक टाटा 709 लाइट गुड्स व्हीकल (एलजीवी) पंजीकरण संख्या डब्ल्यूबी 15 ए 3873 से 1301 किलोग्राम गांजा जब्त किया। सहजन तरफदार और उत्तम देबनाथ नाम के दो आरोपितों को मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

लखनऊ जोन : 14 फरवरी 2022 को एनसीबी लखनऊ द्वारा अभियुक्त दशरथ निवासी चिरीपुर, थाना सिरसिया, जिला श्रावस्ती, उत्तर प्रदेश के कब्जे से 3.1 किलोग्राम चरस/हशीश बरामद की गई। उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अपर जिला न्यायालय श्रावस्ती ने आरोपित दशरथ को अवैध मादक पदार्थों की तस्करी का 'दोषी' पाया और 02 जनवरी 2025 को 150,000 रुपये के जुर्माने के साथ 15 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। 4 जनवरी 2024 को एनसीबी लखनऊ द्वारा अभियुक्त धीरज कुमार के कब्जे से 08 किलोग्राम अफ़ीम बरामद की गयी। दांगी, स्वर्गीय बैजनाथ दांगी के पुत्र, जिला चतरा, झारखंड में रहते हैं, उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अपर जिला न्यायालय बरेली ने आरोपित धीरज कुमार को दोषी पाया।

चुनाव आयोग ने दिया स्पष्टीकरण

मतदाता फोटो पहचान पत्र संख्या में दोहराव का मतलब डुप्लीकेट मतदाता नहीं

- दो अलग-अलग राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा समान अल्फान्यूमेरिक श्रृंखला के उपयोग के कारण डुप्लीकेट ईपीआईसी संख्या के कुछ मामले- पंजीकृत मतदाताओं को अद्वितीय मतदाता फोटो पहचान पत्र संख्या का आवंटन सुनिश्चित करेगा चुनाव आयोग

एजेंसी। नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने कुछ सोशल मीडिया पोस्ट और मीडिया रिपोर्टों का संज्ञान लिया है, जिसमें दो अलग-अलग राज्यों के मतदाताओं के समान मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) संख्या होने के मुद्दे को उठाया गया है। आयोग ने इस संबंध में यह स्पष्ट किया है कि कुछ मतदाताओं के ईपीआईसी नंबर समान हो सकते हैं, लेकिन समान ईपीआईसी नंबर वाले मतदाताओं के लिए जनसांख्यिकीय विवरण, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र और मतदान केंद्र सहित अन्य विवरण अलग-अलग हैं। ईपीआईसी नंबर के बावजूद कोई भी मतदाता अपने राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में अपने संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में अपने निर्दिष्ट मतदान केंद्र पर ही वोट डाल सकता है, जहां वे मतदाता सूची में नामांकित हैं, कहीं और नहीं। आयोग का कहना है कि विभिन्न राज्यों/संघ शासित प्रदेशों के कुछ मतदाताओं को समान ईपीआईसी संख्या/श्रृंखला का आवंटन सभी राज्यों/संघ शासित प्रदेशों के मतदाता सूची डेटाबेस को ईआरओनेट प्लेटफॉर्म पर स्थानांतरित करने से पहले एक विकेन्द्रीकृत और मैन्युअल तंत्र का पालन करने के कारण हुआ था। इसके परिणामस्वरूप कुछ राज्य/संघ शासित प्रदेशों के मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालयों ने एक ही ईपीआईसी अल्फान्यूमेरिक श्रृंखला का उपयोग किया और विभिन्न राज्यों/संघ शासित प्रदेशों के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं को डुप्लीकेट ईपीआईसी नंबर आवंटित किए जाने की संभावना को छोड़ दिया।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री ने रमज़ान के पवित्र महीने की शुभकामनाएं दीं

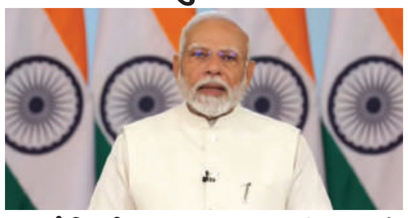

नई दिल्ली। रमज़ान का पवित्र महीना शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस पवित्र अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, "रमज़ान का पवित्र महीना शुरू हो रहा है, यह हमारे समाज में शांति और सद्भाव लाए। यह पवित्र महीना चिंतन, कृतज्ञता और भक्ति का प्रतीक है, साथ ही हमें करुणा, दया और सेवा के मूल्यों की भी याद दिलाता है। रमज़ान मुबारक!

फडणवीस ने शिंदे के फैसले पर लगाई रोक, सफाई के ठेके को किया रद्द

संजय राउत ने ली चुटकी, भ्रष्टाचार रोकने सीएम के फैसले का किया स्वागत

मुंबई। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सीएम देवेंद्र फडणवीस के रिश्तों में सबकुछ खटास नजर आ रही है या फिर दोनों के बीच सबकुछ ठीक होने का दिखावा किया जा रहा है? यह सवाल इसलिए उठ रहे हैं कि सीएम फडणवीस ने शिंदे के कार्यकाल में हुए एक और फैसले पर रोक लगा दी है। जब एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र के सीएम थे, तब तानाजी सावंत के पास स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उस समय अधिकारियों के तबादले, एम्बुलेंस की खरीद में अनियमितता के आरोप लगे थे। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी सरकारी अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और उपकेंद्रों की सफाई का काम ठेके पर दिया था। इसके लिए हरसाल 638 करोड़ रुपए के हिसाब से तीन साल के लिए 3,190 करोड़ रुपए का ठेका पुणे की एक निजी कंपनी को दिया था, लेकिन अब इस ठेके को फडणवीस ने रद्द कर दिया है। इस फैसले को लेकर सीएम देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच चल रहे गुप्त संघर्ष का संदेह विपक्ष जता रहा है, लेकिन शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता और सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर ने कहा इस फैसले के पीछे कोई पार्टीगत कारण नहीं है। सिर्फ स्वास्थ्य विभाग ही नहीं, बल्कि हर सरकारी विभाग को नियमों के मुताबिक काम करना चाहिए। हम जनता के प्रति उत्तरदायी हैं। इस बीच शिवसेना (उद्धव गुट) पार्टी के नेता संजय राउत ने भी इस फैसला का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे के कार्यकाल में जो काम हुए, उनमें केवल भ्रष्टाचार ही हुआ था। शिंदे के समय स्वास्थ्य मंत्री कौन थे, यह सभी को पता है। बीजेपी ने भ्रष्ट मंत्रियों का विरोध किया था। उनमें से एक स्वास्थ्य मंत्री भी थे। सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग सीधे जनता से जुड़ा होता है, लेकिन अगर उस विभाग में भ्रष्टाचार हो रहा है तो यह सही नहीं है।

मानवाधिकारों पर आज से 6 दिवसीय आईटीईसी कार्यकारी क्षमता निर्माण कार्यक्रम की शुरुआत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी), भारत केंद्रीय विदेश मंत्रालय (एमईए) के सहयोग से ग्लोबल साउथ के राष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थानों (एनएचआरआई) के वरिष्ठ स्तर के पदाधिकारियों के लिए मानवाधिकारों पर छह दिवसीय भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यकारी क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन 3 से 8 मार्च, 2025 तक नई दिल्ली में कर रहा है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अनुसार ग्लोबल साउथ के 14 देशों के एनएचआरआई के 47 प्रतिभागियों के इसमें भाग लेने की संभावना है। इनमें मेडागास्कर, युगांडा, समोआ, तिमोर लेस्ते, डीआर कांगो, टोगो, माली, नाइजीरिया, मिस्र, तंजानिया, मॉरीशस, बुरुंडी, तुर्कमेनिस्तान और कतर देश हैं। यह अनुकूलित कार्यक्रम भाग लेने वाले देशों के एनएचआरआई की आवश्यकता और पहले दिए गए फीडबैक के अनुसार विकसित किया गया है। क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण प्रदान करने में डोमेन ज्ञान और विशेषज्ञता वाले प्रतिष्ठित व्यक्ति संसाधन व्यक्ति होंगे। कार्यक्रम का उद्घाटन एनएचआरसी, भारत के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी. रामसुब्रमण्यम 3 मार्च, 2025 को करेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य मानवाधिकारों के विभिन्न आयामों, अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्यों में अंतर्दृष्टि प्रदान करना और विभिन्न एनएचआरआई के प्रतिभागियों के बीच जागरुकता बढ़ाने के लिए पिछले तीन दशकों में एनएचआरसी, भारत के अनुभव को साझा करना है। यह दक्षिण-दक्षिण सहयोग को मजबूत करना, सहयोग और नेटवर्किंग को बढ़ाना और व्यापक क्षमता निर्माण और अनुभव साझा करने के माध्यम से मानवाधिकार संरक्षण तंत्र में सुधार करना चाहता है।

अपनी संभावनाओं से दुनिया को आकर्षित कर रहा है भारत : उपराष्ट्रपति धनखड़

एजेंसी। नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि भारत अब वादे करने वाला देश नहीं रह गया है। भारत को अब सपेरों का देश नहीं माना जाता। भारत पूरी दुनिया को अपनी संभावनाओं से आकर्षित कर रहा है। उपराष्ट्रपति धनखड़ रविवार को केरल राज्य के तिरुवनंतपुरम में 'लोकतंत्र, जनसांख्यिकी, विकास और भारत का भविष्य' विषय पर चौथे पी. परमेश्वरन स्मृति व्याख्यान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि पी. परमेश्वरन की भारतीय मूल्यों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता, भारतीय लोकाचार की उनकी गहरी समझ और राष्ट्रीय एकता के लिए उनका अथक प्रयास पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। सांस्कृतिक रूप से निहित और आध्यात्मिक रूप से जागृत एक आत्मनिर्भर भारत के लिए उनका दृष्टिकोण पूरे देश में गहराई से गूंजता है। हाल के दशक में भारत के विकास को लेकर धनखड़ ने कहा कि जन-केंद्रित नीतियों और पारदर्शी जवाबदेह शासन ने पारिस्थितिकी तंत्र को उछाल दिया है। 1.4 बिलियन का राष्ट्र ग्रामीण क्षेत्र में आए परिवर्तनकारी बदलाव को देखें। हर घर में शौचालय है, बिजली कनेक्शन है, पानी का कनेक्शन आने वाला है, गैस कनेक्शन है, कनेक्टिविटी, इंटरनेट और सड़क, रेल और स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में सहायता करने वाली नीतियां। ये हमारी विकास पथ को परिभाषित करती हैं। उन्होंने कहा कि यह आर्थिक पुनर्जागरण, जो कुछ साल पहले कल्पना से परे था, चिंतन से परे था, सपनों से परे था, उसने हमारे सनातन का सार, समावेशिता, गैर-भेदभावपूर्ण, समान, समान विकास के परिणाम और सभी के लिए फल उत्पन्न किए हैं। किसी भी योग्यता, जाति, धर्म, जाति, रंग के बावजूद प्रयास किया गया है कि लाभ अंतिम पंक्ति में रहने वाले लोगों तक पहुंचना चाहिए और यह बड़ी सफलता के साथ किया जा रहा है। धनखड़ ने कहा कि भारत के सबसे महान सपूतों में से एक (पी. परमेश्वरन) की स्मृति में यह स्मारक व्याख्यान है।

उत्तराखंड में हिमस्खलन के बाद अभी चार लोग बर्फ में दबे, रेस्क्यू जारी

चमोली। उत्तराखंड के चमोली जिले में हिमस्खलन के बाद बीआरओ के मजदूरों को सुरक्षित बचा लिया गया है, लेकिन चिंता इस बात की है कि बर्फ के नीचे अभी भी चार लोग मौत से जंग लड़ रहे हैं। सेना, आईटीबीपी, एसडीआरएफ और जिला प्रशासन की टीमें उन्हें बचाने का प्रयास कर रही हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि फंसे चारों मजदूरों को सकुशल निकाल लिया जाएगा। एवलांच में फंसे मजदूरों की तलाश के लिए एसडीआरएफ की टीम विक्टिम लोकेटिंग और थर्मल इमेज कैमरा के साथ रवाना हो गई है। पुलिस महानिरीक्षक एसडीआरएफ के निर्देशानुसार माणा में एवलांच के दौरान लापता मजदूरों की खोज के लिए एक विशेषज्ञ टीम को रवाना किया गया है। टीम को विक्टिम लोकेटिंग कैमरा एवं थर्मल इमेज कैमरा के साथ सहस्त्रधारा से हेलीकॉप्टर के जरिए से घटनास्थल रवाना कर दिया है। दूसरी ओर जिलाधिकारी ने बताया कि माणा के एवलांच में 54 लोग चपेट में आए थे। एक व्यक्ति अनऑफिशियल लीव पर गया हुआ है। जिलाधिकारी चमोली ने रेस्क्यू अभियान शुरू होने पर जानकारी दी और बताया कि लापता हुए मजदूरों की संख्या चार रह गई है और युद्धस्तर पर रेस्क्यू जारी है। रेस्क्यू टीमों के जाबांजों का जज्बा ही था कि कुछ ही घंटों में रेस्क्यू आपरेशन को 90 फीसदी तक कंप्लीट कर लिया।

ताजमहल देखने के बाद डॉ. ब्रायन ग्रीन ने कहा- यहां की ऊर्जा और जिज्ञासा सचमुच प्रेरणादायक

नई दिल्ली। प्रसिद्ध सैद्धांतिक भौतिक विज्ञानी, लेखक तथा कोलंबिया विश्वविद्यालय में गणित और भौतिकी के प्रोफेसर डॉ. ब्रायन ग्रीन ने ताजमहल की अपनी यात्रा के बाद कहा कि भारत में मैंने विज्ञान और नवाचार के प्रति जो जुनून देखा है, वह अद्भुत है। यहां के छात्रों में ऊर्जा और जिज्ञासा वास्तव में प्रेरणादायक है। शिक्षा और वैज्ञानिक अनुसंधान के प्रति भारत के विशिष्ट दृष्टिकोण की प्रशंसा करते हुए उन्होंने वैश्विक प्रभाव डालने के लिए भारतीय छात्रों के उत्साह और महत्वाकांक्षा पर जोर दिया। संस्कृति मंत्रालय के प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि नासा के पूर्व अंतरिक्ष यात्री व अंतरिक्ष से भारत का अवलोकन करने वाले माइक मैसिमिनो ने कहा कि भारत ज़मीन अधिक सुंदर है। भारत के सौंदर्य के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त करते हुए उन्होंने ताजमहल की असाधारण शिल्पकला की प्रशंसा की और इसे भारत की इंजीनियरिंग और डिज़ाइन की समृद्ध विरासत का प्रमाण बताया। डॉ. ब्रायन ग्रीन और माइक मैसिमिनो मौजूदा समय में भारत की यात्रा पर हैं और देश की समृद्ध वैज्ञानिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक विरासत का आनंद ले रहे हैं। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने प्रतिष्ठित ताजमहल का दौरा किया जहां उन्होंने विज्ञान, इंजीनियरिंग और शिल्प कौशल में भारत की प्रगति की प्रशंसा की।

जेलेंस्की के सूट के बाद अब रामास्वामी के नंगे पैर होने पर भड़के अमेरिकन

भारतीय मूल के विवेक पर एंटी अमेरिकन कल्चर को बढ़ावा देने का लगा आरोप

एजेंसी। वॉशिंगटन

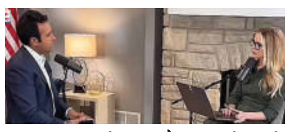

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से हुई मुलाकात में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को इसलिए भी आलोचना का सामना करना पड़ा था क्योंकि वह सूट पहनकर ट्रंप से नहीं मिले थे। ट्रंप के साथ पत्रकारों का सामना करते समय तो एक अमेरिकी पत्रकार ने जेलेंस्की से सूट न पहनने को लेकर सवाल भी पूछ लिया था। अब ट्रंप के सहयोगी भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी को लेकर विवाद शुरू किया गया है। रामास्वामी पर एंटी अमेरिकन कल्चर को बढ़ावा देने का आरोप लगा है। विवेक रामास्वामी का एक साक्षात्कार सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें उन्हें अपने घर पर नंगे पैर दिखाया गया है। इसके लिए भारतीय अमेरिकी उद्यमी रामास्वामी की आलोचना हो रही है। रामास्वामी के अपने घर में नंगे पैर बैठने को असभ्य और एंटी अमेरिकन कहा जा रहा है। जिस साक्षात्कार के लिए उन्हें निशाने बनाया गया है, वह पिछले साल का है। सोशल मीडिया पर शेयर की जा रही फोटो के साथ एक यूजर ने लिखा कि विवेक कभी भी ओहायो के गवर्नर नहीं बनेंगे। यह अमेरिका के लिए अस्वीकार्य है। एक अन्य यूजर ने कहा कि विवेक को कम से कम मोजे तो पहनने की चाहिए थे। उसने लिखा- शायद जब आप दुनिया के सबसे शक्तिशाली साम्राज्य में किसी पद के लिए इंटरव्यू दे रहे हों, तो कम से कम मोजे तो पहने ही होंगे। है ना? एक अन्य यूजर लिखा कि नंगे पांव रहकर हमें शिक्षा पर व्याख्यान देना कितना असभ्य था। हर कोई उनकी आलोचना ही नहीं कर रहा है। कुछ यूजर्स विवेक के बचाव में भी आए हैं। एक ने विवेक की नंगे पैर होने पर आलोचना को सबसे मूर्खतापूर्ण तर्क करार दिया। उन्होंने ये भी कहा कि नंगे पैर अपने घर में जाना एंटी-अमेरिकन नहीं है।

नास्त्रेदमस ने पहले ही कर दी थी भविष्यवाणी कहा था- महाशक्ति से होगा टकराव

एजेंसी। पेरिस

नास्त्रेदमस की भविष्यवाणी सभी को चौंकाने वाली है। नास्त्रेदमस ने इसे लेकर पहले ही भविष्यवाणी कर दी थी। 2025 में होने वाले वैश्विक संघर्ष को लेकर अपनी किताब लेस प्रोफेटीज में नास्त्रेदमस ने पहले ही भविष्यवाणी कर रखी है।नास्त्रेदमस की भविष्यवाणी साल 2025 में क्रूर युद्धों और महान शक्तियों के बीच टकराव की बात करती है। रूस-यूक्रेन के बीच संघर्ष, दक्षिण चीन सागर और मध्य पूर्व सहित वर्तमान भू-राजनीतिक तनाव इस पूर्वानुमान के अनुरूप हैं। स्त्रेदमस पश्चिमी प्रभाव में कमी और नई विश्व शक्तियों के उदय का भी सुझाव देते हैं, जो चीन और भारत जैसे देशों के बढ़ते आर्थिक और रणनीतिक प्रभाव को दर्शाता है। क्या ये तनाव पूर्ण पैमाने पर संघर्ष में बदल जाएंगे, यह अभी तक अनिश्चित है। लेकिन कल की घटना के बाद जिस तरह से वैश्विक शक्तियों ने अपनी चाल बदली है इससे साफ समझा जा सकता है कि आने वाला समय पूरी दुनिया के लिए काफी कठिन होने जा रहा है। अगर यूक्रेन और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ेगा तो उसका असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। ट्रंप, जेलेंस्की को पहले ही चेता चुके हैं कि आप तीसरे विश्वयुद्ध का जुआ खेल रहे हैं। बता दें कि पूरी दुनिया उस समय हैरान रह गई जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की के बीच बहस की खबरें आईं। वीडियो में ऐसा लग रहा था कि मानों दोनों कब हाथापाई कर बैठें। खैर दोनों के बीच हुई तीखी बहस को पूरी दुनिया ने देखा।

लेकिन क्या आप सोच सकते हैं कि ट्रंप और जेलेंस्की की लड़ाई तय थी। जी हां, आप सही पढ़ रहे हैं। दरअसल नास्त्रेदमस ने इसकी पहले ही भविष्यवाणी कर दी थी।तो पहले यह समझते हैं कि अमेरिका जेलेंस्की से चाहता क्या है। दरअसल यह पूरी लड़ाई यूक्रेन में पाए जाने वाले दुर्लभ मिनरल को लेकर है। अमेरिका ने रूस-यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन की खूब मदद की। जब तक बाइडेन राष्ट्रपति थे तो जेलेंस्की को ज्यादा परेशानी नहीं आई। लेकिन ट्रंप के राष्ट्रपति बनते ही अमेरिका अब यूक्रेन के साथ बड़ी सौदेबाजी की कोशिश में लगा हुआ है। ट्रंप चाहते हैं कि अमेरिकी मदद के बदले यूक्रेन मिनरल को लेकर एक बड़ी डील करे। वहीं यूक्रेन इसके बदले में सुरक्षा की गारंटी चाहता है। अब आते हैं नास्त्रेदमस की भविष्यवाणी पर। तो क्या नास्त्रेदमस ने पहले ही इस उठापटक को अपनी आंखों से देख लिया था।

लॉजिस्टिक लागत में कटौती करना सरकार का लक्ष्य: प्रल्हाद जोशी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण तथा नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि ई-कॉमर्स के तेजी से विस्तार और बुनियादी ढांचे के विकास पर सरकार के ध्यान के कारण भंडारण और रसद क्षेत्र को आर्थिक विकास का प्रमुख चालक माना जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी रविवार को यहां केंद्रीय भंडारण निगम (सीडब्ल्यूसी) के 69वें स्थापना दिवस पर आयोजित : कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। जोशी ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) और प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) जैसी सरकारी पहलों में सीडब्ल्यूसी की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया, जिससे खाद्यान्न, दालें, कपास और मूंगफली सहित आवश्यक वस्तुओं के कुशल भंडारण, हैंडलिंग और परिवहन को सुनिश्चित किया जा सके। लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता जताते हुए केन्द्रीय मंत्री जोशी ने कहा कि राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति (एनएलपी) और पीएम गति शक्ति कार्यक्रम के शुभारंभ के साथ हमारा लक्ष्य लॉजिस्टिक्स लागत को मौजूदा 13-14 फीसद से घटाकर लगभग 8 फीसद के वैश्विक मानकों पर लाना है।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड के कई जिलों में तापमान हुआ औसत से अधिक

एजेंसी : रांची। झारखंड में मार्च माह की शुरुआत में ही कई जिलों में तापमान औसत से अधिक पहुंच गया है। मार्च माह के पहले हफ्ते में सबसे अधिक गर्मी डालटेनगंज और बोकारो में बढ़ी है। दोनों जिलों में औसत तापमान क्रमशः 8.40 और 8.50 बढ़ा है, जबकि राजधानी रांची में औसत तापमान 4.2 बढ़ा है और चाईबासा का औसत तापमान 4.71 डिग्री बढ़ा है। उल्लेखनीय है कि मौसम विभाग ने इस माह के अंत तक राज्य में तापमान में 4-5 डिग्री के वृद्धि होने की आशंका व्यक्त की है। इससे मार्च में ही मई और जून जैसी गर्मी पड़ेगी। इसका सीधा आम जन - जीवन पर पड़ेगा। वहीं रविवार को रांची में अधिकतम तापमान 33.3 डिग्री, जमशेदपुर में 37.3, डालटेनगंज में 35.8, बोकारो में 33.8 और चाईबासा में अधिकतम तापमान 37.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म, आरोपित फरार

एजेंसी : रांची। सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले में एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना शनिवार रात की है, जब पड़ोसी युवक ने नाबालिग को घर में अकेला पाकर बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और दुष्कर्म किया। नाबालिग ने घटना की जानकारी अपनी मां को दी, जिसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने नाबालिग का बयान दर्ज किया और मेडिकल जांच कराई।कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया कि आरोपी की पहचान कर ली गई है और वह फरार है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

भाजपा की बैठक में सांगठनिक चुनाव को लेकर विचार विमर्श

एजेंसी : रांची खूंटी । भाजपा के जिला कार्यालय खूंटी में रविवार को संगठनात्मक चुनाव और बूथ समिति पुनर्गठन को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की शुरुआत डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। इसके बाद वंदे मातरम का गान हुआ। बैठक में प्रदेश मंत्री और जिला चुनाव प्रभारी नंदजी प्रसाद तथा संतोष मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर गुप्ता ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री संजय साहू ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन जिला महामंत्री निखिल कंडुलना ने किया। मुख्य अतिथि नंदजी प्रसाद ने बूथ गठन, मंडल अध्यक्ष चयन और जिला अध्यक्ष चयन की प्रक्रिया को विस्तारपूर्वक समझाया। उन्होंने कहा कि भाजपा का संगठनात्मक ढांचा जमीनी स्तर से मजबूत होता है और इसके लिए बूथ स्तर पर मजबूत अनिवार्य है। बूथ गठन प्रक्रिया, प्रत्येक बूथ पर 21 से 25 सदस्यीय समिति गठित की जाएगी, जिसमें बूथ अध्यक्ष, सचिव, बीएल दो सहित अन्य सक्रिय कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी जाएगी। प्रत्येक मंडल में बूथ समितियों से समन्वय कर मंडल अध्यक्ष का चयन किया जाएगा, जिसमें संगठन की रीति-नीति के अनुरूप अनुभवी एवं कर्मठ कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता दी जाएगी। मंडल अध्यक्षों, जिला पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की सहमति से लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत जिला अध्यक्ष का चयन किया जाएगा। बैठक में जिले के सभी मंडल अध्यक्ष, शक्ति केंद्र चुनाव प्रभारी और सह प्रभारी उपस्थित थे। साथ ही, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष सीमा देवी, युवा मोर्चा अध्यक्ष रोहित साहू, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रियांक भगत, पुरेंद्र मांझी, रामध्यान सिंह, कलिंदर राम, राजेश महतो, अर्जुन पाहन, परशुराम दास, सीताराम, भगीरथ राय, योगेंद्र नायक, विनोद नाग, जगरनाथ मुंडा, विनय गुप्ता, सुशीला देवी, लीलू पहान, सुबोध कुमार, अजित रॉय, शंकर दास सहित उपस्थित थे।

धूमधाम से निकली श्री श्याम ध्वजा निशान पदयात्रा

एजेंसी : रांची। श्री श्याम ध्वजा पदयात्रा समिति ने रविवार को नेवरी विकास से मंदिर खाटू श्याम हरमू रोड के लिए श्री श्याम प्रभु का ध्वजा निशान पदयात्रा धूमधाम से निकाली। नेवरी के श्री दुर्गा मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना के साथ श्री श्याम निशान पदयात्रा का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर चारों ओर श्री श्याम के जयकारे और भक्तों के हाथों में श्री श्याम प्रभु का ध्वज लहरा रहा थे। वहीं सुगंधित फूलों से अलंकृत दिव्यरथ पर विराजमान श्री श्याम प्रभु की मनोहरी छवि की सुंदर झांकी का अद्भुत नजारा सबका ध्यान आकर्षित कर रहा था। 251 निशान धारक महिला और पुरुषों ने पारंपरिक वेशभूषा में श्याम प्रभु की दिव्य आभा भक्तों को आध्यात्मिक आनंद से भर रही थी। श्याम भक्त बाबा की ध्वजा अपने कंधे पर उठाकर नाचते- झूमते हुए 17 किलोमीटर यात्रा में शामिल होकर अपने आप मे बाबा की कृपा अनुभव कर रहे थे। 17 किलोमीटर की पदयात्रा मे चल रहे श्याम भक्तों का पूरे मार्ग में जगह-जगह रांची के विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठन जिला मारवाड़ी सम्मेलन, अग्रवाल सभा, अग्रवाल युवा सभा, मारवाड़ी युवा मंच,मारवाड़ी सहायक समिति, गौ सेवा समिति, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जीण माता सेवा संघ सहित कई संगठनों ने यात्रा का स्वागत किया। बरियातू रोड, सर्कुलर रोड, कचहरी रोड, मेन रोड, अपर बाजार होते हुए श्री खाटू श्री श्याम मंदिर हरमू रोड में ध्वजा निशान अर्पित करने के बाद पदयात्रा समाप्त हुई। पदयात्रा में भजन गायकों ने मधुर भजन डोरी खींच के राखीजो यह तो है बाबा को निशान..., श्याम धनी को आयो रे बुलावो... गाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के संयोजक गोपाल मुरारका,हरिशंकर परशुराम पुरिया, ललित कुमार पोद्दार, राजेश ढांढनियां, अशोक लाडिया, रवि चौधरी सहित अन्य भक्तों ने योगदान दिया।

अरगोड़ा में पंच मंदिर का पहला वार्षिकोत्सव 6 मार्च को, आयोजन में धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला

एजेंसी : रांची। अरगोड़ा के पीपरटोली आवासीय परिसर स्थित पंच मंदिर में 6 मार्च को पहले वार्षिकोत्सव का आयोजन किया जाएगा। मंदिर संचालन समिति के मुख्य संरक्षक बीरेंद्र साहु ने रविवार को इस आयोजन की जानकारी दी। मुख्य प्रधान पुजारी पंडित रवि पांडेय और पंच मंदिर तारा नगर के पुजारी पंडित रवि शंकर पांडेय अन्य पुजारियों के साथ सुबह 9 बजे कलश और वेदी पूजन से पूजा की शुरुआत करेंगे। इसके बाद, सुबह 11 बजे महा स्नान, श्रृंखला पूजन, मंत्रोच्चारण, महाआरती और हवन होगा, जिसके बाद महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा। 8दोपहर 3 बजे से रांची के प्रसिद्ध ब्राह्मण जागरण दल द्वारा श्री सुंदरकांड पाठ की संगीतमय प्रस्तुति होगी। संध्या 6 बजे से रात 10 बजे तक भक्ति संगीत की वर्षा होगी। इस आयोजन की सफलता में मंदिर संचालन समिति के सदस्य चितरंजन प्रसाद, छोटन सिंह, जयलाल चौधरी, विवेक कुमार और अध्यक्ष सुबोध कुमार सहित अन्य सदस्य सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।

टीएसपीसी नक्सली संगठन का सेकंड सुप्रीमो आक्रमण गंझु हुआ गिरफ्तार

अमेरिकन राइफल सहित भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा हुआ बरामद

एजेंसी : रांची

चतरा। झारखंड बिहार का मोस्ट वांटेड टीएसपीसी संगठन का सेकंड सुप्रीमो आक्रमण गंझु गिरफ्तार हो गया है। इसके निशानदेही पर चतरा पुलिस को अमेरिकन राइफल सहित हथियारों का जखीरा बरामद करने में सफलता मिली है। कुंभ स्नान से लौटने के क्रम में पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था।। उसके निशान देही पर अन्य लोगों की भी गिरफ्तारी हुई है और भारी मात्रा में हथियार बरामद हुए हैं। रविवार को चतरा एसपी विकास पांडे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले की जानकारी दी। आक्रमण गंझु पर झारखंड पुलिस 15 लाख और टेरर फंडिग के मामले में एनआईए ने तीन लाख का इनाम रखा हुआ था। उसके साथ उसकी पत्नी लावालौंग की पूर्व प्रमुख ममता देवी, चैनपुर, मांडू जिला रामगढ़ के सचिन कुमार गंझू, कुंदा के लुकुईया के अमित गंझू की भी गिरफ्तारी हुई है। आक्रमण की पत्नी लावालौंग ब्लॉक की पूर्व प्रमुख रह चुकी है। झारखंड के कई जिलों के थाने में उसपर 75 से अधिक मामले दर्ज हैं। इनमें चतरा में 49, पलामू में 10, लातेहार में 14 और हजारीबाग में दो मामले शामिल हैं। एसपी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर एसडीपीओ संदीप सुमन के नेतृत्व में गठित स्पेशल टीम ने बिहार और झारखंड के सीमा में हंटरगंज के पत्सुगिया पुल के पास से एक क्रेटा कार से उसकी गिरफ्तारी हुई है।

ये हथियार हुए बरामद- गिरफ्तार नक्सली के पास और उसकी निशानदेही पर नाइन एमएम का तीन पिस्टल, एक देशी कट्टा, नाइन एमएम का 15 जिन्दा गोली, .315 का एक गोली, एक हुंडई क्रेटा गाड़ी, विभिन्न कंपनियों का सात मोबाईल, डोंगल (राउटर) तीन, एम-16 एआई राईफल (अमेरिकन)एक , एसएलआर राईफल, .315 बोर की देशी निर्मीत राइफल दो, 7.62 एम.एम. का देशी पिस्टल एक, 7.65 एम.एम. का देशी पिस्टल तीन, देशी कट्टा एक, एम-16 एआई राईफल का मैगजीन-03, एसएलआर का मैगजीन एक, अन्य पिस्टल का मैगजीन दो, नाइन एमएम का जिन्दा गोली 4597 पीस, 5.5 एमएम का जिन्दा गोली 172 पीस, .315 एमएम का जिन्दा गोली 100 पीस, एम-16 का जिन्दा गोली 90 पीस, 7.62एमएम का जिन्दा गोली-20 राउण्ड, चितकबरा रंग का 01 मैगजीन पाउच सहित अन्य सामान बरामद किया गया है। एसपी विकास पांडे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कुख्यात उग्रवादी के पास से कई देशी और विदेशी हथियार बरामद किए गए हैं। झारखंड सरकार ने राज्य को नक्सली मुक्त राज्य बनाने का संकल्प लिया है। इसी संकल्प को धरातल पर उतरने की दिशा में पुलिस कार्य कर रही है। नक्सलियों के खिलाफ चौतरफा कार्रवाई की जा रही है। पुलिस को प्रतिबंधित नक्सली संगठनों के विरुद्ध निरंतर सफलता भी मिल रही है। नक्सलियों के खिलाफ लागातर छापेमारी अभियान भी चलाया जा रहा है। इसी क्रम में एक मार्च को सूचना मिली कि टीएसपीसी संगठन का कुख्यात उग्रवादी रीजनल कमांडर आक्रमण बिहार की ओर से झारखंड होते पलामू जाने वाला है। इसी को लेकर एसडीपीओ संदीप सुमन के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। टीम ने अभियान के दौरान एक गाड़ी में सवार चार लोगों को गिरफ्तार की। गिरफ्तार लोगों के पास से हथियार मिले और उनके निशानदेही पर हथियारों का जखीरा मिला है। अभियान में सीडीपीओ संदीप सुमन, चतरा सदर थाना प्रभारी विपिन कुमार, हंटरगंज थाना प्रभारी पप्पू कुमार शर्मा, सिमरिया थाना प्रभारी मानव मयंक पुलिस और सब इंस्पेक्टर हरिश्चंद्र सहित जिला बल के जवान शामिल थे।

सेवा भारती ने निःशुल्क चिकित्सा शिविर का किया आयोजन

एजेंसी : रांची

लोहरदगा। सेवा भारती ने चुन्नीलाल उच्च विद्यालय मे निशुल्क स्वास्थ्य जांच और चिकित्सा शिविर का आयोजन किया । इस निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 56 लोग अपने स्वास्थ्य की जांच करवा कर लाभान्वित हुए। यहां हीमोग्लोबिन,यूरिक एसिड , ब्लड ग्रुप, शुगर, बी पी, वजन , हार्ट बीट ,ऑक्सीजन लेवल सहित अन्य का निशुल्क जांच किया गया। मौके पर जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ ने कहा की अपना और अपने परिवारजनों को स्वस्थ रखें और खुशहाल जीवन जिए इसके लिए नियमित रूप से स्वास्थ्य चेकअप कराते रहना चाहिए जिससे कि होने वाले बीमारियों का पता चल सके और कहा की जल्द आंख एवं दन्त चिकित्सक को भी शिविर में आमंत्रित कर इससे संबंधित रोगियों का भी इलाज कराया जायेगा। इस अवसर पर मृत्युंजय कुमार ने कहा कि बहुत से लोगों को अपने स्वास्थ संबंधित बीमारियों की जानकारी नहीं रहने से वह बीमारी बढ़ जाती है जिससे कि आगे जाकर शरीर को काफी नुकसान पहुंचती है। इस शिविर में चेकअप कराने के बाद कई लोगों को अपने बीमारियों की जानकारी मिली और उक्त बीमारी का इलाज करा कर स्वस्थ हो रहे है, आलोक साहू ने कहा कि यह निशुल्क शिविर लोगों के लिए वरदान साबित हो रहा है। सेवा भारती के लोग पूरे मन से सेवा के भाव से कार्य कर रहे हैं और निश्चित रूप से इसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। सहसचिव संजय चौधरी, अनामिका भारती और राजीव यादव ने कहा की प्रत्येक सप्ताह इस स्वास्थ्य शिविर में लोग अपना एवं अपने परिजनों का स्वास्थ चेकअप करवा कर बीमारियों का इलाज भी करवा रहे हैं,यह निशुल्क स्वास्थ्य शिविर निरंतर प्रत्येक रविवार को सुबह एक घंटे के लिए लगाई जाती हैं। शिविर में बडी संख्या में लोग मौजूद थे। इससे पूर्व शिविर का शुभारंभ जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ, कुणाल अभिषेक, मृत्युंजय कुमार, आलोक कुमार साहू, सहसचिव संजय चौधरी और अनामिका भारती ने संयुक्त रूप से भारत माता के तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्प चढ़ाकर किया।

जनता तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना उद्देश्य : कमलेश

एजेंसी : रांची

झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के राजू, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, सरकार और संगठन में समन्वय के लिए लगातार जूम मीटिंग कर रहे हैं। ताकि संगठन और सरकार के तालमेल से सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद जनता को समय पर पहुंचाई जा सके। इसी क्रम में कांग्रेस कोटे के मंत्रियों के साथ क्रमशः जूम मीटिंग कर विभाग की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने की पूरी योजना का रूपरेखा तैयार कर रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता लाल किशोरनाथ शाहदेव ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने प्रभारी के राजू के छह मार्च के झारखंड आगमन को लेकर सभी बोर्ड निगम के अध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस के नेताओं के साथ बैठक कर उन्हें जिलावार जिम्मेवारी भी दी है। शाहदेव ने बताया कि जिलावार बनायी गयी समिति के सदस्य प्रदेश प्रभारी के जिला दौरा से पूर्व अपने-अपने जिलों में जाकर कार्यक्रम की तैयारी की जानकारी लेने और सलाह देने को कहा गया है। इसे लेकर रविवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष की अध्यक्षता में प्रदेश कांग्रेस कार्यान्वयन समिति की हुई, जिसमें छह से 10 मार्च तक के कार्यक्रमों के संबंध में चर्चा की गयी और कार्यान्वयन समिति के सदस्यों को प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यक्रम की सफलता के लिए निर्देश दिया। बैठक में कार्यान्वयन समिति के समन्वयक नागेंद्र कुमार, सदस्य डॉ राजेश गुप्ता, आलोक कुमार दूबे, कामेश्वर गिरि, सुरेन राम, जितेन्द्र त्रिवेदी, अख्तर अली सहित अन्य शामिल हुए।

हर ओर खिले सूर्ख पलाश फूल करा रहे हैं हिंदू नववर्ष के आगमन का अहसास

एजेंसी : रांची

खूंटी। गांवों, जंगलों और सड़क किनारे जगह-जगह पर खिले सूर्ख पलाश के और सेमल के फूल इस बात का आभास करा रहे हैं कि हिंदुओं का नव वर्ष आने वाला है। रंगों का त्योहार होली के साथ ही नव वर्ष भी शुरू हो जाएगा। बसंत पंचमी के आते ही खूंटी सहित आसपास के क्षेत्रों और जंगलों में पलाश के फूल प्रकृति की शोभा बढ़ा रहे हैं। इसीलिए कहा जाता है कि पलाश या टेसू के फूल प्रकृति के श्रृंगार हैं और इसके सूर्ख रंग और आकार दीये की तरह होता है। इसकी बनावट के कारण ही अंग्रेजी साहित्यकारों ने इसे फ्लेम ऑफ फोरेस्ट या वन ज्योति की संज्ञा दी है। इन दिनों खूंटी, गुमला, लोहरदगा, सिंहभूम कहीं भी चले जाएं, हर ओर खिले पलाश के फूल बरबस ही आपका ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लेंगे। बड़े-बुजुर्ग कहते हैं कि चैत्र के महीने में प्रकृति भी अपने सुंदरतम रूप में होती है। झारखंड का राजकीय पुष्प भी पलाश ही है। **पलाश फूल से बनाये जाते हैं रंग और गुलाल-**पलाश और सेमल के फूलों का उपयोग होली के दौरान रंग और गुलाल बनाने में किया जाता रहा है। कर्रा रोड खूंटी की रहनेवाले वरिष्ठ पत्रकार अष्ण चौधरी कहते हैं कि भले ही आज के बच्चे केमिकलयुक्त रंगों से होली खेलते हो, पर पहले लोग पलाश और सेमल के फूलों से रंग और गुलाल बनाते थे। रंग बनाने के लिए फूलों को किसी बड़े बर्तन में रात भर आग में पकाया जाता है। वहीं गुलाल बनाने के लिए फूलों को धूप में सुखाया जाता है और पीसकर गुलाल तैयार किया जाता है। एक किलो फूल से लगभग आठ सौ ग्राम गुलाल तैयार हो जाता है। तोरपा के सामाजिक कार्यकर्ता धमेंद्र कुमार कहते हैं कि हमें हर हाल में प्रकृति के साथ चलना होगा। पलाश और सेमल के फूलों से बने रंग शरीर के लिए काफी लाभदायक हैं। इसलिए हमें रसायन युक्त रंगों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। प्राकृतिक रंग से होली में पानी की भी बचत् होती है। तोरपा के वैद्य नंदू महतो कहते हैं कि पलाश औषधीय गुणों की खान हैं। इसका उपयोग कई तरह की बीमरियों के इलाज में किया जाता है। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य संतोष जयसवाल कहते हैं कि सरकार को चाहिए कि वह पलाश के फूलों की खरीदारी कर उससे प्राकृतिक रंग और गुलाल का निर्माण कराए। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा और लोगों का प्रकृति से जुड़ाव भी होगा। झामुमो के नेता प्रदीप केशरी कहते हैं कि पूरे खूंटी जिले में भारी मात्रा में पलाश के फूल पाये जाते हैं। इसका कहीं सदुपयोग नहीं होता है। उन्होंने कहा कि प्रशासन को इसके व्यावसायिक उपयोग के बारे में विचार करना चाहिए। पलाश पेड़ों की भरमार है खूंटी जिले में खूंटी जिले में प्रचूर मात्रा में पलाश के पेड़ पाये जाते हैं, पर इसके उपयोग पर सरकर या प्रशासन ने अब तक ध्यान नहीं दिया है। जेएसएलपीएस के एक अधिकारी बताते हैं कि पलाश के फूलों के व्यावसायिक उपयोग के बारे में जिला प्रशासन विचार कर रहा है। पलामू और हजारीबाग जिले में प्रशासन पलाश के फूलों से रंग और गुलाल बनाने के लिए पलाश के फूलों की खरीदारी करता है। प्रशासन द्वारा 25 से 30 रुपये प्रति किलो की दर से पलाश के फूलों की खरीदारी कर रहा है। इससे स्थानीय लोगों को कुछ समय के लिए रोजगार मिल जाता है।

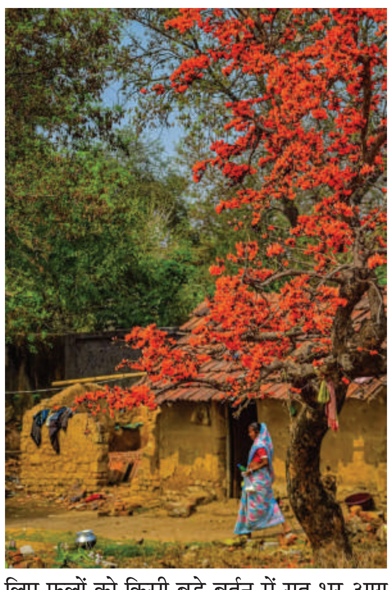

मुक्ति संस्था ने 29 शवों का किया अंतिम संस्कार

एजेंसी : रांची

मुक्ति संस्था ने रविवार को जुमार नदी के तट पर 29 अज्ञात शवों का पूरे विधि विधान से अंतिम संस्कार किया। मुक्ति संस्था के सदस्यों ने रिम्स के मोर्चरी गृह से अज्ञात शवों को निकालकर पैक कर जुमार नदी के तट पर लेकर गए। इस दौरान संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने अज्ञात शवों को मुखाग्नि दी। संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने बताया कि मुक्ति संस्था के जरिये अबतक कुल 1946 अज्ञात शवों का अंतिम संस्कार किया गया है। अंतिम अरदास राहुल जायसवाल ने किया। मौके पर संस्था के रवि अग्रवाल, सौरभ बथवाल, सुमित अग्रवाल, आर के गांधी, सीताराम कौशिक, विकाश विजयवर्गीय, दिनेश गाबा आदित्य शर्मा, संदीप कुमार पंकज खिरवाल, हरीश नागपाल और विनोद सिन्हा शामिल थे।

तोरपा में लगा निःशुल्क चिकित्सा शिविर

एजेंसी : रांची

खूंटी । तोरपा के झामुमो विधायक सुदीप गुड़िया के सौजन्य से रविवार को नगर भवन तोरपा में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इसमें रांची स्थित तुपुदाना के देवनिका हॉस्पिटल एंड रिसर्च के चिकित्सकों ने कई रोगियों के स्वास्थ्य की जांच की। मौके पर विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को हर संभव स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आगे भी इस तरह के स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया जाएगा। मौके पर विधायक ने भी अपनी स्वास्थ्य जांच कराई। इसके पूर्व देविनिका अस्पताल के डॉक्टर और अन्य लोगों ने विधायक का स्वागत किया। शिविर में जिला बीस सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष जुबैर अहमद ने भी अपनी स्वस्थ्य जांच कराई। मौके पर जिप सदस्य सुशांति कोनगाडी, रूबेन तोपनो, प्रदीप केशरी सहित अन्य उपस्थित थे।

पुलिस ने 40 टन कोयला लदा ट्रक किया जब्त

एजेंसी : रांची

रामगढ़ । रामगढ़ जिले के वेस्ट बोकारो ओपी क्षेत्र के बसंतपुर वन क्षेत्र से कोयले की अवैध तस्करी हो रही थी। अवैध कोयला लदा एक ट्रक पुलिस ने जब्त किया है। साथ ही उसके चालक अवधेश कुमार को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले की जानकारी रविवार को एसपी अजय कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि बसंतपुर वन क्षेत्र से कोयला लाद कर इसकी तस्करी किए जाने की सूचना मिली थी। पुलिस ने सूचना के आधार पर जांच अभियान चलाया। इस दौरान शनिवार की देर रात करमटिया मोड के पास एक ट्रक (बीआर 01 जीजी 2610) को रोका गया। इस ट्रक पर 40 टन कोयला लदा था। जब चालक से पूछताछ की गई, तो उसने कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया। इसके बाद चालक मोतिहारी जिले के घोड़ासहन निवासी अवधेश कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार किया। साथ ही ट्रक मालिक पटना निवासी पंकज सिंह से भी दस्तावेज की मांग की गई। लेकिन वह भी कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। जांच के दौरान पता चला कि कुजू निवासी मोइसिन खान, बसंतपुर निवासी छोटा महेंद्र महतो और अन्य लोगों के जरिये अवैध कारोबार को संचालित किया जा रहा था। पुलिस ने चारों तस्करों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, सोमवार, 03 मार्च, 2025

संक्षिप्त समाचार

सीसीएल प्रबंधन और विस्थापितों के बीच वार्ता के बाद आज का चक्का जाम स्थगित

राष्ट्रीय मुख्यधारा : बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल के गोविंदपुर एफ पंचायत अंतर्गत लहरियाटांड़ के सीसीएल विस्थापितों की मांगों को लेकर 3 मार्च से कथारा एरिया के गोविंदपुर-स्वांग परियोजना का चक्का जाम आंदोलन प्रबंधन एवं विस्थापितों के बीच सकारात्मक वार्ता के बाद स्थगित कर दिया गया। लहरियांटांड़ के विस्थापितों द्वारा विस्थापित प्रमाणपत्र सहित सड़क, पानी की सभी समस्याओं का जल्द समाधान को लेकर 15 फरवरी को सीसीएल कथारा के जीएम, बेरमो एसडीएम को लिखित पत्र देकर मांगों को पूरा करने और नहीं करने के एवज में 3 मार्च से गोविंदपुर परियोजना का कोयला ट्रांसपोर्टिंग कार्य को बंद कर चक्का जाम आंदोलन करने की घोषणा की थी। आंदोलन के आलोक में रविवार को कथारा जीएम ऑफिस में वार्ता हुई, जिसमें जीएम संजय कुमार, गोविंदपुर के पीओ एके तिवारी, नोडल अधिकारी आकाश कुमार, रोहित प्रजापति, चंदन कुमार प्रबंधन की लहरियाटांड़ गांव के ग्राम विकास समिति के प्रतिनिधियों के साथ वार्ता हुई। वार्ता में जीएम के द्वारा आश्वासन दिया गया कि एक माह के अंदर लहरियाटांड़ गांव की समस्या का समाधान कर दिया जाएगा। जिस पर ग्रामीणों के तरफ से कहा गया कि एक माह के अंदर ग्रामीण समस्या का समाधान नहीं होता है तो 1 अप्रैल से आंदोलन आरंभ किया जाएगा।

डालसा अधिकारी से कार्रवाई की मांग

राष्ट्रीय मुख्यधारा : चंद्रपुरा (बोकारो) : चंद्रपुरा प्रखंड अंतर्गत घटियारी पंचायत के भुरसाबाद गांव निवासी रैयत लालचंद मांझी ने बोकारो जिला विधिक सेवा प्राधिकार को एक पत्र लिखकर जमीन पर अवैध कब्जे के मामले में कार्रवाई की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि डीवीसी द्वारा वर्ष 1958-59 में उनकी करीब साढे आठ एकड़ रैयती खतियानी जमीन का अधिग्रहण कर लिया गया। उसके एवज में पांच एकड़ 85 डिसमिल भूमि का मुआवजा-भुगतान किया गया। शेष दो एकड़ 62 डिसमिल पर डीवीसी ने वर्षों से जबरन कब्जा कर रखा है। रैयत लालचंद मांझी ने बताया कि भूमि अधिग्रहण के बाद विस्थापन नीति के तहत न तो उसे नियोजन मिला और न कोई मूलभूत सुविधा। खतियानी रैयती भूमि का लगान संबंधित विभाग में वह अब तक जमा कर रहे हैं। रैयत ने डालसा अधिकारी से इस मामले की जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है।

स्वदेशी जागरण मंच की दिवंगत महिला प्रमुख को दी गई श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय मुख्यधारा : बोकारो : स्वदेशी स्वदेशी जागरण मंच बोकारो की ओर से सेक्टर तीन स्थित पूज्य तपस्वी जगजीवन जी महाराज सरस्वती विद्या मंदिर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इसमें मंच के राष्ट्रीय मेल प्रमुख सचिन्द्र कुमार बरियार की धर्मपत्नी स्व. मंजू सिन्हा जी के चित्र पर सभी ने बहुत ही नम आंखों से पुष्पांजलि अर्पित की। राष्ट्रीय संगठक, स्वदेशी जागरण मंच सतीश कुमार मुख्य रूप से उपस्थित थे। सचिन्द्र बरियार ने भी अपने धर्मपत्नी की चित्र पर पुष्प अर्पित किए और श्रद्धांजलि में अपने संस्मरणों को याद करते हुए कहा कि संगठन को विस्तार देने में स्वर्गीय मंजू सिन्हा को नारी सशक्तिकरण की मिसाल बताया। मौके पर क्षेत्र संयोजक अमरेन्द्र सिंह, अजय उपाध्याय, पूर्व विधायक बिरंची नारायण, अजय कुमार चौधरी, जिला संयोजक प्रमोद कुमार सिन्हा, सुजीत कुमार, डॉ. अनिन्दो मंडल, जयशंकर, नवीन सिन्हा, अजय कुमार सिंह, अमरजी सिन्हा, कुमार संजय प्रेम प्रकाश, विकास वर्मा, अशोक रंजन, अवधेश कुमार, ददन प्रसाद भारतीय मजदूर संघ के विनोद कुमार, प्रशांत कुमार, सुशील कुमार, कौशल किशोर, पूनम सिन्हा, रीता श्रीवास्तव, अनुजा सिंह, आशा सिंह, राधा सिंह, मनोरमा चौधरी, सिद्धेश नारायण दास आदि मौजूद रहे।

गोनियाटो की टीम ने जीती स्व. शिवनारायण कुमार महतो मेमोरियल क्रिकेट प्रतियोगिता

राष्ट्रीय मुख्यधारा: बोकारो थर्मल : नावाडीह प्रखंड अंतर्गत ऊपरघाट के गोनियाटो स्थित ग्रामीण स्टेडियम में युवा विकास क्लब एवं ग्राम विकास समिति गोनियाटो के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय 16वां स्व शिवनारायण कुमार महतो मेमोरियल क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मैच रविवार को मां मनसा क्लब पोखरिया एवं युवा विकास क्लब गोनियाटो के बीच खेला गया। इसके पूर्व फाइनल मैच का उद्घाटन युवा आजसू के राज्य संयोजक टिकैत कुमार महतो, पूर्व विधायक प्रतिनिधि टेकलाल चैधरी, मुखिया प्रतिनिधि रामकुमार मरांडी, झामुमो नेता गंगाराम महतो, समाजसेवी सीताराम सोरेन ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। फाइनल मैच में पहले टॉस जीतकर गोनियाटो की टीम ने फील्डिंग का निर्णय लिया। बल्लेबाजी करते हुए पोखरिया की टीम ने 8 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 64 रन बनाए। जवाबी पारी खेलते हुए गोनियाटो की टीम ने 6 विकेट खोकर 58 रन बनाकर मैच हार गई। मैच में विजेता का खिताब पोखरिया एवं उपविजेता का खिताब गोनियाटो की टीम रही। मौके पर आयोजन समिति के काजल उर्फ तुलसी कुमार महतो, शैलेश कुमार, बिरेंद्र कुमार महतो, अशोक तुरी, होरिल महतो, टिंकू कुमार, अजय नायक, दिनेश कुमार महतो, दिलीप मरांडी, संजीत कुमार, विजय कुमार दास, कृष्णा कुमार, गणपत महतो, जितेंद्र मुर्मू, दशरथ मुर्मू, मिथुन कुमार, महेंद्र महतो, कपिल तुरी, जितेंद्र महतो, राजाबाबू आदि लोग उपस्थित थे।

बोकारो में रंगमंच को नई दिशा देने हेतु वरिष्ठ रंगकर्मियों की बैठक संपन्न

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो में नाट्य विधा के पुनर्जागरण और इसे नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के उद्देश्य से वरिष्ठ रंगकर्मियों की एक अहम बैठक रविवार को बोकारो संगीत कला अकादमी में संपन्न हुई। इस बैठक का आयोजन अकादमी प्रबंधक अरुण कुमार सिन्हा के नेतृत्व में किया गया, जिसका प्रमुख उद्देश्य अकादमी के अंतर्गत 'नाट्य प्रशिक्षण केंद्र' की स्थापना करना था।

बैठक में जिले के प्रतिष्ठित रंगकर्मी, नाट्य निर्देशक, लेखक एवं कलाकारों ने भाग लिया और नाट्य जगत के वर्तमान परिदृश्य पर विस्तार से चर्चा की। उपस्थित कलाकारों ने नाट्य गतिविधियों को फिर से जीवंत करने, युवा पीढ़ी को थिएटर से जोड़ने और पारंपरिक एवं समकालीन नाटकों के मंचन को बढ़ावा देने के लिए ठोस रणनीति पर मंथन किया।

रंगकर्मियों ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि स्थानीय कलाकारों को प्रशिक्षित करने, नियमित नाट्य मंचन आयोजित करने और रंगमंच को बढ़ावा देने के लिए एक सशक्त मंच तैयार किया जाए। यह भी तय हुआ कि स्कूली स्तर से ही बच्चों को नाट्य प्रशिक्षण की सुविधा मिले, जिससे रंगमंच की परंपरा को मजबूत आधार मिल सके।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि बोकारो में रंगमंच को पुनर्जीवित करने के लिए नियमित कार्यशालाओं, नाट्य प्रस्तुतियों और थिएटर फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा, नवोदित कलाकारों को मंच प्रदान करने और दर्शकों में नाटक के प्रति रुचि जागृत करने के लिए विभिन्न शैक्षणिक और सांस्कृतिक संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित किया जाएगा।

बैठक में उपस्थित सभी वरिष्ठ रंगकर्मियों ने इस बात पर बल दिया कि रंगमंच केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने का प्रभावी माध्यम भी है। उन्होंने स्थानीय प्रशासन एवं संस्कृति विभाग से सहयोग की अपील की, जिससे बोकारो में रंगमंच को एक नई ऊंचाई दी जा सके।

इस बैठक में वरिष्ठ रंगकर्मियों ने नाट्य विधा के पुनर्जागरण हेतु एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया और जल्द ही एक विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत करने का निर्णय लिया। बैठक में प्रदीप कुमार सिन्हा 'पापु', राजेंद्र कुमार, पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश', अरुण कुमार सिन्हा, सुजीत कुमार, शिव हरि प्रसाद, शशि शेखर, महबूब आलम, विमल सहाय, नवल कपूर सहित कई अनुभवी और नवोदित रंगकर्मी उपस्थित थे।

घांसी कल्याण महासमिति की बैठक में होली मिलन समारोह करने का निर्णय

घांसी कल्याण महासमिति की बैठक में उपस्थित लोग

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : झारखंड राज्य घांसी कल्याण महासमिति की आवश्यक बैठक रविवार को आवासीय कार्यालय में हुई। बैठक की अध्यक्षता बासुदेव नायक ने की। बैठक में आगामी 9 मार्च को पेटरवार के सनराइज पब्लिक स्कूल में प्रेरक सह होली मिलन समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में बेरमो, जरीडीह, कसमार एवं पेटरवार प्रखंड के गणमान्य लोग उपस्थित थे। मौके पर सहयोग राम, रामदास घांसी, संदीप कुमार नायक, विनोद कुमार, सुंदरलाल नायक, शंकर घांसी, रोहितलाल घांसी, राजू नायक, दशरथ नायक, त्रिवेणी घांसी, सोनू नायक, संजय नायक, गोविंद नायक व अन्य लोग मौजूद थे।

विधायक की मौजूदगी में मुआवजे पर बनी सहमति, 24 घंटे बाद हटा मृत श्रमिक का शव

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल के नूरीनगर स्थित डीवीसी के ऐश पौंड में छाई उठानेवाली कंपनी लार्डस के अंतर्गत चलनेवाले हाइवा नंबर-जेएच05डीयू- 9986 के मृत चालक का शव 24 घंटे बाद बेरमो विधायक कुमार जयमंगल एवं बेरमो सीओ संजीत कुमार की मौजूदगी में सकारात्मक वार्ता के बाद रविवार की शाम को पांच बजे उठाया गया। इसके पूर्व भी कुरपनिया निवासी मृतक चालक 40 वर्षीय मनोज नायक का शव नूरी नगर स्थित डीवीसी के ऐश पौंड में रखकर आंदोलनकारियों के द्वारा मुआवजा की मांग छाई का उठाव करनेवाली कंपनी लॉर्ड्स से किया जाता रहा। शाम को बेरमो विधायक कुमार जयमंगल एवं बेरमो सीओ संजीत कुमार मामले की गंभीरता को देखते हुए डीवीसी के ऐश पौंड पहुंचे। बेरमो विधायक के साथ मुखिया विकास सिंह, चंद्रदेव घांसी, महबूब आलम, कुरपनिया के मुखिया प्रतिनिधि आनंद सिंह, पम्मी सिंह, मंजूर आलम आदि भी थे। सूचना पाकर छाई का उठाव करनेवाली कंपनी के सुपरवाइजर मो. हसमुद्दीन भी पहुंचे। वार्ता में बेरमो विधायक ने मृत चालक के आश्रित को कंपनी द्वारा मुआवजा एवं प्रत्येक माह वेतन का भुगतान करने की बात रखी गई और कहा कि मांग कहीं से नाजायज नहीं है। बाद में सहमति बनी कि मृतक के आश्रित को पांच लाख रुपया बतौर मुआवजा, जब तक कंपनी का कार्य चलेगा तब तक प्रत्येक माह भरण पोषण के लिए 15 हजार रुपये का भुगतान कंपनी के द्वारा किया जाएगा। साथ ही दुर्घटना बीमा का लाभ भी दिया जाएगा। बेरमो विधायक ने मृतक के अंतिम संस्कार के लिए अपने पास से 50 हजार रुपया का भुगतान किया।

वार्ता के बाद विधायक के निर्देश पर मृतक चालक के आश्रितों द्वारा शव ऐश पौंड से अंतिम संस्कार के लिए ले जाया गया। पौंड से शव का उठाव के 24 घंटे बाद डीवीसी के ऐश पौंड से छाई का उठाव शुरू कर दिया गया। विदित हो कि हाइवा चालक मनोज नायक की मौत हाईवा एवं टेलर के बीच टक्कर में जैनामोड़ के कोचागोड़ा के समीप शुक्रवार की शाम को हो गई थी। घटना के बाद शनिवार को अपराहन चार बजे कांग्रेस नेत्री पम्मी सिंह, गोविंदपुर सी पंचायत के मुखिया विकास सिंह के नेतृत्व में कुरपनिया के लोगों एवं अन्य हाईवा चालकों ने मृत चालक का शव डीवीसी के ऐश पौंड में लाकर रख दिया और 50 लाख रुपया मुआवजा, मृतक के आश्रित को नौकरी तथा बच्चों की पढ़ाई का खर्च की मांग करने लगे। सभी आंदोलनकारियों ने ऐश पौंड को बंद करवा दिया जिससे पौंड से छाई ट्रांसपोर्टिंग का कार्य भी बंद हो गया था।

वन-पर्यावरण सुरक्षा सह प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जगदीश महतो का निधन

चार दशक से वन सुरक्षा को लेकर किया उत्कृष्ट कार्य, ट्री मैन के रूप में थी पहचान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : कसमार प्रखंड के हिसीम निवासी केंद्रीय वन-पर्यावरण सुरक्षा सह प्रबंधन समिति के केंद्रीय अध्यक्ष जगदीश महतो का निधन रविवार की अहले सुबह हो गयी। वे लंबे समय से सुगर एवं लिवर की बीमारी से ग्रसित थे। उनके निधन की सूचना मिलते ही क्षेत्र के प्रतिनिधियों से लेकर वन समितियों से जुड़े लोगों व ग्रामीणों की भीड़ उनके अंतिम दर्शन को उनके आवास में जुट गयी। गोमिया के पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो, जिप सदस्य अमरदीप महाराज, प्रखंड बीस सूत्री कमिटी अध्यक्ष दिलीप हेम्ब्रम, वरीय झामुमो नेता देवशरण हेम्ब्रम समेत सैकड़ों लोग उनके घर पहुंचकर उन्हें श्रद्धाजंलि दी। जानकारी के अनुसार वे पिछले दो साल से सुगर एवं लिवर की कुछ बीमारियों से ग्रसित थे। इसके बावजूद वन सुरक्षा आंदोलन को गति देने के कार्य में जुटे रहे। वनों की सुरक्षा को लेकर उन्होंने न सिर्फ कसमार प्रखंड, बल्कि पूरे झारखंड में चार दशक तक संघर्ष किया, जिसके कारण उन्हें ट्री मैन कहा जाता है। उनके नेतृत्व में बोकारो के सुदूर हिसीम पहाड़ पर बसे गांवों के जागरूक ग्रामीणों ने वनों की सुरक्षा के मामले में समूचे राज्य को एक दिशा दिखाने का काम किया है। यहां के वन सुरक्षा आंदोलन की गूंज हिसीम पहाड़ की तराई से निकल कर दूर तलक गयी और अन्य जगहों के वन-पर्यावरण प्रेमियों ने भी इससे प्रेरित और उत्साहित होकर इस आंदोलनं को व्यापकता देने का काम किया। उत्तरी छोटानागपुर प्रमण्डल के अलग अलग जिले में इनके नेतृत्व में वर्तमान में लगभग 500 से ज्यादा गांव में वन समितियां गठित होकर वनों की दिन रात सुरक्षा कर रही है। इनके निधन की सूचना मिलते ही गोमिया विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो, जिप सदस्य अमरदीप महाराज, कसमार प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष दिलीप हेम्ब्रम, शिक्षाविद उमेश जायसवाल, डॉ जीतलाल महतो, तपन झा, अशोक सिंह, गंगाधर महतो, आनंद महतो व अन्य ग्रामीण उनके घर पहुंचे एवं उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।

साहिबगंज में सड़क सुरक्षा पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज : जिले में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने और दुर्घटनाओं से निपटने के लिए जिला प्रशासन की ओर से एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक कार्यालय में संपन्न हुआ, जिसमें सड़क सुरक्षा से संबंधित तकनीकी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

प्रशिक्षण के दौरान iRAD/eDAR सिस्टम में एंट्री, BEATH ANALYZER के उपयोग और Hit & Run मामलों से जुड़ी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर मुख्यालय डीएसपी विजय कुमार कुशवाहा और iRAD/eDAR मैनेजर मनोज कुमार ने पुलिस अधिकारियों को विभिन्न तकनीकी प्रक्रियाओं से अवगत कराया।

कार्यक्रम में जिले के सभी थाना क्षेत्रों से संबंधित SI और ASI अधिकारियों ने भाग लिया और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं त्वरित कार्रवाई के उपायों पर प्रशिक्षित हुए। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य आधुनिक तकनीकों के उपयोग से दुर्घटनाओं की जांच को अधिक प्रभावी बनाना और सड़क सुरक्षा को मजबूत करना था।

पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि इस तरह के प्रशिक्षण भविष्य में भी जारी रहेंगे, जिससे जिले में सड़क सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके और दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके।

करौंदा के पौधे से कई तरह के बिमारियों का होता है ईलाज

गोला के जंगलों में मिलने वाले करौंदा के पौधे के दवा के रुप में प्रयोग करते हैं वनवासी

राष्ट्रीय मुख्यधाराः जितेंद्र कुमार

रामगढ़ : गोला के जंगलों में करौंदा का झाड़ीनूमा पौधा प्रचुर मात्रा में मिलता है। जंगलों में रहने वाले आदिवासी व वनवासी इस पौधे से सदियों से कई तरह के बिमारियों के ईलाज करते आ रहे हैं। कच्चे करौंदों का अचार बेहद स्वादिष्ठ होता है। विटामिन से भरपूर इसके पके फल का मुरब्बा लाजवाब होता है। आदिवासी कच्चे करौंदे की सब्जी भी तैयार करते हैं और इसे अनेक पारंपरिक नुस्खों में अपनाते आ रहे हैं। कांटेदार करौंदे का पौधा और 7-8 फुट लंबा होता है। इसमें अत्याधिक एंटी-ऑक्सीडेंट व विटामिन सी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। करौंदों का फल जामुन की तरह होता है।

--वनवासियों के लिए पारंपरिक हर्बल उपाय है--करौंदा औषधीय गुणों से भरपुर है। स्कर्वी रोग की रोगथाम के लिए करौंदा पारंपरिक हर्बल उपाय है। आदिवासियों ने बताया कि करौंदा की सब्जी, चटनी और गर्मियों में पके करौंदा का जूस पीने से स्कर्वी रोग नहीं होता है या इसकी रोकथाम की जा सकती है। विटामिन की अधिकता से स्कर्वी के लिए यह एक बेहतर उपाय है। प्रतिदिन एक गिलास करौंदा का जूस पीने से शरीर में रक्त शुद्धि के साथ खून की मात्रा में काफी इजाफा होता है। करौंदे के सेवन करने से जुकाम व बुखार में लाभप्रद है। यह कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम कर हृदय संबंधी रोगों से बचाता है। करौंदे का रस फेफड़ों की सूजन को दूर करता है। स्त्रियों के स्वास्थ्य सम्बन्धी रोगों में यह काफी लाभप्रद है। इसके सेवन से सूखी खांसी और रक्तचाप को कम करता है। इसका फल कैल्शियम प्रदान कर हमारी हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाता है। यह वजन घटाने में भी सहायक है। करौंदे के रस का प्रतिदिन उपयोग करने से कई तरह के रोगों का उपचार संभव है।

भारत को परम वैभव पर ले जाने की दिशा में प्रयासरत है भारतीय मजदूर संघ : शुक्ला

बोकारो में भामसं के कार्यकर्ता सम्मेलन में बाबूलाल सहित कई दिग्गज हुए शामिल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : भारतीय मजदूर संघ, बोकारो जिला का एकदिवसीय कार्यकर्ता सम्मेलन रविवार को जिला अध्यक्ष जितेंद्र तिवारी की अध्यक्षता तथा कार्यकारी अध्यक्ष अवधेश राय के संचालन में सेक्टर 9 स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में संपन्न हुआ। इसमें कई दिग्गज शामिल हुए। सर्वप्रथम सभी अतिथियों ने भारत माता, बाबा विश्वकर्मा एवं भारतीय मजदूर संघ के संस्थापक दत्तोपंत ठेंगड़ीजी के चित्र के सामने मंगलदीप प्रज्जवलित कर तथा पुष्प अर्पित कर सम्मेलन का विधिवत शुभारंभ किया। उपस्थित कार्यकर्ताओं को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए क्षेत्रीय संगठन मंत्री धर्मदास शुक्ला ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ ने 70 वर्ष की यात्रा पूरी की है और इन 70 वर्षों में हमने न सिर्फ मजदूरों के शोषण के खिलाफ संघर्ष किया, अपितु पूरे समाज को साथ लेकर समाज सुधार तथा राष्ट्र को परम वैभव तक ले जाने के लिए भी काम कर रहे हैं।

मुख्य अतिथि के रूप में विश्व हिंदू परिषद के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जगन्नाथ शाही ने कहा कि राष्ट्रऋषि दत्तोपंत ठेंगड़ी ने भारतीय मजदूर संघ की स्थापना करते वक्त राष्ट्र जीवन में जो परिवर्तन का सपना देखा था, वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पांच परिवर्तन- पर्यावरण की रक्षा, नागरिक कर्तव्य, कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता तथा स्वदेशी, के रूप में अभियान के साथ आने वाला है। विशिष्ट अतिथि के रूप में विशेष रूप से उपस्थित भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने भी संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय मजदूर संघ एक राष्ट्रवादी मजदूर संगठन है एवं आगे संगठित एवं असंगठित क्षेत्र के मजदूरों के लिए तथा भारतीय मजदूर संघ को हरसंभव सहयोग करने का आश्वासन दिया।

झारखंड प्रदेश भारतीय मजदूर संघ के उपाध्यक्ष कृष्णा राय ने कहा कि आने वाले समय में बोकारो जिले की सभी यूनियनों जैसे कोयला, स्टील, डीवीसी, बियाड़ा, संगठित एवं असंगठित क्षेत्र में आंदोलन तेज किया जाएगा। राष्ट्रहित, उद्योगहित एवं मजदूरहित में काम करते हुए मजदूरों के वेतन की सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा तथा सेफ्टी मानकों की स्थापना हेतु और आंदोलन तेज किया जाएगा। सभा को भारतीय मजदूर संघ झारखंड प्रदेश के अध्यक्ष बलिराम यादव, प्रदेश महामंत्री राजीव रंजन सिंह, संगठन मंत्री बृजेश कुमार ने भी संबोधित किया। सम्मेलन में विशेष रूप से उपस्थित बोकारो जिला के सहायक श्रम आयुक्त एवं श्रम अधीक्षक रंजीत कुमार ने भी सरकार द्वारा प्रदत्त योजनाओं को समूह की जानकारी दी तथा मजदूरों को हरसंभव सहयोग करने का आश्वासन दिया। सम्मेलन में इस्पात उद्योग, स्टॉक यार्ड, ठेका मजदूर, डीवीसी, सीसीएल, बीसीसीएल, ओएनजीसी बैंक, पोस्ट ऑफिस से सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मनोज कुमार सिंह, उमेशचंद्र दुबे, रामपत महतो, राजेश बिहारी चौबे, उमेश प्रसाद सिंह, संत चौहान, अनिमेष गिरि, महेश राय, एसके वर्मा, रणधीर सिंह, संदीप मंडल, रामनारायण लाल, पृथ्वीराज साहू, कृष्ण केवट आदि मौजूद रहे।

स्टार्ट-अप विलेज उद्यमिता एवं वन-स्टॉप सुविधा अंतर्गत जिले के सभी उद्यमियों के साथ एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

- कार्यशाला में समूह के दीदियों ने अपनी सफलता की कहानियां उपायुक्त के समक्ष साझा की....
- उपायुक्त ने कहा कि समूह का उद्देश्य है कि महिलाएं अपने बल पर आत्मनिर्भर बनें....
- महेशपुर की 19 उधमियों के बीच 9 लाख 4 हजार, पाकुड़ सदर की 18 उधमियों के बीच 8 लाख 6 हजार की राशि का चेक का किया वितरण.....
- सभी प्रखंडों से एक-एक सफल उद्यमियों को प्रशस्ति पत्र एवं उद्यम को सपोर्ट करने वाले सीआरपी, ईपी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया....

पाकुड़ : झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी के सौजन्य से स्टार्ट-अप विलेज उद्यमिता एवं वन-स्टॉप सुविधा अंतर्गत जिले के सभी उद्यमियों के साथ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन रविन्द्र भवन टाउन हॉल में किया गया। इस कार्यशाला का शुभारंभ उपायुक्त मनीष कुमार व उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया व डीपीएम एवं जेएसएलपीएस के सखी दीदी के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। उपायुक्त मनीष कुमार ने महिलाओं से वर्तमान समय की मांग के अनुसार उद्यमी बनकर स्वयं एवं अन्य लोगों को अपने उद्यम से जोड़ने की बात पर जोर दिया। साथ ही उपायुक्त ने सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। सभी दीदियों को स्वरोजगार की स्थापना हेतु प्रेरित किया तथा उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने सभी दीदियों से अपने सफल उद्यमी बनने की कहानी तथा उसमें आई बाधाओं को सबके साथ साझा करते हुए हिम्मत से काम लेने की बात कही।

उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया ने स्वरोजगार के बहुत सारे तरीके को बहुत ही सहजता से बताया जिसमें सहजन के पत्तों के मार्केटिंग एवं ऑनलाइन के माध्यम से मार्केटिंग पर बल दिया गया। साथ ही जिले में खाली पड़े भवनों को स्वरोजगार केंद्र के रूप में विकसित करने की भी बात कही। मौके पर जिला पशुपालन पदाधिकारी, सभी प्रखंड के बीपीएम, जेएसएलपीएस के सखी दीदी समेत अन्य उपस्थित थे।

शहरी जलापूर्ति योजना को चालू कराने की कवायद तेज, टीम ने किया निरीक्षण

पाकुड़ : उपायुक्त मनीष कुमार के पहल पर शहरी जलापूर्ति योजना को चालू कराने की कवायत तेज हो गई है।इसी सिलसिले में रविवार को तांतीपाड़ा में बनी इंटरमीडिएट सम्प में बिजली आपूर्ति और अन्य समस्याओं के निराकरण को लेकर एक विशेष टीम के द्वारा स्थलीय निरीक्षण किया गया। जिसमें नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार चौधरी,विद्युत आपूर्ति प्रमंडल के सहायक अभियंता गिरधारी सिंह मुंडा,पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के सहायक अभियंता अभिजीत किशोर शामिल थे।इस दौरान महिला सामाजिक कार्यकर्ता मीरा प्रवीण सिंह,नगर परिषद के निवर्तमान अध्यक्ष सम्पा साह एवं सामाजिक कार्यकर्ता हिसाबी राय भी विशेष रूप से मौजूद थे।इस दौरान सम्प में बिजली आपूर्ति को लेकर कई समस्याएं नजर आई। इसी दौरान दलदली भूमि और नालियों में आकर जमा हो रही गंदा पानी तथा इसी जमीन पर बीचों-बीच स्थित बिजली का ट्रांसफार्मर मुख्य समस्या के रूप में सामने उभर कर आई। निरीक्षण टीम ने दलदली भूमि को जल से मुक्त करने,नालियों में जमा हो रहे गंदे पानी के प्रवेश को रोकने और बिजली ट्रांसफार्मर को वहां से हटाकर पास में ही लगाने पर विचार विमर्श किया गया। इसी दौरान पास से ही ओवरहेड इलेक्ट्रिक केबल सम्प तक लगाने का निर्णय लिया गया।इस पर विशेष रूप से मीरा प्रवीण सिंह ने अपनी सहमति जताई और स्थान भी चिन्हित किया।इस दौरान कार्यपालक पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार चौधरी ने बताया कि शहरी जलापूर्ति योजना का पूर्ण ट्रायल करते हुए शहर के लोगों को गंगा का पीने का स्वच्छ पानी घर-घर उपलब्ध कराना है। इसलिए उपायुक्त के आदेश पर आज यहां निरीक्षण किया गया।इस दौरान जो भी समस्याएं सामने आई,उसे दूर करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि जल्द ही शहर के लोगों को पीने का पानी मिलना शुरू हो जाएगा।इस दौरान नगर परिषद के प्रधान सहायक देवाशीष जय बर्मन, विद्युत आपूर्ति प्रमंडल के कनीय अभियंता आशीष कुमार पटेल, नगर परिषद के सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, सामाजिक कार्यकर्ता सुशील साह आदि मौजूद थे।

15 वें वित्त अंतर्गत योजनाओं को गुणवत्तापूर्ण एवं ससमय पूर्ण करें: डीसी

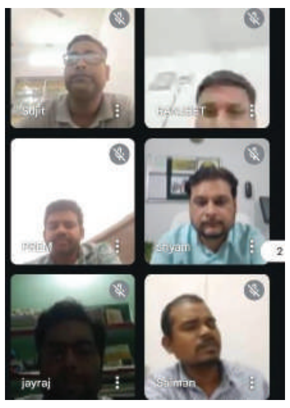

पाकुड़ : उपायुक्त मनीष कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कनीय अभियंता, सहायक अभियंता एवं प्रखंड समन्वयक, पंचायत राज एवं 15 वें वित्त आयोग अन्तर्गत प्रखंडों में क्रियान्वित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। उपायुक्त मनीष कुमार ने सभी अभियंताओं को गुणवत्तापूर्ण कार्य करते हुए लंबित योजनाओं को यथाशीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यदि जांच के क्रम में प्राक्कलन के अनुसार गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं पाया गया, तो संबंधित कनीय अभियंता एवं सहायक अभियंता पर कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त महोदय द्वारा ग्राम पंचायतों में निर्मित कराये जा रहे भस्मक, सेग्रीगेशन बिन, हैंडवाश यूनिट के संबंध में समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी संरचना को 15 मार्च तक निर्माण कराने का निर्देश दिया गया। सभी अभियंताओं एवं प्रखंड समन्वयक को नियमित क्षेत्र भ्रमण कर योजनाओं की निगरानी करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी योजना की प्रशासनिक स्वीकृति से पहले भूमि विवाद की जांच कर ली जाए और केवल गैर-विवादित भूमि पर ही योजनाएं बनाई जाएं।उन्होंने कहा कि स्वीकृति के बाद कार्य में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही सभी बंद पड़े नलकूपों की मरम्मति का निर्देश दिया गया। बैठक में प्रभारी जिला परियोजना प्रबंधक आंनद प्रकाश, सभी प्रखंड के प्रखंड समन्वयक, पंचायती राज, सभी प्रखंडों के कनीय अभियंता एवं सहायक अभियन्ता उपस्थित रहे।

आजीविका संवर्धन के लिए पशुपालन योजना मददगार:डीसी

पाकुड़ : उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिला पशुपालन एवं गव्य विकास विभाग के कार्यों की गहन समीक्षा की गई। उपायुक्त ने मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत चालु वित्तीय वर्ष के लाभुकों के बीच अनुदान की राशि का हस्तांतरण अगले एक सप्ताह के अंदर शत प्रतिशत पूर्ण करने, विगत वित्तीय वर्ष के छूटे हुए लाभुकों को पशुधन उपलब्ध कराने एवं पशुधन गणना का कार्य तय समय सीमा के अंदर पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। पशुधन गणना में हिरणपुर प्रखंड के प्रखंड नोडल पदाधिकारी को एक सप्ताह के अंदर 50 प्रतिशत आंकड़ों के संग्रहण का कार्य पूरा करने का लक्ष्य दिया गया। उपायुक्त ने पशुपालन को प्रोत्साहित करने एवं पशुपालन के माध्यम से आजीविका संवर्धन के नवीन संभावनाएं तलाशने की आवश्यकता जताई। बैठक में उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ० अनिल कुमार सिन्हा, पशु शल्य चिकित्सक डॉ स्मरजीत मंडल, सभी प्रखंडों के प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी एवं सभी भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी समेत अन्य उपस्थित थे।

स्वच्छता सर्वेक्षण पखवाड़ा का हुआ आयोजन

- डीसी ने उपस्थित लोगों को दिलाया स्वच्छता का शपथ....
- डीसी ने बेहतर कार्य करने वाले सफाईकर्मियों एवं एसएचजी दीदियों को प्रशस्ति पत्र एवं पीपीई कीट देकर किया सम्मानित....

पाकुड़ : उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता सर्वेक्षण पखवाड़ा का आयोजन रविन्द्र भवन टाउन हॉल में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त मनीष कुमार व उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल, प्रशासक, नगर परिषद अमरेन्द्र कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।

उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि नगर परिषद पाकुड़ की टीम का अथक मेहनत और प्रतिबद्धता से पाकुड़ नगर परिषद को स्वच्छता में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया है। उपायुक्त ने कहा कि पाकुड़ जिले को स्वच्छता सर्वेक्षण में नंवर वन पर लाना मेरा लक्ष्य है। उपस्थित लोगों को अपने आस-पास की सफाई रखने और गंदगी फैलाने से बचने में सक्रिय रूप से भाग लेने हेतु अनुरोध किया गया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हम सभी को चाहिये कि हम अपने आसपास के लोगों को साफ-सफाई हेतु प्रेरित करें। यदि हम ऐसा करते हैं तभी जाकर स्वच्छता को बल मिलेगा। उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया ने कहा कि पाकुड़ को स्वच्छ और सुंदर बनाने में आप सभी जिलावासियों का सहयोग अपेक्षित है, ताकि जिले को मॉडल जिला बनाया जा सके। मौके पर नगर प्रबंधक मृत्युंजय पांडे, नगर मिशन प्रबंधक मनीष मिश्रा, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, सीएलटीसी, प्रधान सहायक एवं नगर परिषद क्षेत्र के स्वयं सहायता समूह की दीदी, सफाईकर्मी सहित अन्य उपस्थित थे।

सड़क पर उतरे स्वस्थ कर्मी, दोषियों पर करवाई की मांग की

अनिश्चकालीन हड़ताल की दी चेतावनी....

पाकुड़: जिले के लिट्टीपाड़ा प्रखंड अन्तर्गत झेनागढ़िया गांव में 17 फरवरी को दवा खिलाने गई मेडिकल टीम पर हमला किया गया था । इस हमले में ग्रामीणों द्वारा स्वास्थ्य कर्मियों के साथ धक्का-मुक्की की गई थी, वहीं कुछ लोगों को बंधक भी बना लिया गया था। इसके बाद 18 फरवरी को स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा डीसी से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं होने पर रविवार को स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा प्रदर्शन कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों ने पुराना सदर अस्पताल से आक्रोश रैली निकाली और पूरे शहरी क्षेत्र का भ्रमण किया। प्रदर्शन में शामिल स्वास्थ्य कर्मी ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए ये रैली है । इसके साथ ही स्वास्थ्य जांच करने, दवा खिलाने और इलाज के दौरान आए दिन स्वास्थ्य कर्मियों पर ग्रामीणों द्वारा जानलेवा हमला किया जाता है, इसके खिलाफ भी स्वास्थ्य कर्मियों ने आक्रोश रैली निकाली है।

स्वास्थ्य कर्मियों का कहना है कि सुरक्षा को लेकर शासन प्रशासन सिर्फ और सिर्फ आश्वासन ही देता है। लेकिन स्वास्थ्य कर्मी कहीं सुरक्षित नहीं है। ऐसे में ड्यूटी करना संभव नहीं है। स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि पिछले दिनों लिट्टीपाड़ा प्रखंड के झेनागढ़िया गांव में स्वास्थ्य कर्मियों के साथ मारपीट की गई और महिला कर्मी के साथ गलत व्यवहार किया गया । जब थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई तो प्रशासन के स्तर से हम सभी स्वास्थ्य कर्मियों पर दबाव बनाए जाने लगा कि प्राथमिकी वापस ले नहीं तो कार्रवाई होगी । स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि यदि हम सभी ड्यूटी के दौरान मार खाते रहे और हम पर ही दबाव बनाया जाएगा तो कैसे ड्यूटी की जाएगी, स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि यदि दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो 3 मार्च से जिले के सभी कर्मी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जायेंगे ।

कथावाचक व्यास गौतम जी महराज ने शिवरात्रि और शिवलिंग पर किया व्याख्यान

पाकुड़िया : शिवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर प्रखंड के मोंगलाबांध ग्राम स्थित शिव मंदिर प्रांगण में रोजाना धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है जहां श्रोताओं की अच्छी उपस्थिति देखी जा रही है। अनुष्ठान के तीसरे रोज रात्रि को शिव महापुराण पर व्यापक चर्चा करते हुए प्रकांड विद्वान व कथावाचक व्यास जी गौतम जी महराज ने शिवरात्रि और शिवलिंग पर व्याख्यान किया। कथा में उन्होंने शिवलिंग की उत्पत्ति एवं पूजा विधि के विषय में श्रद्धालुओं को सुनाया। शिवलिंग (अर्थात प्रतीक, निशान या चिह्न) इसे लिंगा, पार्थिव-लिंग, लिंगम या शिवा लिंगम भी कहते हैं। यह हिंदू भगवान शिव का प्रतिमाविहीन चिन्ह है। यह प्राकृतिक रूप से स्वयंशंभू व अधिकतर शिव मंदिरों में स्थापित होता है। शिवलिंग को सामान्यतः गोलाकार मूर्तितल पर खड़ा दिखाया जाता है, जिसे पीठम् या पीठ कहते हैं। कथा में उन्होंने विस्तार से लोगों को प्रकाश डाला। इसी में कथा के बीच-बीच में कथासार के गानों पर वृंदावन से पहुंची तीन मनमोहन नृत्यांगना द्वारा सभी श्रद्धालुओं को कृष्ण, राधा एवं गोपी के रूप में श्रद्धालुओं के बीच नृत्य संगीत कर मन मोह लिया। शिव महापुराण कथा सुनने में इलाके के सभी महिला, पुरुष पूर्णतः लीन दिखे।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, सोमवार, 03 मार्च, 2025

संक्षिप्त समाचार

धनबाद में साइबर अपराधी गिरफ्तार, जंगल से चला रहे थे ठगी धंधा

धनबाद, एजेंसी। टुंडी थाना क्षेत्र के नीमटांड जंगल मे छापेमारी कर साइबर अपराधी को गिरफ्तार करने में पुलिस को सफलता मिली है. छापेमारी के दौरान पुलिस को देख एक अन्य साइबर अपराधी मौके से भागने में सफल रहा. मौके से पुलिस ने सात मोबाइल और 13 सिम जब्त किए हैं. साइबर डीएसपी संजीव कुमार ने मीडिया को जानकारी दी कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि टुंडी थाना क्षेत्र के निमटांड स्थित मधुरसाय गांव के पास के जंगल में कुछ साइबर अपराधियों के द्वारा साइबर अपराध की घटना को अंजाम दिया जा रहा है. गुप्त सूचना के अधार पर पुलिस वहां पहुंची और साइबर अपराधियों को रंगेहाथों गिरफ्तार कर लिया. एक अपराधी को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि दूसरा भागने में कामयाब रहा. पूछताछ और तलाशी के दौरान अपराधी के पास से सात मोबाइल फोन और 13 सिम कार्ड बरामद किए गए हैं.

साइबर पुलिस की टीम ने जांच पड़ताल में पाया कि बरामद 13 सिम कार्ड में से दो के खिलाफ एनसीआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज है. मध्यप्रदेश के भोपाल और महाराष्ट्र में इसका मामला दर्ज है. इनके द्वारा आरबीएल बैंक के क्रेडिट कार्ड के नाम पर एपेक फाइल भेजा जाता था. उसे डाउनलोड करवाकर साइबर ठगी की जाती थी. क्रेडिट कार्ड अपडेट करने के नाम पर एपेक फाइल डाउनलोड करवाते थे. डाउनलोड के बाद साइबर अपराधी उसके मोबाइल को अपने कंट्रोल में लेते थे. गिरफ्तार साइबर अपराधी का नाम सतीश कुमार मंडल है. वह मधुरसाय गांव का ही रहने वाला है. इसका एक साथी मौके से भागने में कामयाब रहा. उसकी तलाश जारी है.

एमएसपी पर धान खरीद में झारखंड फिसड्डी, ढाई माह में 37 फीसदी ही हुई खरीददारी!

रांची, एजेंसी। प्रदेश के किसानों से एमएसपी पर धान खरीदने के मामले में झारखंड फिसड्डी साबित होता दिख रहा है. 15 दिसंबर 2024 को खाद्य आपूर्ति मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने जामताड़ा से धान खरीद की शुरुआत की थी. वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 6 लाख मिट्रिक टन यानी 60 लाख क्विंटल धान खरीद का लक्ष्य रखा गया है. लेकिन ढाई माह बीतने के बावजूद 24 फरवरी तक सिर्फ 22,29,854.33 क्विंटल यानी लक्ष्य की तुलना में 37.14 ही धान की खरीद हो पाई है. झामुमो विधायक हेमलाल मुर्मू के सवाल का जवाब देते हुए सरकार की ओर से सदन में इस बात को स्वीकारा गया है.

खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग का कहना है कि 15 अप्रैल 2025 तक धान की खरीद होनी है. 60 लाख क्विंटल धान खरीद के टारगेट को पूरा करने के लिए निबंधित किसानों को उनके मोबाइल पर धान बेचने की तारीख की सूचना एसएमएस के जरिए दी जाती है. धान बेचने के लिए ई-उपार्जन पोर्टल पर 2,44,459 किसानों ने रजिस्ट्रेशन कराया है. धान खरीदने के लिए राज्य में कुल 736 अधिप्राप्ति केंद्र खोले गये हैं.

इस साल धान खरीद पर 100 रु. की जगह 200 रु. का बोनस दिया जा रहा है. इस लिहाज से एक क्विंटल धान के बदले 2,400 रु दिए जा रहे हैं. फिर भी किसान रुचि नहीं दिखा रहे हैं. विभाग की दलील है कि किसान बिचौलियों को औने-पौने दाम में धान ना बेचें, इसके लिए सभी उपायुक्तों को किसानों के बीच जागरुकता लाने को कहा गया था. इसकी वजह से बिचौलियागिरी को थोड़ा अंकुश जरुर लगा है. लेकिन सवाल वही है कि क्या डेढ माह में शेष 67 प्रतिशत धान खरीद के लक्ष्य को पूरा कर लिया जाएगा.

झारखंड के सभी जिलों का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस पार, रांची का पारा पहुंचा 33.3 डिग्री

रांची, एजेंसी। झारखंड के सभी जिलों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में वृद्धि होने लगी है. मौसम विभाग के अनुसार आज रविवार से आसमान साफ रहेगा और मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है. स्थिति यह हो गयी है कि झारखंड के सभी जिलों का अधिकतम तापमान 30 डिग्री से ऊपर हो गया है. राज्य में शनिवार को सबसे अधिक तापमान बहरागोड़ा का रिकॉर्ड किया गया. यहां का अधिकतम तापमान 38.9 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया. सुबह-शाम हल्की ठंड के बीच दिन में अचानक तापमान में वृद्धि से लोग परेशान होने लगे हैं।

झारखंड को कब मिलेगा 1.36 लाख करोड़ बकाया?

संयुक्त कमेटी के गठन से बढ़ीं उम्मीदें

रांची, एजेंसी। झारखंड में संचालित कोयला कंपनियों पर राज्य सरकार के बकाया दावा का आकलन के लिए संयुक्त कमेटी बनायी गयी है. संयुक्त कमेटी कोयला खदानवार राज्य सरकार के दावे का अध्ययन करेगी. 1.36 लाख करोड़ बकाये के दावे का कमेटी आकलन करेगी. कमेटी की रिपोर्ट के बाद भुगतान के मामले पर मंत्रालय और राज्य सरकार की उच्चस्तरीय कमेटी बैठेगी.

फरवरी के पहले सप्ताह में कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी झारखंड दौरे पर आये थे. उन्होंने मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी. इसमें राज्य के वरीय अधिकारियों के साथ-साथ कोयला कंपनियों के उच्च अधिकारी भी थे. इसमें राज्य सरकार ने 1.36 लाख करोड़ (संशोधित 1.41 लाख करोड़) बकाया भुगतान का मामला उठाया था. इसमें एक संयुक्त टीम बनाकर दावे का आकलन कराने पर सहमति बनी थी. इसके बाद राज्य सरकार ने संबंधित खनन क्षेत्रों के जिलों के उपायुक्तों की अध्यक्षता में कमेटी बनायी है. कमेटी में जिले के अपर समाहर्ता और संबंधित कंपनियों के एरिया के महाप्रबंधकों को रखा गया है. इसके अतिरिक्त उपायुक्तों को यह अधिकार दिया गया है, कि अगर कमेटी में किसी अन्य को रखना चाहते हैं, तो रख सकते हैं. कमेटी को जल्द रिपोर्ट देने को कहा गया है.

कोल कंपनियों पर भूमि मुआवजा, वॉश्ड कोल रॉयल्टी और कॉमन कॉज के 1.36 लाख करोड़ के बकाया को संशोधित कर सरकार ने 1.41 लाख करोड़ रुपये कर लिया है. झारखंड सरकार का खान विभाग वॉश्ड कोल रॉयल्टी व कॉमन कॉज के तहत भेजे गये डिमांड नोट की राशि कोल कंपनियों से मांग रही है. खान विभाग द्वारा कुल 40242.75 करोड़ रुपये की मांग की गयी है. जबकि भू-राजस्व विभाग कोल बेयरिंग एक्ट (सीबीए) के तहत कोल कंपनियों द्वारा किये गये भूमि अधिग्रहण के एवज में मुआवजा की मांग कर रही है. यह राशि मार्च 2022 तक 41142 करोड़ रुपये तय की गयी थी. इस रकम पर भूमि अधिग्रहण से लेकर मार्च 2022 तक केवल सूद की राशि ही 60 हजार करोड़ रुपये हो गयी है. सरकार ब्याज की रकम जोड़ कर भूमि अधिग्रहण मद में कुल बकाया 101142 करोड़ रुपये केवल मुआवजा मद में मांग रही है. जबकि राज्य सरकार के अनुसार, कोल कंपनियों पर कुल 141384.75 करोड़ रुपये का बकाया हो गया है.

कोल ट्रिब्यूनल द्वारा पिछले वर्ष ही ज्वाइंट कमेटी बनाकर रॉयल्टी संशोधित करने की बात कही गयी थी. कमेटी ने स्थल निरीक्षण कर विभिन्न वॉश्ड कोलियरी की गणना की. वॉश्ड कोल पर रॉयल्टी की रकम 6029.75 करोड़ रुपये आयी. इसे ट्रिर्ब्यूनल के पास भेजा जायेगा. वहीं, वर्ष 2017 में सुप्रीम कोर्ट के कॉमन कॉज मामले में दिये गये आदेश पर सभी कोल कंपनियों की जांच की गयी. तब कोल कंपनियों पर 32 हजार करोड़ रुपये का डिमांड नोट भेजा गया था. इसके बाद इस मामले को लेकर कोल कंपनियां कोल ट्रिब्यूनल चली गयीं. वहां भी राशि संशोधित करने की बात कही गयी. इसके बाद खान विभाग ने नये सिरे से डिमांड नोट तैयार किया, तो राशि 32 हजार करोड़ रुपये से बढ़ कर 34213.42 करोड़ रुपये हो गयी. सीसीएल ने अपने अधिकारियों को भी निर्देश दिया है कि वह राज्य सरकार को आकलन में पूरा सहयोग करें. राज्य सरकार के अधिकारी जो भी कागजात की मांग करते हैं, उसे पूरा करायें. संबंधित एरिया के महाप्रबंधकों को इससे संबंधित पत्र कंपनी स्तर से भेजा गया है।

10वीं की हिंदी और विज्ञान परीक्षा का नया शेड्यूल जारी, अब इस तारीख को होगा एग्जाम

रांची, एजेंसी। जैक मैट्रिक की हिन्दी और विज्ञान की नई परीक्षा तिथि जारी कर दी गई है। हिन्दी एक और हिन्दी बी की परीक्षा अब 7 मार्च को आयोजित होगी, जबकि विज्ञान की परीक्षा 8 मार्च को आयोजित होगी। दोनों परीक्षाएं पहली पाली में सुबह 9.45 बजे से दिन के 1.00 बजे तक आयोजित होगी।

ये दोनों परीक्षा 18 मार्च और 20 मार्च को हुई थी, लेकिन परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक होने के बाद दोनों विषयों की परीक्षा रद कर दी गई थी। दोनों परीक्षाएं अपने पुराने परीक्षा केंद्रों में ही आयोजित की जाएगी। मालूम हो कि पूर्व निर्धारित तिथि के अनुसार परीक्षा चार मार्च तक आयोजित होगी।

बता दें कि 20 फरवरी को विज्ञान की परीक्षा होने के बाद जब प्रश्नपत्र, वायरल प्रश्नपत्र से एकदम सेम टू सेम मिल गया तब जैक बोर्ड ने भी इस लीक की बात को सही माना।

जैक बोर्ड ने खुद की जांच में भी पेपर लीक की बात को सही पाया था। इसके बाद बोर्ड ने तुरंत ही पूरे राज्य में विज्ञान और हिंदी की परीक्षा रद कर दी थी। परीक्षा के पेपर लीक होने के बाद जैक बोर्ड को छात्रों के गुस्से का सामना भी करना पड़ा था। कई छात्रों ने इसे लेकर नाराजगी जताई।

प्रायोगिक परीक्षा 10 से 25 मार्च तक संबंधित विद्यालयों में ली जाएगी। साथ ही इंटरमीडिएट के विज्ञान, वाणिज्य और कला संकाय की परीक्षा भी इसी बीच होगी, यानि की 10 से 25 मार्च तक दोनों पालियों में आयोजित की जाएगी।

साथ ही मैट्रिक और इंटर के परीक्षार्थियों का प्रायोगिक परीक्षा व आंतरिक मूल्यांकन के अंक को संबंधित स्कूलों द्वारा जैक को आनलाइन भेजा जाएगा। दोनों कक्षाओं के अंकों को 11 से 26 मार्च तक भेज देने का निर्देश दिया गया है।

11वीं परीक्षा के लिए आवेदन पत्र भरने की तिथि बढ़ा दी गई है। स्कूलों, इंटर कालेजों व प्लस टू प्रबंधनों को निर्देश दिया गया है कि आनलाइन प्रपत्र भरने की अंतिम तिथि सात मार्च तक भेज देना है।

पलामू के 251 अनुसेवक नौकरी के बर्खास्त, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हुआ एक्शन

मेदिनीनगर (पलामू), एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पलामू जिले के 251 अनुसेवकों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने साल 2010 में फोर्थ ग्रेड के पद पर निकली बहाली को अवैध करार देते हुए बहाली को रद्द करने का आदेश दिया था।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पलामू के उपायुक्त सह जिला स्थापना समिति के अध्यक्ष शशि रंजन ने समिति की बैठक में अनुमोदन कर सभी अनुसेवकों को सेवा से बर्खास्त कर दिया है।

इस आशय का पत्र 24 फरवरी को जारी हुआ है, जबकि शुक्रवार को अनुसेवकों को आधिकारिक तौर पर जानकारी हुई है। इधर, अनुसेवकों ने सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल की है।

साल 2010 में पलामू जिले में फोर्थ ग्रेड बहाली के लिए विज्ञापन निकाला गया था। हालांकि, विज्ञापन में इस बात का जिक्र नहीं था कि कितने पदों पर बहाली होनी है। बहाली के लिए 22 हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन दिया था, जिसके आलोक में साल 2017-18 में सभी लोगों की बहाली हुई थी।

पूरी नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर अभ्यर्थी अमृत यादव कोर्ट गए। अमृत यादव का आरोप था कि नियुक्ति में कई प्रकार की गड़बड़ी हुई थी।

उनका परीक्षा में चयन हुआ था, लेकिन जब दोबारा पैनल बनाया गया तो उनका नाम गायब था। उनको उन्हें बताया गया कि नंबर कम है, इस कारण उनका चयन नहीं हुआ है। वे इस मामले को लेकर हाईकोर्ट गए थे।

हाईकोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद अभ्यर्थी अमृत यादव सुप्रीम कोर्ट गए, जहां कोर्ट ने बहाली को अवैध करार देते हुए रद्द करने का आदेश दिया था।

अनुसेवक राजेंद्र राम के नेतृत्व में 239 अनुसेवक सुप्रीम कोर्ट गए हैं। सभी अनुसेवक बर्खास्त होने की सूचना मिलने के बाद शुक्रवार को पलामू के शिवाजी मैदान में जमा हुए। अनुसेवकों का कहना है कि सरकार और प्रशासन की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में अपील नहीं की गई है। वे सभी वर्षों से नौकरी कर रहे हैं, लेकिन उनलोगों की क्या गलती है।

सेवा से मुक्त होने वाले अनुसेवक उपेंद्र कुमार पासवान, सुरेश कुमार सिंह, सरिता कुमारी, विवेका शुक्ला,आशिक अंसारी, ने बताया कि 2010 के विज्ञापन पर कई अनुसेवक बहाल हुए थे, लेकिन सात अनुसेवकों को बर्खास्त नहीं किया गया है। शशि शुक्ला, राजेश कुमार शुक्ला, मो. रशीद, कमल हसन, राजू राम, मो. तौहीद व गणेश राम को बर्खास्त नहीं किया गया है, जबकि उसी रिक्ति से उनकी बहाली हुई है।

झारखंड विधानसभा में नवनिर्वाचित विधायकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

सदन की गरिमा और विधायकों के आचरण पर हुई चर्चा

रांची, एजेंसी। लोकतांत्रिक व्यवस्था में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की अहम भूमिका होती है. विधायिका और कार्यपालिका के बीच समन्वय से ही विकास की रूपरेखा तय होती है, लेकिन हाल के वर्षों में जिस तरह से विधायिका की कार्यशैली और आचरण पर सवाल उठे हैं, यह निश्चित रूप से सोचने लायक है. झारखंड विधानसभा में चल रहे विधायकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान ये बातें सामने आई.

पिछले विधानसभा चुनाव में पहली बार निर्वाचित विधायकों के लिए आयोजित इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले दिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, स्पीकर रबींद्रनाथ महतो, संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर, वरिष्ठ विधायक सीपी सिंह जैसे राजनेताओं ने अपने विचार व्यक्त किए और संसदीय परंपरा और इसकी गरिमा को बनाए रखने की जरूरत बताई. कार्यक्रम की शुरुआत स्पीकर रबींद्रनाथ महतो के संबोधन से हुई.

नये सदस्यों से की संसदीय व्यवस्था को सीखने की अपील: स्पीकर ने सदन की कार्यव्यवस्था और सदस्यों के आचरण पर प्रकाश डालते हुए विचार व्यक्त किए. उन्होंने कहा कि सदन की कार्यवाही के दौरान कई बार ऐसा भी देखा जाता है कि सदस्य वेल में आकर अपनी बातों को मनवाने के लिए दवाब बनाने की कोशिश करते हैं जो संवैधानिक रूप से भलें ही उचित नहीं है. मगर व्यवहारिक रुप से अनुचित भी नहीं है. उन्होंने नये सदस्यों को संसदीय व्यवस्था को सीखने की अपील करते हुए कहा कि आपके आचरण से लोकतंत्र मजबूत होगा. इस मौके पर झारखंड विधानसभा के वरिष्ठ सदस्य सीपी सिंह के द्वारा सदन की गरिमा बनाए रखने में विधायकों की भूमिका विषय पर व्याख्यान दी गई.

अपने संबोधन में सीपी सिंह ने अपने राजनीतिक जीवन के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि मीडिया में बने रहने के लिए लोग सदन में जिस तरह का व्यवहार करते हैं, वह उचित नहीं है. उन्होंने सदन की कार्यवाही साल में कम से कम 60 दिन चलाए जाने की वकालत की और वर्तमान सरकार से इस दिशा में पहल करने का आग्रह किया. इसके अलावा उन्होंने विधायकों को शून्यकाल के दौरान शब्दों की संख्या, ध्यानाकर्षण, विधेयक जैसे महत्वपूर्ण विषयों को सीखने की सलाह दी.

इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने लोकतंत्र और समावेशी विकास पर अपने विचार व्यक्त किए. उन्होंने कहा कि राज्य गठन के 24 वर्ष हो गए हैं, युवा झारखंड अपने 25वें वर्ष में है, लेकिन पहले 20 वर्षों में किसी भी सरकार ने समावेशी विकास पर ध्यान नहीं दिया. हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य की वर्तमान सरकार आधी आबादी से लेकर सभी वर्ग और समाज के लोगों के लिए कई योजनाएं लेकर आई है और समावेशी विकास की रूपरेखा तय करने में सफल रही है.

राज्यसभा उपसभापति ने समझाया संसदीय प्रणाली का महत्व: राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम काफी महत्वपूर्ण है. इससे पहले उन्हें जम्मू कश्मीर और हरियाणा विधानसभा के विधायकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिला था. उन्होंने प्रशिक्षण को लेकर चीन का उदाहरण देते हुए कहा कि वह देश भविष्य के नेताओं को प्रशिक्षित करने का काम करता है, जिसे देखने का अवसर मुझे मिला है.

उन्होंने कहा कि अगर दुनिया उसी गति से आगे बढ़ती रही जिस गति से आप पुरानी गति से आगे बढ़ रहे हैं तो आप इस दौड़ में शामिल नहीं हो पाएंगे और आप अतीत की चीज बन जाएंगे. यह प्रशिक्षण आपको भविष्य की योजना बनाने के लिए मानसिक रूप से तैयार करता है. संसदीय प्रणाली के महत्व को समझाते हुए हरिवंश ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण हमारी लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभा हैं. विधानसभा का अध्यक्ष विधानसभा का संरक्षक होता है, जिसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है.

विधानसभा भवन लोकतंत्र का सबसे बड़ा मंदिर : सीएमः सदन की कार्यवाही साल में कम से कम 60 दिन किए जाने की मांग पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि जरूरत पड़ी तो इस पर भी विचार किया जाएगा. प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद विधानसभा परिसर में मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पर विचार किया जाएगा।

दुबई तक पहुंची झारखंड के इस किसान की स्ट्रॉबरी, पीएम मोदी भी कर चुके हैं उन्हें सम्मानित

रामगढ़, एजेंसी। रामगढ़ के गोला की पहचान कृषि हब के रूप में है. किसानों द्वारा हमेशा नया-नया प्रयोग किया जाता है. गोला के सरलाकला निवासी रचिया महतो ने पारंपरिक खेती से अलग स्ट्रॉबेरी की खेती को चुना. आज इनकी स्ट्रॉबेरी दुबई तक पहुंच गयी है. जबकि इनकी स्ट्रॉबेरी प्रतिदिन बोकारो, धनबाद, रांची, जमशेदपुर व स्थानीय बाजारों में पहुंच रही है. रचिया महतो इस्राइल समेत भारत के विभिन्न राज्यों में कृषि का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं. वह ब्रॉकली समेत कई फसलों में प्रयोग कर चुके हैं. उन्हें प्रधानमंत्री मोदी भी सम्मानित कर चुके हैं.

भाई सेवकी महतो और भाभी गीता देवी ने भी लगभग एक एकड़ पांच डिसमिल भूमि पर स्ट्रॉबेरी की खेती की है. रचिया महते ने साल 2013 में जलगांव (महाराष्ट्र) में स्ट्रॉबेरी की खेती देखी थी. 2014 में ट्रायल के रूप में लगाया, लेकिन सफलता नहीं मिली. इसके बाद फिर से 2024 के सितंबर माह में उद्यान विकास से निःशुल्क मिले लगभग 20 हजार पौधे मल्चिंग विधि से लगाये.

दुबई में स्ट्रॉबेरी 375 रुपये किलो बिकी. हवाई जहाज से स्ट्रॉबेरी दुबई भेजी गयी. फिलहाल रांची, पिठोरिया, बोकारो, जमशेदपुर सहित कई शहरों में लगभग 130 से 150 रुपये की दर से स्ट्रॉबेरी बेच रहे हैं. रचिया महतो गोला प्रखंड क्षेत्र के 105 किसानों को उद्यान विकास से प्राप्त स्ट्रॉबेरी का पौधा देकर खेती करा रहे हैं. इसमें 25 किसानों को इसमें सफलता मिली है. उन्होंने कहा कि पूरे जिले में विभाग द्वारा दो करोड़ रुपये से अधिक के स्ट्रॉबेरी के पौधे किसानों के बीच वितरित किये गये हैं. उन्होंने कहा कि इस खेती के विस्तार के लिए अन्य किसानों को भी प्रेरित किया जायेगा.

कार्य में सुनीता देवी, कल्याणी कुमारी, रविता देवी, इशु देवी, सोनी कुमारी, सेवंती देवी, जुना देवी, नमिता देवी, घनश्याम महतो, प्रदीप महतो, सुरेश महतो, नरेश महतो, अक्षय महतो, बिंदेश्वर महतो को रोजगार दिया गया है. ये लोग स्ट्रॉबेरी तोड़ने से लेकर पैकिंग करने और मार्केट तक पहुंचाने में सहयोग करते हैं

रचिया महतो बताते हैं कि अभी स्ट्रॉबेरी, बेबीकॉर्न, ब्रॉकली, स्विटकॉर्न, तरबूज आदि की खेती की जा रही है. वे ग्राफ्टिंग के माध्यम से नर्सरी पौधे की तैयारी करते हैं. उन्होंने बताया कि अब आगे कीवी की फसल लगाने की तैयारी है. उन्होंने बताया कि खरीदार नहीं होने के कारण किसानों को फसलों का उचित मूल्य नहीं मिल पाता है. अगर सरकार यहां सब्जी और फल रखवाने के लिए कोल्ड स्टोरेज की सुविधा प्रदान करती है, तो किसानों की आय में वृद्धि होगी।

अब गर्मी में बिजली कटने का झंझट खत्म! रांची वासियों को मिली नई खुशखबरी, विद्युत विभाग ने कर दिया बड़ा काम

रांची, एजेंसी। राजधानी वासियों के लिए खुशखबरी है। इस वर्ष गर्मी में शहरवासियों को बिजली के झंझट से राहत मिल सकती है। बिजली विभाग ने एक बड़ा कदम उठाया है।

शहर के आठ सब स्टेशन की क्षमता बढ़ा दी गई है। जिसमें आरएमसीएच, पालटेक्निक, नामकुम, हरमू, अशोक नगर, तुपुदाना, सिदरौल, टाटीसिलवे शामिल है। आठ सब स्टेशन में मौजूद पावर ट्रांसफार्मर की क्षमता को मांग के अनुसार बढ़ा दिया गया है, जिसका फायदा गर्मी के पीक आवर में लोगों को मिलेगा।

जिले में फिलहाल 360 से 370 मेगावाट बिजली की खपत पीव आवर में पहुंच रही है। गर्मी आने बढ़ने के बाद पीक आवर में लोड बढ़ेगी। इस दौरान ट्रांसफार्मर की क्षमता अधिक होने का सीधा फायदा क्षेत्र के लोगों को मिलेगी। जिससे लोड शेडिंग से बचा जा सकता है। शहर के आरएचसीएच सब स्टेशन में 10 एमबीए बढ़ा दी गई है। पालटेक्निक सब स्टेशन में 5 एमबीए, नामकुम में 5 एमबीए, हरमू में 5 एमबीए, अशोक नगर में 5 एमबीए, तुपुदाना में 10 एमबीए, सिदरौल में 5 एमबीए और टाटीसिलवे में 5 एमबीए क्षमता बढ़ा दी गई है।

यह क्षमता डिमांड के अनुसार पीक आवर को देखते हुए बढ़ाया गया है। इसका लाभ कितना होगा, यह भीषण गर्मी में ही पता चल पाएगा। वहीं 8 सब स्टेशन को मिलाकर 50 एमबीए की क्षमता को बढ़ा दिया गया है।

शहर में बिजली विभाग की ओर से जिले के 8 सब स्टेशन की क्षमता बढ़ा दी गई है। इसका फायदा गर्मी के मौसम में मिलेगा। वहीं क्षमता बढ़ा दिए जाने से लोड शेडिंग, लो-वोल्टेज, बिजली फ्लेकच्युएट, जंफर उड़ने, ट्रांसफर्मार का फ्यूज उड़ने जैसी समस्या से निजात मिलेगा। इसका सीधा लाभ क्षमता बढ़ाए गए सब स्टेशन से बिजली प्राप्त करने वाले उपभोक्ताओं को मिलेगा। रांची सर्किल से लोहरदगा लाइन को अलग कर लिया गया है। अब लोहरदगा ग्रिड बनकर तैयार हो चुका है। लोहरदगा जिले को पहले हटिया ग्रिड से बिजली दी जाती थी, लेकिन दिसंबर से लोहरदगा जिले का अपना ग्रिड बनने के बाद लोहरदगा वासियों को अब हटिया ग्रिड पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है। वहीं हटिया ग्रिड से 70 मेगावाट बिजली रांची के शहरी व ग्रमीण क्षेत्रों को मिलेगा।

रांची जेल कैदी फरार मामला: छह कक्षपाल किए गए सस्पेंड, अधिकारियों पर भी हो सकती है कार्रवाई

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के रांची के बिरसा मुंडा केंद्र कारागार में आजीवन कारावास की सजा काट रहे हत्या के आरोपी के फरार हो जाने के बाद जेल आईजी ने कार्रवाई की है. जेल आईजी ने बिरसा मुंडा जेल के छह कक्षपालों को लापरवाही के आरोप में निलंबित कर दिया है.

छह पर गिरी गाजः रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार से एक कैदी के फरार हो जाने की जांच शुरू हो गई है, फरार कैदी अब तक पुलिस के पकड़ में नहीं आया है. लेकिन जेल कर्मियों पर गाज गिरनी शुरू हो गई है. शनिवार को जेल आईजी सुदर्शन मंडल ने सुरक्षा में लापरवाही बरतने के आरोप में जेल के छह कक्षपाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है.

कौन कौन हुए सस्पेंडः जिन कक्षपालो को सस्पेंड किया गया है उनमें बिचा मुंडा, सत्यनायक, सुमन लोहार, राकेश कुमार सिंह, रंजीत महतो और गोपाल जी से ही शामिल हैं. जय आईजी के आदेश में यह लिखा गया है कि सभी छह कक्षपालो की ड्यूटी जेल में कैदी सुरक्षा में लगाया गया था. उनके ड्यूटी के दौरान ही जेल से कैदी फरार हो गया ऐसे में उनके द्वारा घोर लापरवाही बढ़ती गई है. इस वजह से उन्हें निलंबित किया जाता है. जेल आईजी के पत्र में यह भी लिखा गया है कि मामले की तफ्तीश अभी भी जारी है इसमें और जो भी पदाधिकारी दोषी पाए जाएंगे उन पर भी कार्रवाई की जाएगी.

कड़ी सुरक्षा के बीच हुआ फरारः रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार से कड़ी सुरक्षा के बीच हत्या के आरोप में सजा काट रहा कैदी समीर तिर्की गुरुवार को सुरक्षाकर्मियों को चकमा देकर फरार हो गया था. शुक्रवार की सुबह जब कैदियों की हाजिरी शुरू हुई तब जेल प्रशासन को यह जानकारी मिली कि समीर तिर्की जेल से फरार हो चुका है. मामले की जानकारी मिलने के बाद जेल प्रशासन और जेल में हड़कंप मचा हुआ है फरार कैदी की तलाश में कई टीमों को लगाया गया है.

कौन है समीर तिर्कीः मिली जानकारी के अनुसार समीर तिर्की उग्रवादी संगठन से जुड़ा हुआ है. वह गुमला का रहने वाला है. गुमला पुलिस के द्वारा उसे साल 2018 में गिरफ्तार किया गया था. 2018 से ही समीर रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में बंद था. बताया जा रहा है कि समीर गुरुवार की शाम लगभग 7:00 बजे केंद्रीय कारागार से फरार हुआ है।

देश का भविष्य पानीपत का मैदान

इस वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संघ प्रमुख मोहन भागवत दोनों 75 वर्ष के होंगे। मेरा मानना है आरएसएस के सौ साल पूरे होने के कार्यक्रम के बाद 75 वर्ष की उम्र के हवाले भागवत रिटायर होंगे। पर 75 वर्ष की उम्र के कायदे में नरेंद्र मोदी क्या अपने किसी सहयोगी को सत्ता संभला कर रिटायर होंगे? नामुमकिन है। इसलिए पार्टी, मुख्यमंत्रियों और संगठन (अध्यक्ष मोदी के मनमाफिक ही होगा) के साथ ही संघ में नंबर दो दत्तात्रेय होसबले (उम्र 70 वर्ष) यदि संघ के प्रमुख बनें या कोई और भी बना तो वह प्रधानमंत्री के साये के नीचे ही रहेगा। इसलिए इस वर्ष के आखिर तक संघ परिवार और भाजपा के भविष्य की दिशा तय हो जानी है। सवाल है नरेंद्र मोदी को उत्तर भारत की वोट राजनीति में सबसे ज्यादा किसकी जरूरत है? घूम फिर कर वापिस योगी आदित्यनाथ का चेहरा उभरता है। ऐसी स्थिति बन गई है कि 74 वर्ष के नरेंद्र मोदी और 52 वर्ष के योगी आदित्यनाथ की जोड़ी में ही आगे हिंदू राजनीति है। मैं इसे मामूली बात नहीं मानता जो प्रधानमंत्री मोदी ने महाकुंभ की ब्रांडिंग में योगी आदित्यनाथ का अखिल भारतीय जलवा बनने दिया। सोचें, पूरे देश में पिछले छह महीनों में क्या हुआ है? घर-घर योगी आदित्यनाथ का चेहरा पहुंचा है। सो, योगी से अब कैसे पार पाया जा सकता है? योगी के चेहरे पर ही उत्तर प्रदेश का अगला चुनाव लड़ा जाना है और तीसरी बार यदि योगी की कमान में भाजपा ने चुनाव जीता तो इससे प्रदेश, देश, भाजपा-संघ की आगे क्या दिशा बनेगी, इसकी कल्पना कर सकते हैं! सो भाजपा-संघ अब वह नहीं है जो 2014 से पहले थी। चाल, चेहरे, चरित्र और बुनियाद सब बदल गई है। उसकी प्राण वायु हिंदू भावना है। इसी की बेफिक्री या अहंकार में वहीं होगा जो हिंदू राजनीति और हिंदुस्तान का अतीत है। मजेदार बात है जो विपक्ष में नरेंद्र मोदी की उम्र के आगे लगभग सभी चेहरे युवा हैं। उनसे चुनौती ही नहीं बननी है। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा की उम्र इतनी कम (54 और 53 वर्ष) है कि उनके आगे अंततः योगी आदित्यनाथ होंगे।

महाकुंभः वैश्विक समुदाय के लिए हैरत, भारत विरोधी ताकतों के लिए झटका

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

इतिहास के सबसे बड़े आयोजन, महाकुंभ की दुनिया साक्षी बनी। 45 दिनों का यह उत्सव, जिसमें 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु शामिल हुए। इनमें एक ही दिन में लगभग 10 करोड़ श्रद्धालु थे जिनमें लाखों की संख्या में विदेशी श्रद्धालु शामिल थे। इन लाखों अनुयायियों को प्रेरित करने वाली दिव्य शक्ति ने उन्हें किसी भी असुविधा की परवाह किए बिना आने के लिए प्रेरित किया। इतने बड़े समागम के बाद भी सीएम योगी आदित्यनाथ और उनकी टीम द्वारा की गई व्यवस्था न केवल सराहनीय है, बल्कि दुनिया भर के प्रमुख विश्वविद्यालयों के लिए शोध का विषय भी है। इतने बड़े आयोजन में पहली बार आए विदेशी मेहमान आयोजन की व्यापकता से हैरान थे। यह चमत्कार से कम नहीं था कि इतना बड़ा आयोजन बिना कठिनाई और अविश्वसनीय अनुशासन के साथ सुचारू रूप से चल सका। भले इरादा 45 करोड़ श्रद्धालुओं का था लेकिन वास्तविक गिनती 66 करोड़ से अधिक थी, जो अत्यधिक है; फिर भी, संगम पर प्रशासन शानदार था। पुरानी सनातन प्रथाओं के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित आधुनिक तकनीक के संयोजन ने दुनिया को दिखाया कि केवल सनातन धर्म ही प्राचीन और नए ज्ञान दोनों को विवेकपूर्ण तरीके से लागू कर सकता है। महाकुंभ 2025 की सफलता का कारण एक ही नहीं हो सकता; यह धर्म, शासन, अनुशासन और ईश्वरीय कृपा का सामंजस्यपूर्ण संयोजन था। आध्यात्मिकता से लेकर बुनियादी ढांचे, सुरक्षा से लेकर आतिथ्य तक हर पहलू को सोच-समझकर योजनाबद्ध किया गया और शानदार ढंग से अंजाम दिया गया। इसका परिणाम क्या हुआ? एक दोषरहित, आनंदमय और आश्चर्यजनक रूप से मनोरंजक अनुभव जिसने प्रत्येक तीर्थयात्री को विस्मय में डाल दिया। सनातनियों ने यह प्रदर्शित किया है कि वे जाति, सामाजिक पद या रंग के आधार पर भेदभाव में विश्वास नहीं करते हैं, जिसने भारत को तोड़ने वाली ताकतों को चिंतित कर दिया है क्योंकि एकजुट हिंदू उनके स्वार्थी एजेंडे और राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को कुचल देंगे। जिन लोगों ने योगी आदित्यनाथ को महज़ पुजारी कहकर मज़ाक उड़ाया उन्होंने भी सनातन सिद्धांतों, ज्ञान और संस्कृति का पालन करते हुए एक सनातनी मुख्यमंत्री के गुणों का प्रदर्शन महाकुंभ में देखा है। मैं स्टालिन, पिनाराई विजयन और कांग्रेस के मुख्यमंत्रियों को चुनौती देता हूँ कि वे अपने राज्यों में भी ऐसा आयोजन करके दिखायें। पश्चिमी दुनिया के लिए इतना बड़ा उत्सव आयोजित करना असंभव है। यह उन डीप स्टेट फोर्सेस के लिए स्पष्ट होना चाहिए जो भारत और सनातन धर्म को अस्थिर करने के लिए लाखों डॉलर बहा रहे हैं।

राजनीतिक अराजकता- परेशान विपक्ष ने हर मौके पर महाकुंभ और योगी आदित्यनाथ पर हमला किया, मानो वे किसी दुर्घटना का इंतजार कर रहे थे ताकि योगी सरकार को नुकसान पहुंचाने वाली आलोचना का सहारा लिया जा सके। विपक्ष सनातनियों की भारी भीड़ से परेशान था, उनका मानना है कि हिंदू एकता उनके राजनीतिक करियर के लिए हानिकारक होगी, इसलिए किसी भी छोटे अवसर का उपयोग योगी आदित्यनाथ पर हमला करने और महाकुंभ की आवश्यकता के बारे में झूठी चिंताएं जताने के लिए किया जा रहा था। कुछ आंकड़े जो इस अद्भुत आयोजन की भव्यता और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशासनिक और नेतृत्व क्षमता को दर्शाते हैं।

ट्रैश स्कीमर मशीनों से नदी की सफाई- दो मशीनों से गंगा और यमुना से प्रतिदिन 10-15 टन कचरा निकाला जाता था। मशीन की क्षमताः 13 क्यूबिक मीटर, जो नदी के 4 किलोमीटर क्षेत्र को कवर करती है। नैनी प्लांट में कचरे का निपटान, प्लास्टिक को रिसाइकिलिंग के लिए भेजा गया और जैविक कचरे से खाद बनाई गई। सेप्टिक टैंक के साथ 12,000 एफआरपी शौचालय। सोखने के गड्ढों के साथ 16,100 प्रीफैब्रिकेटेड स्टील शौचालय। 20,000 सामुदायिक मूत्रालय स्थापित किए गए। कचरा संग्रह के लिए 20,000 कूड़ेदान और 37.75 लाख लाइनर बैग। मुख्य अनुष्ठानों के बाद कचरे को साफ करने वाली विशेष स्वच्छता टीमें। एक और घटक जिसने वैश्विक दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, वह था महाकुंभ 2025 का पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार दृष्टिकोण। महाकुंभ का उद्देश्य इतिहास में पहली बार "हरित कुंभ" बनना था, जो दुनिया भर में भविष्य के बड़े समारोहों के लिए एक मिसाल कायम करता है। व्यापक कचरा प्रबंधन और जल संरक्षण पहलों ने यह सुनिश्चित किया कि गंगा हमेशा की तरह स्वच्छ बनी रहे।

डिजिटल महाकुंभ और वैश्विक जुड़ाव- जनवरी के पहले सप्ताह में इस आयोजन की आधिकारिक वेबसाइट पर 183 देशों से 33 लाख आगंतुक आए। दुनिया भर के 6,206 शहरों से आगंतुकों ने इस साइट का उपयोग किया, जिसमें भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा और जर्मनी सबसे आगे थे। साइट के तकनीकी कर्मचारियों ने वैश्विक ट्रैफ़िक में वृद्धि देखी, जिसमें हर दिन लाखों उपयोगकर्ता महाकुंभ के इतिहास और आध्यात्मिक महत्व के बारे में सामग्री का अध्ययन कर रहे थे। डिजिटल पहल ने सुनिश्चित किया कि आगंतुकों को जानकारी तक आसान पहुँच मिले, जिससे वे रसद की चिंता किए बिना उत्सव के आध्यात्मिक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

कुंभ सहायक चैटबॉटः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लॉन्च किया गया यह एआई-संचालित, बहुभाषी, वॉयस-सक्षम चैटबॉट तीर्थयात्रियों की सहायता करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता था। लामा एलएलएम जैसी उन्नत एआई तकनीकों द्वारा संचालित, इसने वास्तविक समय नेविगेशन और कार्यक्रम से संबंधित जानकारी प्रदान की। भाषिनी के भाषा अनुवाद ने चैटबॉट को हिंदी, अंग्रेजी और नौ अन्य भारतीय भाषाओं में काम करने में सक्षम बनाया, जिससे समावेशिता और पहुंच सुनिश्चित हुई।

महाकुंभ में साइबर सुरक्षा- महाकुंभ नगर में 66 करोड़ से अधिक लोग शामिल हुए हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालु अच्छी तरह से सूचित हों, उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रिंट, डिजिटल और सोशल मीडिया सहित सभी उपलब्ध प्लेटफार्मों का उपयोग करने का विकल्प चुना था । साइबर पेशेवर लगातार इंटरनेट खतरों की निगरानी कर रहे थे और एआई, फेसबुक, एक्स और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफार्मों का गलत फायदा उठाने वाले गिरोहों की जांच कर रहे थे । बड़े पैमाने पर जन जागरूकता पहल का समर्थन करने के लिए एक मोबाइल साइबर टीम भी तैनात की गई थी।

विशेष साइबर सुरक्षाः साइबर गश्त करने के लिए 56 समर्पित साइबर योद्धा और विशेषज्ञ भेजे गए। धोखाधड़ी वाली वेबसाइट, सोशल मीडिया धोखाधड़ी और फर्जी लिंक जैसे साइबर जोखिमों से निपटने के लिए महाकुंभ साइबर पुलिस स्टेशन की स्थापना की गई। साइबर खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मेला ग्राउंड और कमिश्नरेट दोनों में 40 वैरिएबल मैसेजिंग डिस्प्ले (VMD) लगाए गए। 1920 एक समर्पित हॉटलाइन नंबर स्थापित किया गया और प्रमाणित सरकारी वेबसाइटों को बढ़ावा दिया गया।

निगरानी और कानून प्रवर्तन- एआई और ड्रोन निगरानी में 2,750 एआई-संचालित कैमरे, ड्रोन, एंटी-ड्रोन और वास्तविक समय की ट्रैकिंग के लिए टेथर्ड ड्रोन शामिल थे। पानी के नीचे के ड्रोनः पहली बार, 100 मीटर की गहराई पर 24 घंटे नदी की निगरानी के लिए ड्रोन तैनात किए गए थे । चेकपॉइंट्स और खुफिया दस्तों में विभिन्न पहुंच बिंदुओं पर स्क्रीनिंग, होटल और विक्रेता निरीक्षण और गश्त शामिल थे। सात-स्तरीय सुरक्षा प्रणाली बाहरी परिधि से लेकर अंदर के गर्भगृह तक स्तरित सुरक्षा प्रदान करती थी । महाकुंभ 2025 में सुरक्षा में सुधार के लिए बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की तैनाती और आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र स्थापित किए गए थे। अर्धसैनिक बलों के जवानों, 14,000 होमगार्डों सहित 50,000 से अधिक सुरक्षा लोगों को तैनात किया इस सक्रिय रणनीति ने सभी संभावित खतरों को कम करने में मदद की और सुचारू संचालन सुनिश्चित किया। अग्नि सुरक्षा प्रणाली को विशेष वाहनों और अग्निशमन स्टेशनों को शामिल करने के लिए विकसित किया गया था।

महाकुंभ में चिकित्सा सुविधाएं- महाकुंभ 2025 में लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए एक बड़ी चिकित्सा व्यवस्था की गई थी। पूरे मेला क्षेत्र में 2,000 से अधिक चिकित्सा कर्मियों की तैनाती के साथ, उत्तर प्रदेश सरकार ने सभी क्षेत्रों में उच्च तकनीक वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं। बुनियादी प्रक्रियाओं से लेकर बड़ी सर्जरी तक, सभी चिकित्सा आवश्यकताओं को तेजी से पूरा किया गया।

पुनर्मिलन- खोया-पाया केंद्रों ने लापता लोगों को उनके रिश्तेदारों से मिलाने के लिए डिजिटल पंजीकरण और सोशल मीडिया अपडेट का इस्तेमाल किया। पूरे आयोजन के दौरान 30,000 से ज़्यादा लापता लोगों को उनके परिवारों से सफलतापूर्वक मिलाया गया, जो इसकी समन्वय प्रणाली की प्रभावशीलता को दर्शाता है। इस महाकुंभ ने सनातन धर्म की दिव्य और आध्यात्मिक शक्ति को प्रदर्शित किया है। असंभव को संभव में बदलने की क्षमता। सनातनियों की एकता निःस्संदेह वैश्विक भलाई के लिए मार्ग प्रशस्त करेगी।

सूडोकु नवताल- 7358

★★★★☆ मध्यम

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7357 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

एक फिट और स्वस्थ भारत की समस्या ओबेसिटी

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने शासन में भारतीय लोगों के स्वास्थ्य को लेकर निरंतर कदम उठाते हुए स्वस्थ भारत निर्मित करने के उपक्रम किए हैं। मोदी युग में स्वास्थ्य के प्रति भारत के दृष्टिकोण में महत्त्वपूर्ण मोड़ को चिह्नित करते हुए मोटापे से जुड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों को संबोधित करने पर अधिक ध्यान दिया गया। मोदी ने मोटापे के खिलाफ राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है, जिसमें भारतीयों से खाना पकाने के तेल की अपनी खपत कम करने का आग्रह किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने 23 फरवरी को 'मन की बात के 119वें एपिसोड में हेल्थ का जिक्र करते हुए कहा था, 'एक फिट और स्वस्थ भारत बनने के लिए हमें ओबेसिटी (मोटापा) की समस्या से निपटना ही होगा। एक स्टडी के मुताबिक, आज हर आठ में से एक व्यक्ति मोटापे की समस्या से परेशान है। बीते सालों में मोटापे के मामले दोगुने हो गए हैं, लेकिन इससे भी ज्यादा चिंता की बात है कि बच्चों में भी मोटापे की समस्या चार गुना बढ़ गई है। प्रधानमंत्री ने सेहत के प्रति जागरूकता लाने और इस क्रम में मोटापे से लडऩे के लिए अपने-अपने क्षेत्र के दस जाने-माने लोगों को नामांकित कर यही रेखांकित किया कि इस समस्या की गंभीरता को समझने एवं समय रहते इसको नियंत्रित करने की अपेक्षा है। उन्होंने आनंद महिंद्रा, दिनेश लाल यादव निरहुआ, मनु भाकर, मीराबाई चानू, मोहन लाल, नंदन नीलेकणि, उमर अब्दुल्ला, आर. माधवन, श्रेया घोषाल, सुधा मूर्ति को नामांकित करते हुए अपेक्षा जताई कि ये सभी मोटापे के खिलाफ क्रांति की अलख जगाने के साथ खाद्य तेल की खपत कम करने के लिए लोगों में जागरूकता पैदा करेंगे। प्रधानमंत्री ने इन लब्ध प्रतिष्ठित हस्तियों से दस-दस और लोग अभियान को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से नामांकित करने का आग्रह किया है। प्रधानमंत्री की यह पहल कुछ वैसी ही है, जैसी उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान को प्रारंभ करते समय की थी। इस जनोपयोगी पहल से देश में मोटापे के प्रति चेतना जाग्रत होगी और लोग मोटापे को नियंत्रित करने में सफल होंगे। लोगों में मोटापा बढऩे के कई कारण हैं, जिनमें अति, अहितकर और प्रतिकूल भोजन के अलावा व्यायाम की कमी और तनाव शामिल हैं। पोषण में सुधार, गतिविधि बढ़ाने और जीवन शैली में अन्य बदलाव करने से लोगों को मोटापे को कम करने में मदद मिल सकती है। मोदी की पहल से मोटापा नियंत्रित करने के अनुकूल परिणाम तभी सामने आ सकते हैं, वांछित सफलता तभी संभव है, जब लोग समझेंगे कि स्वस्थ जीवन शैली उन्नत राष्ट्र ही नहीं, उन्नत स्वास्थ्य का भी आधार है। आज की सुविधा एवं भौतिकतापूर्ण जीवन शैली मोटापा बढ़ाने का काम कर रही है। अब लोग उतना शारीरिक श्रम नहीं करते, जितना पहले अपनी सामान्य दिनचर्या के तहत किया करते थे। मोटापे को नियंत्रित करने में योग, ध्यान, प्रातःभ्रमण एवं व्यायाम की भी महत्त्वपूर्ण भूमिका है। किसी विचारक ने लिखा भी है, 'मनुष्य के सबसे बड़े चिकित्सक हैं-शांति, प्रसन्नता और खुराक। यह हकीकत है कि लोग खानपान में संयम एवं सतर्कता बरतें, शारीरिक सक्रियता बढ़ाएं और योग-व्यायाम को जीवन का हिस्सा बना लें तो मोटापे को भगा सकते हैं। मोटापा अनेक बीमारियों का घर है, जो केवल कार्यक्षमता को कम करने का ही काम नहीं करता, बल्कि स्वास्थ्य पर खर्च भी बढ़ाता है। जीवन को जटिल एवं अस्त-व्यस्त बना देता है। शरीर स्वस्थ रहता है, तो लोग मानसिक एवं भावनात्मक रूप से भी स्वस्थ रहते हैं, और अपना काम कहीं अधिक तत्परता एवं निपुणता से करते हैं। इसका लाभ केवल उन्हें ही नहीं, बल्कि परिवार, समाज और देश को भी मिलता है। यही सशक्त एवं विकसित भारत का आधार भी है। अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री मोदी ने स्वस्थ जीवन शैली की जरूरत को समझा, लेकिन इसके लिए जागरूकता अभियान छेडऩे के साथ ही मिलावटी और दोयम दर्जे की खाद्य सामग्री की बिक्री रोकने के लिए भी कुछ करना होगा। मोदी की पहल जहां स्वास्थ्य क्रांति का माध्यम बनेगी, वहीं मिलावट नियंत्रण के प्रति भी जागरूक करेगी। किसी से छिपा नहीं है कि देश में मिलावटी और दोयम दर्जे की खाद्य सामग्री बनती एवं बिकती है। खाद्य पदाथरे की गुणवत्ता के मानकों की अनदेखी के चलते दोयम दर्जे की खाद्य सामग्री घरों में भी इस्तेमाल होती है। इनमें खाद्य तेल एवं घी प्रमुख हैं। आज जब बाजार का खाना खाने का चलन बढ़ रहा है, तब सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि उसकी शुद्धता एवं गुणवत्ता से कोई समझौता न होने पाए। इसी अभिक्रम से भारत का जन-जन स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन और स्वस्थ भावनाओं का अखूट वैभव लिए शक्ति, स्फूर्ति, शांति, आनन्द एवं शारीरिक संतुलन से भरपूर दिव्य जीवन की यात्रा के लिए प्रस्थित हो सकता है।

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपका मित्र आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है, जिसे आप निराश नहीं करेंगे। आज आपको पिछले कुछ समय से किए गए प्रयासों का फल मिलने वाला है। आज आपको बड़ी सफलता हाथ लग सकती है। जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आपको ऑफिस में किसी काम को लेकर डांट पड़ सकती है। जिससे आप थोड़े उलझन में रहेंगे।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी काम को करने के नए तरीके पर विचार करेंगे इससे काम समय से व आसानी से पूरा हो जायेगा। आज शाम को आप किसी बर्थडे पार्टी में जाने का प्लान बनायेंगे। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। बिल्डर्स के लिए आज का दिन अच्छा है, नये कॉन्ट्रैक्ट से बड़ा मुनाफा होगा।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज बिजनेस में लाभ पाने के लिए आपको किसी की मदद लेनी पड़ेगी। आज आपको अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलेगा। व्यापारी वर्ग को आज अच्छा लाभ होने से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा, कॉलेज में नए दोस्त बनेंगे।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपमें पाजिटीविटी बनी रहेगी। आज आप जिस भी काम की शुरुआत करेंगे, वह समय से पूरा हो जायेगा। किसी नए रिश्ते की शुरुआत करने का मौका मिलने की संभावना है। साथ ही अपने नजदीकी रिश्तों को सुधारने में आपको सफलता मिलेगी। आज ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप माता को कुछ गिफ्ट दे सकते हैं आपकी माता को ख़ुशी होगी। आज आपको किसी भी व्यक्ति को उधार देने से बचना चाहिए, यह आपके लिए अच्छा रहेगा। आपका रुका हुआ काम पूरा होगा। आज आप बोलने के बजाए सुनने पर ज्यादा ध्यान दें। इससे आपको जरूरी बातें पता चल सकती हैं।

कन्या राशिः आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आपको दूरसंचार से शुभ सूचना मिलेगी, इससे आपके परिवार में खुशियों का माहौल बन जायेगा। बच्चों से आपको गुड न्यूज़ मिल सकती है। आर्टस के स्टूडेंट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। उनके मन में आज नए विचार आयेंगे। जॉब की तलाश कर रहे लोगों को आज अच्छी जॉब मिलेगी। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज ख़ास काम बन जाने से आपका मनोबल बढ़ेगा। आज किसी भी प्रकार का इन्वेस्टमेंट करते समय बजट का ध्यान रखें। इस राशि के जो लोग जॉब करते हैं उनकी तरक्की के योग बन रहे हैं। परिवार के सामने आपको अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा, आपकी योजना से लोग काफी प्रभावित होंगे। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज किसी काम में दूसरों की बातों को सर्वोपरि न रखकर अपने आप पर विश्वास करें तो लाभ अवश्य मिलेगा। किसी इम्पोर्टेन्ट काम में जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपके घर रिश्तेदार आ सकते हैं, जिनसे मिलकर आपको काफी अच्छा लगेगा।

धनु राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपको अपने टारगेट को पूरा करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। काम जितना भी कठिन हो आपको एकाग्रता बनाये रखनी है। ऑफिस में आज आपको नया प्रोजेक्ट मिलेगा, जिसे पूरा करने में कलीग आपकी सहायता करेंगे। संतान पक्ष से आपको सुख प्राप्त होगा।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपकी बनाई गयी योजना आपके बिजनेस के लिए अच्छी साबित होगी। आज कुछ बड़ा और अलग करने की सोच सकते है। इस राशि की महिलाओं का दिन व्यस्तता से भरा होगा, लेकिन शाम का समय अपनी फैमिली के साथ बिताएंगी।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज आप पिछली गलतियों से कुछ नया सीखकर आगे बढ़ेंगे। आज आपका दिन कुछ महत्वपूर्ण कार्यों की वजह से व्यस्त रहेगा। नए कार्यों को लेकर आपकी उत्सुकता बढ़ेगी।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपके घर खास मेहमान आ सकते हैं, जिससे घर में ख़ुशी का माहौल बना रहेगा। लवमेट आज लॉन्ग ड्राइव पर जाने का मन बनायेंगे। माताएं अपने बच्चों को कुछ अच्छा सुनाएंगी।

वन्यजीवों के अस्तित्व पर संकट और उनके संरक्षण की आवश्यकता

योगेश कुमार गोयल

विश्व वन्यजीव दिवस (3 मार्च) पर विशेष)

वन्य जीव हमारी धरती के अभिन्न अंग हैं लेकिन अपने निहित स्वार्थों तथा विकास के नाम पर मनुष्य ने उनके प्राकृतिक आवासों को बेदर्दी से उजाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है और वनस्पतियों का भी सफाया किया है। धरती पर अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त उन सभी चीजों का आपसी संतुलन बनाए रखने की जरूरत होती है, जो उसे प्राकृतिक रूप से मिलती हैं। इसी को पारिस्थितिकी तंत्र या इकोसिस्टम भी कहा जाता है। धरती पर अब वन्य जीवों और दुर्लभ वनस्पतियों की कई प्रजातियों का जीवनचक्र संकट में है। वन्य जीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्य जीव-जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत् विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं। वन्य जीवों में ऐसी वनस्पति और जीव-जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन-पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। इन्हीं वन्य जीवों, वनस्पतियों और उनके आवासों को सुरक्षा प्रदान करने को वन्य जीव संरक्षण कहा गया है तथा इनके संरक्षण के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 3 मार्च को 'विश्व वन्यजीव दिवस' मनाया जाता है। प्रतिवर्ष यह दिवस एक खास विषय के साथ मनाया जाता है और इस वर्ष 'वन्यजीव संरक्षण वित्तः लोगों और ग्रह में निवेश' थीम के साथ मनाया जा रहा है। जीव-जंतुओं की तमाम प्रजातियां और वनस्पतियां मिलकर अत्यावश्यक पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करते हैं और सही मायनों में वन्य जीव हमारे मित्र है, इसीलिए उनका संरक्षण किया जाना बेहद जरूरी है। हमें भली-भांति यह समझ लेना चाहिए कि इस धरती पर जितना अधिकार हमारा है, उतना ही इस पर जन्म लेने वाले अन्य जीव-जंतुओं का भी है। लेकिन आज प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर दुनियाभर में संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्यजीव दिवस मनाए जाने के उद्देश्यों में विभिन्न किस्म की वनस्पतियों तथा जीव-जंतुओं पर ध्यान केन्द्रित करना, उनके संरक्षण के लाभों के बारे में जागरूकता फैलाना, पूरी दुनिया को वन्यजीव अपराधों के बारे में स्मरण करवाना और मनुष्यों के कारण इनकी प्रजातियों की संख्या कम होने के विरूद्ध कारवाई करना शामिल हैं। समस्त स्थलीय और जलीय जीवों के लिए वन्य जीवों का बने रहना अत्यावश्यक है। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित अपनी चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह उल्लेख किया है कि विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण किस प्रकार असंतुलित होता है। पाठक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक फ्लिपकार्ट से खरीद सकते हैं।

पर्यावरण के असंतुलन का ही परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में अब देख और भुगत भी रही है। लगभग हर देश में कुछ ऐसे वन्य जीव पाए जाते हैं, जो उस देश की जलवायु की विशेष पहचान होते हैं लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के चलते वन्य जीवों के आशियाने भी लगातार बड़े पैमाने पर उजड़ रहे हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दुनिया के जंगली जीवों और वनस्पतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'विश्व वन्यजीव दिवस' के आयोजन का निर्णय लिया गया। महासभा ने यह सुनिश्चित करने में साइट्स की महत्वपूर्ण भूमिका को भी मान्यता दी ताकि वह सुनिश्चित कर सके कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से प्रजातियों के अस्तित्व को खतरा नहीं है। ब्रिटिश काल से ही भारत में वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने और बचाने के लिए कानूनी प्रावधान किए जाते रहे हैं लेकिन चिंता की बात यह है कि उसके बावजूद वन्यजीवों की अनेक प्रजातियां पिछली एक सदी में लुप्त हो गई हैं। विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की 'लिविंग प्लेनेट रिपोर्ट 2024' में कुछ ही महीने पहले चौंका देने वाला यह चिंताजनक खुलासा भी हुआ था कि 1970 से 2020 के बीच वन्यजीव आबादी में 73 प्रतिशत की विनाशकारी गिरावट दर्ज की गई, जिनमें स्तनधारी, पक्षी, उभयचर, सरीसृप, मछली इत्यादि जीव शामिल हैं। ताजे पानी के पारिस्थितिक तंत्र में यह गिरावट 85 प्रतिशत रही है। हर दो साल में प्रकाशित होने वाली इस रिपोर्ट में बताया गया है कि वन्यजीवों की आबादी दुनियाभर में कैसे प्रभावित हो रही है। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के अनुसार वन्य जीवों को विलुप्त होने से बचाने के लिए देश में सबसे पहले वर्ष 1872 में ब्रिटिश शासनकाल में 'वाइल्ड एलीकेंट प्रोटेक्शन एक्ट' बनाया गया था। उसके बाद वर्ष 1927 में वन्य जीवों के शिकार और वनों की अवैध कटाई को अपराध मानते हुए 'भारतीय वन अधिनियम' अस्तित्व में आया, जिसके तहत सजा का प्रावधान किया गया।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय– गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013. झारखंड।
संपादक : **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'**❀; प्रबंध संपादक : **राजेश मोहन सहाय**; बिहार प्रभारी : **संतोष श्रीवास्तव।**
रांची – 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
फोन– 9142412511/9102251947; WhatsApp- 9142412511; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com
❀समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ॰ यहाँ प्रकाशित लेखों–आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

संक्षिप्त समाचार

मनुष्य को काम, क्रोध, लोभ, ईर्ष्या और मोह से दूर रहना चाहिए : महर्षि स्वामी वेदानंद जी महाराज

टनकुप्पा, एजेंसी। मनुष्य को काम, क्रोध, लोभ, ईर्ष्या और मोह से दूर रहना चाहिए। अगर इन पंच पापों से बचा जाए तो पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। जीवन में परेशानियां नहीं आएंगी और व्यक्ति चरित्रवान बनेगा। साथ ही गांव और राष्ट्र का विकास होगा। ये बातें शनिवार को टनकुप्पा प्रखंड के आरोपुर पंचायत के नावागढ़ में आयोजित संतमत सत्संग के 38वें अधिवेशन में भागलपुर के बबौर मठ के प्रधान आचार्य पूज्य महर्षि स्वामी वेदानंद जी महाराज ने प्रवचन के दौरान कहीं। कार्यक्रम में स्वामी जग पारानंद जी महाराज, दिल्ली से आए स्वामी निरंजना बाबा, काशी बनारस से महामंडलेश्वर स्वामी रमा रमण बाबा जी महाराज और फतेहपुर के स्वामी धर्मानंद जी महाराज समेत कई प्रवचनकर्ता मौजूद रहे। आयोजक सच्चिदानंद सिंह, गया जिला संतमत सत्संग समिति के अध्यक्ष अर्जुन साव और मंत्री श्यामदेव प्रसाद ने जानकारी दी कि टनकुप्पा के नावागढ़ में दो दिवसीय संतमत सत्संग का आयोजन किया गया है। इसमें काशी बनारस, भागलपुर, दिल्ली, गया और फतेहपुर से संत महात्मा पहुंचे हैं। इस मौके पर आध्यात्मिक भजन-कीर्तन, स्तुति विनती, सदग्रंथ पाठ और प्रवचन का आयोजन किया जा रहा है। सत्संग में प्रवचन सुनने के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है।

बंगाल से वृंदावन जा रही बस की ट्रक से टक्कर :रोहतास में हादसा, 14 यात्री घायल

सासाराम (रोहतास), एजेंसी। रोहतास के चेनारी थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे-2 पर खड़े ट्रक से एक बस की टक्कर हो गई। हादसे में पश्चिम बंगाल के चटगांव जिले के 14 यात्री घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को बनारस रेफर कर दिया गया। घायलों में मोहन अधिकारी (40), देवी रानी दास (52), अर्सित कुमार (23), आशिष कुमार (53), विजय कुमार मित्रा (35), अशोक कुमार (50), शिखा विश्वास (50), तपस मित्रा (58), पापरी चौधरी (55), तापसी दास (50), कंचन खष्ठी (60), राहुल दास (26), रूपासी दास (45) और राफिता दास (56) शामिल हैं।इनमें से मोहन अधिकारी, देवी रानी दास, अर्सित कुमार और आशिष कुमार को गंभीर चोटें आई हैं। सभी यात्री वृंदावन की यात्रा पर जा रहे थे।

क्रेन की मदद से वाहनों को हटाया : चेनारी थानाध्यक्ष रंजन कुमार ने बताया कि क्रेन की मदद से दोनों वाहनों को हटा दिया गया है। हाईवे पर यातायात सामान्य है।

21 लीटर अवैध शराब के साथ 4 तस्कर गिरफ्तार

बक्सर, एजेंसी। बक्सर के चौसा चेक पोस्ट पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 21 लीटर अवैध शराब बरामद हुई है। बताया जा रहा है कि तीन तस्कर गठरी में शराब छिपाकर पैदल बिहार में घुसने की कोशिश कर रहे थे। एक तस्कर धान के बुरादे में शराब छिपाकर ला रहा था। चेक पोस्ट पर तैनात पुलिस ने जब उन्हें रोका तो सभी भागने लगे। पुलिस ने सतर्कता दिखाते हुए चारों को पकड़ लिया। पूछताछ में पता चला कि तस्कर यूपी से शराब लाकर बक्सर जिले के चौसा और चुन्नी में होम डिलीवरी करने वाले थे। प्रभारी निरीक्षक दिलीप सिंह ने बताया कि पकड़े गए तस्करों में चुन्नी गांव के डोमा धोबी के पास से 5.8 लीटर, खिलाफतपुर के विनोद मुसहर से 6.8 लीटर, संतोष मुसहर से 4 लीटर और संतोष मुसहर से 5.4 लीटर देसी मसाला शराब बरामद हुई।

बीजेपी नेता पर अंधाधुंध फायरिंग ! नशा के खिलाफ आवाज उठाने पर बदमाशों ने चलाई गोली

भागलपुर, एजेंसी। बिहार के भागलपुर में अपराध और नशे का कारोबार लगातार बढ़ता जा रहा है लेकिन प्रशासन की कार्रवाई नाकाफी साबित हो रही है. जब कोई जनप्रतिनिधि या नेता इसके खिलाफ आवाज उठाता है तो उसे ही निशाना बनाया जाता है. ताजा मामला बीजेपी नेता और पूर्व वार्ड पार्षद सदानंद मोदी पर हुए फायरिंग का है. शनिवार देर शाम मोजाहिदपुर थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर पानी टंकी के पास अज्ञात अपराधियों ने उन पर गोली चलाई है.

बीजेपी नेता पर फायरिंग: अपराधियों ने बीजेपी नेता सदानंद मोदी पर गोली चलाई है. उन पर दो राउंड फायरिंग हुई है. हालांकि गनीमत रही कि गोली उन्हें नहीं लगी. वहीं, घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है. स्थानीय लोगों के अनुसार इस हमले के पीछे इलाके के कुख्यात सोनू बिहारी और उसके पिता सुनील बिहारी का नाम सामने आ रहा है. बताया जा रहा है कि इस इलाके में नशे के धंधे का बोलबाला है, जहां युवा सूखा नशा और अन्य मादक पदार्थों की चपेट में आ रहे हैं. सदानंद ने नशे के

खिलाफ आवाज उठाई थी, जिसके बाद उन्हें निशाना बनाया गया.

नशे के खिलाफ आवाज उठाने पर की फायरिंग: बीजेपी नेता सदानंद मोदी ने इस हमले को नशे के कारोबार के खिलाफ उठाई गई उनकी आवाज का परिणाम बताया है. उन्होंने कहा कि कुछ लड़के नशा करते हैं. उसी का उन्होंने कई बार विरोध किया था. कई बार सख्ती भी की थी, जिस वजह से उनको निशाना बनाया गया है. उन्होंने सोनू बिहारी और उसके पिता सुनील बिहारी पर गोलीबारी का आरोप लगाया है. भागलपुर के पूर्व पार्षद सदानंद मोदी ने कहा कि यहां पर दो गोली चली है. कुछ लड़के आकर ड्रग्स और अन्य नशा करते हैं. मैंने कई बार उनको मना किया. जब मैं आ रहा था, तभी हमको देखकर गाली-गलौज करने लगा. मेरे बोलने के बाद चला गया लेकिन फिर वापस आया और मुझे गाली देकर मुझ पर निशाना साधते हुए फायरिंग करने लगा. अपने पिता के साथ आया था लड़का.-

क्या बोले डीएसपी?: घटना की सूचना मिलते ही सिटी डीएसपी-2 राकेश कुमार ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है. डीएसपी ने बताया कि घटनास्थल से गोली के खोखे बरामद किए गए हैं. यह मामला हवाई फायरिंग का लग रहा है. फिलहाल अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है. भागलपुर के सिटी डीएसपी-2 राकेश कुमार का कहना है कि मोजाहिदपुर थानान्तर्गत सिकन्दरपुर पानी टंकी के पास फायरिंग की सूचना प्राप्त हुई थी. सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है. आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है. फिलहाल स्थिति शांतिपूर्ण है.-

सही मार्गदर्शन से ही सफलता है संभव

टिकारी, एजेंसी। राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज टिकारी में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2025 उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस मौके पर सभी शाखाओं के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। छात्रों ने क्विज प्रतियोगिता में भाग लिया। इसके बाद नेशनल साइंस डे पर कार्यक्रम हुआ, जिसमें सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। संस्थान के व्याख्याताओं प्रो. सुबोध कुमार गोंड, प्रो. सुजीत कुमार, प्रो. दीपक कुमार, प्रो. शिप्रा भदानी, प्रो. मोना कुमारी, प्रो. प्रियंका कुमारी और अन्य शिक्षकों ने कार्यक्रम का आयोजन किया। शिक्षकों ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के महत्व पर अपने विचार रखे। उन्होंने बताया कि भारतीय भौतिक विज्ञानी सर सी. वी. रमन ने 1928 में रमन इफेक्ट की खोज की थी। इसके लिए उन्हें 1930 में नोबेल पुरस्कार मिला। शिक्षकों ने विज्ञान और तकनीक के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नवाचार और अनुसंधान ही भविष्य को नई दिशा देंगे।

मनन कुमार मिश्रा 7वीं बार बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष बने

पटना, एजेंसी। देशभर में वकीलों का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था बार कॉउन्सिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष के लिए चुनाव संपन्न हो गया. सुप्रीम कोर्ट के वरीय अधिवक्ता सह राज्यसभा सांसद मनन कुमार मिश्रा एक बार फिर निर्विरोध अध्यक्ष चुन लिए गए.

नहीं टिक पाए विपक्ष

हालांकि, इस बार की गहमागहमी व रस्साकस्सी से ऐसा लग रहा था कि मुकाबला कड़ा होने जा रहा है. मनन मिश्रा के भाजपा से राज्यसभा सांसद बनने से कुछ विरोधी राजनैतिक दल भी चुनाव में काफी सक्रिय हो गए थे. लेकिन लोकप्रियता, व्यवहार कुशल और चुनावी रणनीति के आगे सभी ठंडे पड़ गए. राज्य बार काउंसिल में भी रहेः सभी राज्यों के अधिकांश प्रतिनिधि मतदाता मनन मिश्रा के पक्ष में दिखे. बिहार से आने वाले श्रीमिश्रा पिछले वर्ष बिहार राज्य बार काउंसिल के चुनावों में लगातार सातवीं बार जीत हासिल की थी. तीसरी बार बिहार से बार काउंसिल ऑफ इंडिया के निर्विरोध सदस्य चुने गए.

सातवीं बार अध्यक्ष बने: बार काउंसिल ऑफ इंडिया में वे लगातार सातवीं बार अध्यक्ष चुने गए हैं. बिहार में सबसे ज्यादा मतों से जीतकर हर बार एक कीर्तिमान बनाते हैं. बुद्धिजीवियों और आमजन में भी काफी लोकप्रिय माने जाते हैं. इसी कारण उनको राज्यसभा का सदस्य चुना गया.

लोकप्रियता से मिली जीत

इस बार कुछ अटकलें लगाई जा रही थी कि सांसद होने के बाद देश के वकीलों पर उनकी पकड़ कुछ कमजोर हुई होगी, परन्तु सातवीं बार की इस जीत ने पूरे देश में पुनः उनकी लोकप्रियता पर मुहर लगा दी है. अपनी जीत के बाद एक बयान जारी कर श्रीमिश्र ने पूरे देश के वकीलों का आभार व्यक्त किया.

उपाध्यक्ष पद के लिए रविवार को चुनाव

तमिलनाडु के श्री एस. प्रभाकरण और दिल्ली के श्री वेद प्रकाश शर्मा उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव मैदान में हैं. रविवार को चुनाव होने वाला है. कार्यकारिणी के सदस्यों के चुनाव का जिम्मा पूरे देश के मतदाताओं ने अध्यक्ष को सौंप दिया है.

17 मई को दिल्ली में बैठक: आगामी 17 मई 2025 को पूरे देश के अधिवक्ता प्रतिनिधियों और राज्य बार काउंसिल के सदस्यों की दिल्ली में बैठक होनी तय है. इसमें अधिवक्ताओं की समस्याओं और उनके कल्याण एवं अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम आदि विषयों पर चर्चा होगी.

6 मार्च को सुपौल आएंगे आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत

सरस्वती विद्या मंदिर के नए भवन का करेंगे उद्घाटन, तैयारी में जुटे कार्यकर्ता

सुपौल, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत 6 मार्च को सुपौल के वीरपुर आ रहे हैं। वे यहां सरस्वती विद्या मंदिर के नए भवन का उद्घाटन करेंगे। इस कार्यक्रम को लेकर संघ के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और स्थानीय प्रशासन में जबरदस्त उत्साह है। संघ प्रमुख अपने दौरे के दौरान विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों, स्वयंसेवकों और आम नागरिकों से मुलाकात कर समाज और राष्ट्र निर्माण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे। मोहन भागवत के आगमन को लेकर संघ और प्रशासनिक स्तर पर विशेष तैयारियां की जा रही हैं। संघ के क्षेत्र संगठन मंत्री ख्याली राम ने कहा कि विश्व के सबसे बड़े संगठन के प्रमुख का वीरपुर आगमन गौरव की बात है। संघ कार्यकर्ता उनके स्वागत के लिए पूरी तरह तत्पर हैं। स्वयंसेवक और स्थानीय पदाधिकारी कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने में जुटे हैं। इससे पहले 2020 में मोहन भागवत का यह दौरा तय था, लेकिन कोरोना महामारी के कारण इसे स्थगित करना पड़ा था। अब चार साल बाद वे वीरपुर आ रहे हैं, जिससे कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों में भारी उत्साह है।

आधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा नया भवन : संघ प्रमुख द्वारा उद्घाटन किया जाने वाला सरस्वती शिशु विद्या मंदिर का नया भवन आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। इससे छात्रों को बेहतर शैक्षिक माहौल मिलेगा। संघ पदाधिकारियों का मानना है कि मोहन भागवत के आगमन से न केवल विद्यालय को नई पहचान मिलेगी, बल्कि शिक्षा और संस्कार के प्रचार-प्रसार को भी बल मिलेगा। संघ वर्षों से शिक्षा, संस्कार और समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इस दौरे से संघ की गतिविधियों को नई गति मिलेगी और क्षेत्र में उसकी सक्रियता और प्रभाव और अधिक बढ़ सकता है। 6 मार्च को वीरपुर में होने वाले इस कार्यक्रम में संघ के कई वरिष्ठ पदाधिकारी, स्थानीय नेता, शिक्षाविद और गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर संघ के क्षेत्र प्रचार प्रमुख विद्या भारती बिहार एवं झारखंड नवीन सिंह परमार, लोक शिक्षा समिति कोसी विभाग प्रमुख रमेश चंद्र शुक्ला, क्रीड़ा भारती प्रांतीय सदस्य मुकल कुमार दास, क्रीड़ा भारती रामवतार मेहता, क्रीड़ा भारती उत्तर बिहार प्रांतीय उपाध्यक्ष सुमन चंद्र, सुरेश चंद्र और सुबोध कुमार शर्मा समेत अन्य लोग मौजूद थे।

वीरपुर में उत्सव जैसा माहौल : संघ प्रमुख मोहन भागवत के आगमन को लेकर वीरपुर में उत्सव जैसा माहौल है। स्थानीय लोग, स्वयंसेवक और संघ कार्यकर्ता उनके स्वागत की तैयारियों में दिन-रात जुटे हुए हैं। प्रशासन भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी तरह सतर्क है। यह दौरा न केवल संघ की विचारधारा को आगे बढ़ाने का काम करेगा, बल्कि शिक्षा और राष्ट्र निर्माण के प्रति संघ की प्रतिबद्धता को भी मजबूत करेगा। वीरपुर के इस ऐतिहासिक क्षण का गवाह बनने के लिए भारी संख्या में लोगों के जुटने की उम्मीद है।

चिकित्सा पदाधिकारी को दी गई विदाई

डुमरिया, एजेंसी। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, डुमरिया में विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित हुआ। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. पंकज भूषण का स्थानांतरण होने पर उन्हें विदाई दी गई। नए प्रभारी डॉ. संजय कुमार को प्रभार सौंपा गया। समारोह की अध्यक्षता स्वास्थ्य प्रबंधक शशि भूषण कुमार ने की। डॉ. संजय कुमार ने कहा कि विदाई स्वाभाविक प्रक्रिया है। नौकरी में स्थानांतरण और पदस्थापन चलता रहता है। डॉक्टर पंकज भूषण का कर्मियों और आम लोगों से अच्छा समन्वय रहा। सहकर्मियों के साथ मित्रवत व्यवहार रखा।

सीयूएसबी के कुलपति हुए सम्मानित

टिकारी, एजेंसी। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह को विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सम्मानित किया। उन्हें विज्ञान भवन के प्लेनरी हॉल में पर्स उत्कृष्टता स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। सीयूएसबी को भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय से 2024 के लिए 7.13 करोड़ रुपये का डीएसटी-पर्स अनुसंधान अनुदान मिला है। यह अनुदान विश्वविद्यालय के शोध पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए दिया गया है। इस अवसर पर कुलपति प्रो. के. एन. सिंह के साथ पर्स टीम के सदस्य प्रो. दुर्ग विजय सिंह, प्रो. वेंकटेश सिंह, प्रो. राम प्रताप सिंह, प्रो. अमिय प्रियम और प्रो. विवेक दवे मौजूद थे। स्कूल ऑफ अर्थ, बायोलॉजिकल एंड एनवायरनमेंटल साइंसेज के डीन प्रो. रिजवानुल हक भी कार्यक्रम में शामिल हुए। देश के 47 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में से केवल तीन को इस साल डीएसटी-पर्स अनुदान मिला है। सीयूएसबी बिहार और झारखंड का एकमात्र विश्वविद्यालय है जिसे यह प्रतिष्ठित अनुदान प्राप्त हुआ है। सीयूएसबी का शोध प्रस्ताव विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इसमें मानव स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए स्वदेशी तकनीकों के विकास पर जोर दिया गया है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इसे विवि अनुसंधान और वैज्ञानिक उत्कृष्टता (पीयूआरएसई) योजना के तहत मंजूरी दी है। जन संपर्क पदाधिकारी मोहम्मद मुदस्सीर आलम ने बताया कि इस परियोजना के तहत सीयूएसबी के शोधकर्ता फील्ड-इफेक्ट ट्रांजिस्टर और बायोडिग्रेडेबल पॉलिमर पर आधारित बायोसेंसर के साथ बिहार के वनस्पतियों और जीवों पर अध्ययन करेंगे।

अररिया में व्यापारी से ढाई लाख रुपए की लूट, वारदात के बाद सभी फरार

चलती बस में चालक को पिस्टल दिखाकर बस रोका

अररिया, एजेंसी। अररिया-पूर्णिया मार्ग पर कुसियारगांव पार्क के पास हथियारबंद बदमाशों ने एक चलती बस में लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया। दो बाइक पर सवार चार बदमाशों ने बस को ओवरटेक कर रोका। एक बदमाश ने चालक को पिस्टल सटा दी। अन्य बदमाशों ने बस में सवार प्याज और जूट व्यापारी से ढाई लाख रुपए से भरा थैला छीन लिया। विरोध करने पर बदमाशों ने व्यापारी के साथ मारपीट भी की। नगर थाना अध्यक्ष मनीष कुमार रजक के अनुसार पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। अररिया जिले में यह पहली वारदात नहीं है। दो दिन पहले हड़ियाबाड़ा नहर मार्ग पर संवेदक से 1.07 लाख रुपए लूटे गए। फारबिसगंज में दो व्यवसायियों से 22 लाख रुपए की लूट हुई। फारबिसगंज की घटना के साथ ही कुसियारगांव में यह वारदात हुई। पुलिस जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार करने का दावा कर रही है।

बकाया पैसे की वसूली कर लौट रहे थे: पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के रहने वाले प्याज व्यापारी समीरुल शेख ने बताया कि वे तीन लोग मिलकर प्याज व जूट का व्यापार करते हैं। इसी सिलसिले में बकाया राशि की वसूली करने गुरुवार की शाम पूर्णिया गुलाबबाग पहुंचे थे। वहां व्यापरियों से वसूली करने के बाद दूसरे दिन शुक्रवार को रानीगंज गए। वहां कई व्यापारियों से बकाया राशि लेने के बाद देर शाम अररिया स्टैंड पहुंचे। अररिया से पूर्णिया वाली बसमें सवार हो जा रहे थे व्यापारी इसके बाद अररिया बस स्टैंड से पूर्णिया जाने वाली बस पर सवार हो गए। कुसियागांव पार्क के पास बस पहुंचते ही दो बाइक पर सवार चार आदमी बस को ओवरटेक कर रुकवाया और तीन आदमी बस पर चढ़ गया। इसमें एक आदमी मुंह पर कपड़ा बांधे हुआ था और दो आदमी हेलमेट पहने हुए था। एक बदमाश बस ड्राइवर को पिस्तौल सटा दिया और दो बदमाशउसके पास आकर उन्हें पिस्तौल सटाकर रुपये से भराबैग छिनने लगा। जब वह इसका विरोध किया तोउनके साथ मारपीट की गई। डर से वह बैग दे दिया। बताया कि बैग में ढाई लाख रुपये था। नगर थानाध्यक्ष मनीष कुमार रजक ने बताया कि शुक्रवार की शाम अररिया-पूर्णिया हाईवे पर कुसियारगांव पार्क के समीप प्याज व्यापारी से ढाई लाख रुपए के लूट हुई है।

मगध विवि परिसर में हरियाली बढ़ाने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता

मगध विवि ने मनाई 64वीं वर्षगांठ, कुलपति सहित कई विधायक थे मौजूद

बोधगया, एजेंसी। मगध विश्वविद्यालय परिसर में हरियाली बढ़ाने पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। परिसर का हरा-भरा होना बिहार सरकार की जल-जीवन-हरियाली योजना के अनुरूप एक महत्वपूर्ण कदम होगा। मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के 64वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने उक्त बातें कही। उन्होंने इसके अलावा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे अपने विधायक निधि का 10 प्रतिशत हिस्सा मगध विश्वविद्यालय के विकास के लिए प्रदान करें। इससे

पूर्व मगध विश्वविद्यालय के 64वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह मुख्य अतिथि के रूप में, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में बिहार विधान परिषद के सदस्य डॉ संजीव कुमार सिंह शामिल थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एसपी शाही ने अतिथियों को पुष्पगुच्छ, स्मृति चिह्न एवं अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के मासिक न्यूज़लेटर एवं देवी अहिल्याबाई होल्कर स्मारिका का भी विमोचन हुआ।

समारोह के अंत में कुलसचिव डॉ विपिन कुमार ने सभी अतिथियों, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को धन्यवाद ज्ञापित किया। नैक से मिलेगा मगध विवि को ए ग्रेड कुलपति प्रो शाही ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को रेखांकित करते हुए कहा कि मगध विश्वविद्यालय स्थापना के समय से ही बिहार में शिक्षा और शोध के क्षेत्र में एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता रहा है।

परीक्षा और सत्र को नियमित करने के लिए विगत दो वर्षों में अथक प्रयास किए गए हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि नैक के लिए नौ वर्षों की वार्षिक रिपोर्ट पोर्टल पर जमा कर दी गई है और विश्वविद्यालय जल्द ही नैक ग्रेडिंग के लिए प्रस्तुत होगा, इस विश्वास के साथ कि ए ग्रेड प्राप्त किया जाएगा। पांच करोड़ से बना है शोध फंड शोध कार्यों को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय ने 5 करोड़ रुपये की विशेष निधि स्थापित की है, जिसके तहत शिक्षक पांच लाख रुपए तक का शोध अनुदान प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के आधारभूत ढांचे (इन्फ्रास्ट्रक्चर) के विकास हेतु 1000 करोड़ रुपए की योजना तैयार की गई है, जिसमें 400 करोड़ रुपए शीघ्र ही प्राप्त होने की संभावना है। तकनीकी शिक्षा के लिए चाहिए फंड विशिष्ट अतिथि डॉ संजीव कुमार सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के समुचित विकास के लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता है। तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए फंड की उपलब्धता अनिवार्य है। टिकारी के विधायक अनिल कुमार, जो स्वयं मगध विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र रह चुके हैं, ने कहा कि वह इस विश्वविद्यालय की मिट्टी से भली-भांति परिचित हैं और इसे इसके गौरवशाली अतीत की ओर लौटते देखना चाहते हैं। समारोह के दौरान देवी अहिल्याबाई होल्कर जयंती पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

लोदीपुर में श्रीमद भागवत ज्ञान यज्ञ

टिकारी, एजेंसी। लोदीपुर गांव में 2 मार्च से शुरू हो रहे श्रीमद भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ सह मां भगवती प्राण प्रतिष्ठा एवं 160 आचार्य जयंती समारोह में पहुंचे कथावाचक पूज्यपाद स्वामी हरेरामाचार्य जी महाराज का श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया। यह यज्ञ 2 मार्च से 8 मार्च तक चलेगा। 2 मार्च को जलाहरण और कलश यात्रा होगी। मंगलवार को मंडप प्रवेश और अग्नि स्थापना होगी। गुरुवार को मूर्ति प्रवेश और प्राण प्रतिष्ठा संपन्न होगी। शनिवार को नगर भवन में कथा समाप्ति के बाद भव्य भंडारे का आयोजन होगा। स्वामी जी के स्वागत के लिए युवाओं का दल घंटों पहले से सड़क पर झंडा और वाहन के साथ खड़ा रहा।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI: JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, सोमवार, 03 मार्च, 2025

संक्षिप्त समाचार

श्रीराम मंदिर के बाहर घूम रहे दलाल, वीआईपी दर्शन के पास के नाम पर करते उगाही; तीन धरे गए

अयोध्या , एजेंसी। यूपी में अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर पुलिस चौकी पुलिस ने राम गुलेला बैरियर पर श्रद्धालुओं को वीआईपी दर्शन का पास उपलब्ध कराने के नाम पर धन उगाही करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

चौकी प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि बैरियर पर तैनात मुख्य आरक्षी राशिद ने उन्हें इसकी सूचना दी, जिस पर कार्रवाई की गई।

मुकदमा दर्ज कर भेजे गए जेल- पकड़े गए आरोपियों की पहचान शैलेंद्र सिंह व बृजवासी निवासी धौलपुर राजस्थान व संदीप पता अज्ञात के रूप में हुई। आरोपियों के खिलाफ थाना राम जन्मभूमि में केस दर्ज कराकर तीनों का चालान कर दिया गया है।

मिशनरियों का मिशन मुस्लिमः कुंडली खंगाल सीधे संस्कार पर करते चोट, ऐसी बिछाई जड़ें... सुनकर लोग हक्का-बक्का

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ में मिशनरियों के मिशन मुस्लिम में बात सिर्फ धर्मांतरण तक ही सीमित नहीं है। परिवार की कुंडली खंगाल सीधे संस्कार पर चोट की जा रही है। इसके लिए आर्थिक रूप से कमजोर और सामाजिक रूप से उपेक्षित मुस्लिम परिवारों का विवरण जुटाया गया है।

अवध क्षेत्र के सीतापुर, अंबेडकरनगर व अयोध्या में केरल व झारखंड की तरह विपन्न मुस्लिम परिवारों के धर्मांतरण के लिए मिशनरियां महिलाओं के बीच पैठ बना रही हैं। बात शिक्षा, स्वास्थ्य और नौकरी से होते हुए पूजा पद्धति में बदलाव तक पहुंच रही है।

मिशनरी का सदस्य सामान्य रूप से पहुंचता है- सुरक्षा एजेंसियों की रिपोर्ट बताती है कि मिशनरियों का मिशन मुस्लिम एक दिन का प्रयास नहीं है। इसके लिए उन्होंने बकायदा रणनीति तैयार की है। चरणवार काम कर रहे हैं। पहला चरण संबंधित परिवार के आर्थिक व सामाजिक स्तर का अध्ययन होता है। इसके बाद देखा जाता है कि परिवार में

कोई गंभीर बीमार तो नहीं है। पूरे विवरण और अध्ययन के बाद मिशनरी का एक सदस्य परिवार के पास सामान्य रूप से पहुंचता है।

ईशु की महिमा का बखान होता है...

अब शुरू होता है दूसरा चरण। वह मानवीय स्तर पर संबंधित परिवार से जुड़ने की कोशिश करता है। इसमें छह महीने से एक वर्ष तक का समय लग जाता है। तीसरे चरण की शुरुआत होम प्रेयर (प्रार्थना) से होती है। पांचवें चरण में परिवार की आर्थिक रूप से मदद की जाती है। इलाज में सहयोग किया जाता है। इलाज को चमत्कार बताते हुए ईशु की महिमा का बखान होता है।

...और संस्कृति से आस्था अलग

आईबी के पूर्व अधिकारी संतोष सिंह बताते हैं कि धर्मांतरण का सबसे अहम छठा चरण है। इसी में संस्कृति और आस्था को अलग किया जाता है। यह क्रम पूजा पद्धति में बदलाव के रूप में सामने आता है। संबंधित व्यक्ति न नाम बदलता है और न ही पहनावा। वह मन से तो धर्म बदल चुका होता है, लेकिन रहन सहन पूर्व की तरह होने से पहचानना मुश्किल होता है कि धर्मांतरण हुआ है या नहीं।

ज्वाय मैथ्यू ने कहा कि धर्मांतरण की बात गलत है, लेकिन लोग खुद किसी धर्म से प्रभावित होकर उसे अपनाना चाहते हैं तो इसमें गलत क्या है। इसका विरोध नहीं होना चाहिए। धर्म आखिर धारण करने का विषय है, बशर्ते उसमें दबाव और प्रलोभन न हो।

लखनऊ विवि के समाजशास्त्री डॉ. पवन मिश्रा ने बताया कि पूर्वांत्तर भारत की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। वहां 80 प्रतिशत लोग ईसाई धर्म स्वीकार चुके हैं। श्रीमंत शंकर देव अगर असम में नव वैष्णव आंदोलन (एक शरणीया नाम-धर्म) नहीं शुरू करते तो वहां हिंदू बचते ही नहीं। अब अगर मिशनरियां मुस्लिम परिवारों का भी धर्मांतरण करा रही हैं तो यह सोचने वाली बात है। उनकी योजना बड़ी सुनियोजित होती है।

कानपुर में दोस्त के बुलावे पर पहुंचे युवक की कार से कुचलकर हत्या, दो घायल ,जांच शुरू

सुनील बाजपेई। कानपुर। यहां किसी न किसी वजह से युवाओं की हत्या का सिलसिला जारी है ,जिसके क्रम एक और युवक को मौत के घाट उतार दिया गया। वह दोस्त के बुलावे पर पहुंचा था। इसके बाद उसका रक्त रंजित शव बरामद किया गया। आरोप है कि इसके पहले झगड़ा हुआ था जिसके फलस्वरूप ही उसकी कार से कुचल कर हत्या कर दी गई। घटना के बाद उसके दोनों साथी भी फरार हैं।

फिलहाल पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच के साथ ही आरोपियों की भी तलाश कर रही है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक शिवराजपुर थाना क्षेत्र के बुद्धपुर गांव के पास काकूपुर हलबल गांव निवासी 26 वर्षीय गोविंद पाल का शव रक्तरंजित अवस्था में मिला। वह अपने परिवार का एकमात्र सहारा था।

मौके पर पहुंची पुलिस को परिजनों द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक गोविंद शनिवार की शाम बिल्हौर में एक शादी समारोह में गया था। वहां से उसे दोस्त आदि यादव का फोन आया। जगतपुर गांव में विवाद होने की सूचना पर वह स्कूटी से वहां गया। आप रविवार सुबह उसका शव बुद्धपुर गांव के पास सड़क किनारे मिला। मौके पर उसकी स्कूटी और एक अन्य बाइक भी पड़ी थी।

इस बीच पता चला है कि रात में दो गुटों के बीच विवाद हुआ। घटनास्थल पर फायरिंग भी हुई और वाहनों का आपस में टकराव हुआ। आरोप है कि एक कार ने जानबूझकर गोविंद को टक्कर मारकर कुचल दिया। इस घटना में दो अन्य लोग भी घायल हुए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

गोरखपुर का विरासत गलियारा : व्यापारियों ने सड़क चौड़ीकरण के विरोध में किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

गोरखपुर, एजेंसी। धर्मशाला से पांडेयहाता तक विरासत गलियारा बनने के विरोध में रेती से घंटाघर तक के व्यापारियों ने शनिवार को सड़क चौड़ीकरण का विरोध किया। साथ ही पांडेयहाता चौकी के पास दुकानों को तोड़ने के लिए बुलडोजर लेकर पहुंची टीम का भी व्यापारियों ने विरोध किया। सड़क चौड़ीकरण के विरोध में रेती चौक से घंटाघर तक के व्यापारी सुबह से ही दुकानें बंद कर सड़क पर आ गए। काफी देर तक व्यापारियों ने सड़क पर खड़े होकर प्रदर्शन किया। व्यापारियों की मांग है कि 12.5 मीटर की प्रस्तावित चौड़ाई को कम किया जाए।

उन्होंने डीएम कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन दिया। ज्ञापन के माध्यम से व्यापारियों ने मांग किया है कि विभाग दुकानों को तोड़ने के लिए समय का निर्धारित करे, जिससे व्यापारी अपना-अपना सामान खाली कर सकें। व्यापारियों की मांग की है कि जिनकी दुकान का आंशिक रूप से नुकसान हो रहा है सरकार उन व्यापारियों का सहयोग करे और व्यापारियों को जमीन का उचित मुआवजा मिले। विरासत गलियारा के चौड़ीकरण को लेकर बुलडोजर लेकर पहुंची टीम का भी व्यापारियों ने विरोध किया। व्यापारी ललित का कहना था कि इससे हमारा नुकसान है। व्यापारियों को सामान हटाने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है। इस अवसर पर मोहित पटवा, रोहित पटवा, प्रदीप कुमार, महेश चौरसिया, सुनील कुमार गुप्ता, संजय कुमार, उदयभान आदि मौजूद रहे।

टीए की नियुक्ति में फिर फंसा पेंच... निविदा में आई दो कंपनियां; उसमें भी एक बैन, सीबीआई जांच की मांग

लखनऊ, एजेंसी। यूपी की राजधानी लखनऊ में पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण प्रस्ताव में एक के बाद एक बाधा सामने आ रही है। एक तरफ कार्मिक विरोध कर रहे हैं तो दूसरी तरफ बार-बार नियमावली बदलनी पड़ रही है। शनिवार को निविदा भरने का अंतिम दिन था। ऐसे में सिर्फ दो कंपनियां ही निविदा में हिस्सा ले रही हैं।

नियमावली के तहत बिना तीन कंपनी के हिस्सा लिए तकनीकी निविदा नहीं खोली जा सकती है। पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल के निजीकरण प्रस्ताव के तहत ट्रांजक्शन एडवाइजर की नियुक्ति हो रही है। इसके लिए सात कंपनियों ने निविदा में हिस्सा लेने की तैयारी की थी, लेकिन शनिवार दोपहर तीन बजे तक सिर्फ दो कंपनियों ने ही निविदा भरी है।

मालूम हो कि पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल के निजीकरण के मसले पर एनर्जी टास्क फोर्स के प्रस्ताव में बदलाव हो चुका है। इसी के तहत ट्रांजक्शन एडवाइजर की नियुक्ति का फैसला लिया गया। इतना ही नहीं एडवाइजर नियुक्ति मामले में भी कई नियमों में शिथिलता दी गई। फिर भी अभी तक कंपनियां नहीं मिल पा रही हैं।

दो में एक सऊदी अरब की कंपनी

उपभोक्ता परिषद ने शुक्रवार को ही कनफ्लिक्ट ऑफ इंटरेस्ट (हितों के टकराव) का मुददा उठाया था। परिषद ने यह भी खुलासा किया था कि जिन कंपनियों ने निविदा में हिस्सा लेने की तैयारी की है, वे किसी न किसी कंपनी से जुड़ी हुई हैं। परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने दावा किया है कि निविदा प्रक्रिया में जिन दो कंपनियों ने हिस्सा लिया है, उसमें एक सऊदी अरब की है। यह कंपनी एक साल के लिए बैन हो चुकी है।

ऐसे में यह कंपनी फरवरी 2026 तक निविदा में हिस्सा नहीं ले सकती है। इस कंपनी को किसी भी कीमत पर निविदा में शामिल नहीं किया जाना चाहिए। वर्मा ने फाइनेंशियल रिर्पोटिंग काउंसिल (एफआरसी) हेडक्वार्टर यूके और भारत की नेशनल फाइनेंशियल रिर्पोटिंग अथॉरिटी में कनफ्लिक्ट आफ इंटरेस्ट (हितों के टकराव) के मामले का खुलासा करते हुए एक बार फिर पूरे प्रकरण में सीबीआई जांच की मांग उठाई है।

बिजली निजीकरण की प्रक्रिया गैरकानूनी

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने निजीकरण की प्रक्रिया को गैरकानूनी बताते हुए तत्काल प्रस्ताव निरस्त करने की मांग की है। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि निजीकरण का प्रस्ताव तैयार करने में नियमों को दरकिनार किया गया है। ट्रांजेक्शन एडवाइजर की तकनीकी बीड खोलने की कोशिश की गई तो तीन मार्च को शक्ति भवन सहित सभी जिला मुख्यालयों पर जोरदार प्रदर्शन किया जाएगा।

संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने शनिवार को विरोध प्रदर्शन करते हुए कहा कि ट्रांजक्शन एडवाइजर के लिए सामने आने वाली कंपनियां कनफ्लिक्ट आफ इंटरेस्ट (हितों को टकराव) के दायरे में आती है। अभी तक दो कंपनियां ही सामने आई है। जब तक तीन कंपनियां नहीं होंगी तब तक बिडिंग प्रक्रिया को संवैधानिक नहीं माना जा सकता है। इसलिए इसे निरस्त किया जाए।

कोचिंग से घर लौट रही थी छात्रा, शोहदे ने की छेड़खानी- सरेराह पकड़ लिया हाथ

गोरखपुर , एजेंसी। शाहपुर इलाके के असुरन स्थित एक कोचिंग सेंटर से बृहस्पतिवार शाम घर जा रही छात्रा से शोहदे ने छेड़खानी की। उसका हाथ पकड़ कर बाइक पर बिठाने की कोशिश की। छात्रा ने विरोध किया तो शोहदा अपना मोबाइल नंबर देकर भाग गया।

डरी सहमी छात्रा घर पहुंची और पूरी घटना अपनी बहन से बताई। पीड़ित छात्रा की तहरीर पर शाहपुर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी सिद्धार्थ नगर निवासी संदीप पांडेय को गिरफ्तार कर जेल भिजवा दिया है। शाहपुर इलाके की एक छात्रा असुरन स्थित एक कोचिंग सेंटर में पढ़ती हैं।

बृहस्पतिवार शाम छह बजे वह कोचिंग से घर जा रही थी। आरोप है कि रास्ते में बाइक सवार एक युवक छात्रा को रोककर छेड़खानी करते हुए हाथ पकड़ लिया। इसके बाद बाइक पर बैठने की कोशिश करने लगा। छात्रा ने विरोध किया तो आरोपी अपना मोबाइल नंबर उसके पास फेंक कर भाग गया।

एक्सप्रेस रोडः फोरलेन में चलेगा यातायातः जाम से मिलेगी राहत, डीपीआर बनाकर शासन को भेजने की तैयारी

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में घंटाघर को माल रोड से जोड़ने वाली एक्सप्रेस रोड चार लेन की बनेगी। बीच में डिवाइडर, ग्रीनबेल्ट, आकर्षक स्ट्रीट लाइटिंग के साथ ही दोनों तरफ यूटिलिटी डक्ट भी बनेंगी। डक्ट में पाइपलाइनें, विद्युत केबिल, संचार केबिल शिफ्ट की जाएंगी। इसके लिए शासन ने सीएम ग्रिड योजना फेज-3 के तहत 54 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं।

नगर निगम ने सीएम ग्रिड योजना फेज-1 और फेज- 2 के तहत चार-चार लेन की यूटिलिटी डक्ट युक्त 10 सड़कों के निर्माण के लिए प्रस्ताव स्वीकृत हो चुके हैं। इनमें से फेज - 1 के तहत पांच सड़कों का निर्माण शुरू हो गया है। जबकि फेज - 2 के तहत पांच अन्य सड़कों को इसी तरह बनाने के लिए ई-टेंडर आमंत्रित किए गए हैं। टेंडर 13 मार्च को खुलेंगे।

गत माह शासन भेजा था निर्माण का प्रस्ताव- इसी बीच नगर निगम ने इसी योजना के फेज - 3 के तहत घंटाघर

को माल रोड से जोड़ने वाली करीब तीन किलोमीटर लंबी वस्ततम एक्सप्रेस रोड के निर्माण का प्रस्ताव भी गत माह शासन भेजा था। इसकी अनुमानित लागत 54 करोड़ रुपये है। यूरिडा और शासन में इसका प्रस्तुतिकरण किया गया। इसके बाद शासन ने इस प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान की।

कानपुर को मिले सर्वाधिक 340 करोड़- सीएम ग्रिड योजना के तहत कानपुर को 340 करोड़ रुपये आवंटित हुए हैं। नगर आयुक्त ने बताया कि इस मद में कानपुर को सर्वाधिक धनराशि आवंटित हुई है। इस योजना के तहत बनने वाली सभी सड़कें चार लेन की होंगी। इनमें बीच में डिवाइडर, ग्रीनबेल्ट, स्ट्रीट लाइटें और दोनों तरफ यूटिलिटी डक्ट होंगी, जिनमें पाइपलाइन, सीवरलाइन, विद्युत केबिल, संचार केबिल आदि सुविधाएं रहेंगी। डक्ट को ढक्कर फुटपाथ बनाया जाएगा। इन सड़कों में बिछी पाइपलाइनें, सीवर लाइनें भी डक्ट में शिफ्ट होंगी। इससे सड़क टूटने की ये वजहें भी खत्म हो जाएंगी। विद्युत पोल भी हटेंगे।

15 से 17 मीटर चौड़ी है सड़क

अतिव्यस्ततम घंटाघर को माल रोड से जोड़ने वाली एक्सप्रेस रोड लगभग तीन किलोमीटर लंबी है। अवैध निर्माणों और अतिक्रमण की वजह से इसकी चौड़ाई 17 मीटर से घटकर 14 से 16.5 मीटर रह गई है अर्थात कहीं यह सड़क सिकुड़कर 14 ही रह गई है तो कहीं 16 से 17 मीटर चौड़ी है।

मजार, मंदिर बन सकते हैं बाधक

एक्सप्रेस रोड के बीचोंबीच स्थित मजार और किनारे की तरफ बना मंदिर निर्माण में बाधक हो सकता है। चार लेन की सड़क बनाने के लिए इसकी परिधि में आ रहे धार्मिक स्थलों सहित अन्य अवैध निर्माण हटाना नगर निगम के लिए चुनौती की तरह है।

जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं बन रहा, हो रही दिक्कत- काउंटर पर बढ़ रही भीड़

गोरखपुर, एजेंसी। नगर निगम में इन दिनों जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के आवेदन के लिए भीड़ बढ़ी हुई है। एक प्रमाणपत्र को बनने में दो से तीन महीने तक का समय लग जा रहा है। वहीं, दूसरी तरफ ऑनलाइन आवेदन के लिए पोर्टल काम नहीं कर रहा है। इसकी वजह से आवेदन के लिए नागरिकों को निगम के काउंटर पर जाना पड़ रहा है।

नगर निगम की वेबसाइट पर ही जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के पंजीकरण के लिए सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (सीआरएस) का लिंक है। इसपर क्लिक करने पर पंजीकरण के लिए साइट नहीं खुल रही। लोगों का कहना है कि ऑनलाइन पंजीकरण के लिए लिंक नहीं खुल रहा है। इसकी वजह से काउंटर पर जाकर आवेदन करना पड़ रहा है। नगर निगम और तहसील मिलाकर इस समय 1200 से ज्यादा आवेदन लंबित हैं। इसमें ज्यादातर आवेदन तहसील स्तर पर लंबित हैं।

तारामंडल के अभिषेक सिंह बच्चे के जन्म प्रमाणपत्र के पंजीकरण के लिए ऑनलाइन कोशिश कर रहे थे लेकिन वहां साइट नहीं खुली। इसकी वजह से ऑफलाइन आवेदन के लिए फॉर्म लिया। कुनराघाट के राजीव दो दिनों से ऑनलाइन पंजीकरण की कोशिश कर रहे थे लेकिन नहीं कर पाए।

बढ़ाए गए हैं काउंटर- आधार कार्ड बनवाने के लिए क्यूआर कोड वाले जन्म प्रमाणपत्र की अनिवार्यता को देखते हुए निगम ने काउंटर की संख्या भी बढ़ाई है। पुराने प्रमाणपत्रों को अपडेट करने के लिए काफी ज्यादा संख्या में लोग आ रहे हैं। काउंटर बढ़ने से लोगों को थोड़ी राहत भी मिली है।

अपर नगर आयुक्त दुर्गेश मिश्रा ने बताया कि ऑनलाइन पंजीकरण में यदि कोई समस्या आ रही है तो उसे सीआरएस की टीम से बात कर दुरुस्त कराया जाएगा। निगम स्तर पर प्रमाणपत्रों के निस्तारण के लिए काउंटर भी बढ़ाए गए हैं।

पुलिस चौकी के सामने युवक का शव रखकर किया हंगामा, पुलिस ने लाठी पटक कर खदेड़ा

कानपुर, एजेंसी। कानपुर के बिधनू में शनिवार दोपहर युवक का शव रखकर परिजनों ने पत्नी और ससुरालियों की पर हत्या करने का आरोप लगाते हुए मझावन पुलिस चौकी के सामने हंगामा किया। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने आक्रोशित लोगों को समझाने का प्रयास किया। वह नहीं मानें, तो पुलिस ने लाठियां पटककर खदेड़ दिया। इसके बाद परिजन शव लेकर अपने घर चले गए।

मझावन कस्बा निवासी राधे मोहन गुप्ता ने बताया कि उनके इकलौते बेटे अमित (28) की शादी 28 फरवरी 2023 को फतेहपुर के ललौली निवासी राजेश गुप्ता की बेटी निशा से हुई थी। शादी के बाद से ही आए दिन बहू निशा बेटे से झगड़ा करती थी। शुक्रवार सुबह अमित पत्नी निशा को लेकर दवा दिलाने गल्लामंडी ले गया था। रास्ते में दोनों की कहासुनी के बाद निशा अकेले घर आ गई।

पुलिस ने मायके वालों के साथ बहू को भेज दिया- बेटे के बारे में पूछने पर उसने कोई जवाब नहीं दिया। बेटे के मोबाइल पर बात करने पर जानकारी मिली कि अमित ने ट्रेन से कट जान दे दी है। शव कानपुर सेंट्रल में रेलवे ट्रैक पर पड़ा हुआ है। घटना के बाद बहू के मायके वाले आ गए। आरोप है कि पुलिस ने मायके वालों के साथ बहू को भेज दिया। पोस्टमॉर्टम के बाद शनिवार दोपहर दो बजे परिजन शव लेकर घर पहुंचे।

आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की- ग्रामीणों के साथ मिलकर पत्नी और ससुरालियों पर हत्या का आरोप लगाते हुए शव को मझावन पुलिस चौकी के सामने रखकर हंगामा शुरू कर दिया। उन्होंने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। सूचना पर एसीपी घाटमपुर रंजीत कुमार बिधनू और सेनपश्चिम पारा थाने की फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाने का प्रयास किया।

एसीपी बोले- लाठी चार्ज नहीं हुआ है- शव न हटाने पर पुलिस ने लाठियां पटककर भीड़ को खदेड़ा। इस दौरान करीब तीन घंटे तक हंगामा जारी रहा। पिता ने बहू और उसके मायके वालों के खिलाफ तहरीर दी है। एसीपी ने बताया कि लाठी चार्ज नहीं हुआ है। समझाने के बाद परिजन को शव लेकर चले गए। रविवार को शव का अंतिम संस्कार परिजन करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

हिमाचल में बर्फबारी से 4 नेशनल हाईवे बंद, जम्मू-श्रीनगर हाईवे हल्के वाहनों के लिए खुला

नई दिल्ली। देश के पहाड़ी इलाकों में बारिश-बर्फबारी का दौर कुछ धीमा हो गया है। मौसम विभाग (IMD) के मुताबिक आज रात एक नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होगा। इसके असर से 3 मार्च के बाद बारिश और बर्फबारी का दौर फिर से शुरू होने की उम्मीद है। हिमाचल प्रदेश में लैंडस्लाइड की वजह से सड़कें अभी भी बंद हैं। राज्य की 480 सड़कें और 4 नेशनल हाईवे अभी भी बंद हैं। स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर के मुताबिक शनिवार शाम तक भी 2 हजार से ज्यादा ट्रांसफॉर्मर और 434 जल आपूर्ति योजनाएं बाधित हैं। हिमाचल में कुल्लू जिले के भुंतर में सबसे ज्यादा 112 mm बारिश दर्ज हुई। कुल्लू जिले के ही कोठी में सबसे ज्यादा 15 cm बर्फबारी हुई। IMD के मुताबिक 2 मार्च की रात तक मौसम साफ रहने की उम्मीद है। 3 मार्च को सुबह से भारी बारिश और बर्फबारी का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 6 मार्च से तापमान धीरे-धीरे बढ़ेगा। जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे शनिवार को सिर्फ हल्के वाहनों के लिए खोल दिया गया। पंजाब, राजस्थान, दिल्ली समेत उत्तर-पश्चिमी राज्यों का न्यूनतम तापमान अगले 2 दिन 3 से 4 डिग्री तक गिर सकता है। गोवा और कोंकण-कर्नाटक के तटीय इलाकों का मौसम गर्म रहेगा। कुछ इलाकों में हीट वेव जैसी कंडीशन रह सकती है।

जन्मदिन पर स्टालिन का संकल्प, हिंदी थोपने का विरोध करुंगा

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को अपना 72वां जन्मदिन मनाया। इस मौके पर उन्होंने कहा- मैं जन्मदिन पर संकल्प लेता हूं कि हिंदी भाषा को थोपने का विरोध करूंगा। केंद्र सरकार क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने के नाम पर ट्राई लैंग्वेज पॉलिसी लागू कर रही है। असल में यह पॉलिसी गैर-हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी थोपने की साजिश है। स्टालिन ने पंजाब और तेलंगाना की सराहना की कि उन्होंने स्कूलों में पंजाबी और तेलुगु को अनिवार्य किया है। साथ ही कहा कि दोनों राज्यों ने केंद्र की BJP सरकार के इस झूठ को उजागर किया है कि न्यू एजुकेशन पॉलिसी के तहत ट्राई लैंग्वेज पॉलिसी को क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने और फैलाने के लिए लागू किया जा रहा है। स्टालिन ने कहा- पंजाब और तेलंगाना सरकारों की घोषणा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यह अपनी प्रमुख भाषाओं की पहचान करने और उनके (केंद्र सरकार) जाल में फंसने से बचने का तरीका है। तमिलनाडु की तरह ही हर राज्य को अपनी मातृभाषा बचाने के लिए ऐसा करना चाहिए।

जादवपुर यूनिवर्सिटी में छात्र संघ चुनाव की मांग पर हंगामा, छात्रों ने शिक्षा मंत्री को घेरा, कार के पीछे दौड़े

कोलकाता। कोलकाता की जादवपुर यूनिवर्सिटी में तत्काल छात्र संघ चुनाव कराने की मांग पर हंगामा हुआ। स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया (SFI) सहित दूसरे स्टूडेंट फ्रंट्स ने राज्य के शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु का घेराव किया। उनकी कार की पीछा किया। दावा किया गया कि इस दौरान मंत्री की कार में तोड़फोड़ की गई। हालांकि SFI ने इस आरोप को गलत बताया है। दरअसल, शिक्षा मंत्री बसु WEBCUTA (पश्चिम बंगाल कॉलेज एवं विश्वविद्यालय प्राध्यापक संघ) की सालाना होने वाली बैठक में भाग लेने के लिए कॉलेज पहुंचे थे। SFI और दूसरे स्टूडेंट फ्रंट्स को जब इसकी जानकारी मिली तो वे अपनी मांगों को लेकर यूनिवर्सिटी कैंपस पहुंच गए। इसके बाद सभी स्टूडेंट्स उस हॉल के बाहर जुटने लगे जहां WEBCUTA की बैठक होने वाली थी। मंत्री को इसकी जानकारी मिली तो दूसरे गेट से यूनिवर्सिटी में दाखिल हुए। बाद में उन्होंने स्टूडेंट्स से मुलाकात की। इस दौरान छात्रों ने उन्हें घेर लिया और अपना डिमांड लेटर सौंपा। दावा किया गया कि मंत्री छात्रों की पूरी बात सुने बिना अपनी गाड़ी में बैठ कर जाने लगे। इसी दौरान सैकड़ों छात्रों ने कार को घेर लिया और चलती कार के पीछे छात्र दौड़े। कुछ छात्र कार के बोनट पर चढ़ गए। इसी दौरान कार की विंडस्क्रीन टूट गई। साथ ही कार के नीचे आने से एक छात्र घायल हो गया। उसे सिर और पैर में चोट है। TMC का आरोप है कि यूनिवर्सिटी से निकलने के बाद मंत्री बसु की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें SSKM अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों के मुताबिक अब मंत्री बसु की हालत ठीक है।

दिल्ली में 15 साल पुराने वाहनों को पेट्रोल-डीजल नहीं मिलेगा, 31 मार्च से लागू होगा नियम

नई दिल्ली। दिल्ली में 15 साल और उससे ज्यादा पुराने वाहनों को 31 मार्च से पेट्रोल-डीजल नहीं दिया जाएगा। दिल्ली में बढ़ते एयर पॉल्यूशन को कंट्रोल करने के लिए दिल्ली सरकार ने यह कदम उठाया है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शनिवार को यह ऐलान किया। उन्होंने कहा, 'इस फैसले की जानकारी केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय को जल्द दी जाएगी। हम पेट्रोल पंपों पर गैजेट लगा रहे हैं जो 15 साल से पुराने वाहनों की पहचान करेंगे। ऐसे वाहनों को पेट्रोल-डीजल नहीं दिया जाएगा।'

ये फैसले भी लिए गए: शहर की सभी ऊंची इमारतों, होटलों पर एंटी-स्मॉग गन लगाना कंपल्सरी किया गया है। ये नियम पहले से ही है। अब सख्ती से लागू किया जाएगा। दिल्ली में लगभग 90% पब्लिक CNG बसों को दिसंबर 2025 तक सिस्टेमेटिक तरीके से हटा दिया जाएगा। इनकी जगह इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी। दिल्ली के ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर पंकज कुमार सिंह ने कहा- मार्च में दिल्ली को एक हजार से ज्यादा इलेक्ट्रिक बसें मिलेंगी। उन्होंने ये भी कहा कि दिल्ली का परिवहन क्षेत्र वर्तमान में 235 करोड़ रुपए के घाटे में चल रहा है।

उत्तराखंड एवलांच, 3 दिन के बाद 3 और शव मिले

एजेंसी, चमोली

उत्तराखंड के चमोली में 28 फरवरी को आए एवलांच में फंसे मजदूरों को निकालने का काम तीसरे दिन भी जारी है। डिफेंस पीआरओ ने बताया कि अब तक 54 लोगों में से 53 लोगों को निकाला जा चुका है, इनमें से 7 की मौत हो चुकी है। हादसे के दूसरे दिन 17 लोगों को निकाला गया, जबकि बीते दिन 33 लोगों निकाले गए थे। इनमें से चार लोगों की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। आज 3 लोगों के शव निकाले जा चुके हैं। एक मजदूर की तलाश जारी है। ड्रोन, रडार सिस्टम, स्निफर डॉग, विक्टिम लोकेटिंग और थर्मल इमेज कैमरे से सर्चिंग की जा रही है। 7 हेलिकॉप्टर भी लगाए गए हैं। आर्मी और वायुसेना के अलावा ITBP, BRO, SDRF और NDRF के 200 से ज्यादा जवान भी घटनास्थल पर बर्फ की मैनुअल खुदाई करके लापता मजदूर की तलाश में लगे हुए हैं। पहले लापता मजदूरों की संख्या 55 बताई गई थी, लेकिन शनिवार को पता चला कि एक मजदूर बिना बताए कैंप से अपने गांव चला गया था। हादसा चमोली के माणा गांव में 28 फरवरी की सुबह 7:15 बजे हुआ। मोली-बद्रीनाथ हाईवे पर बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन (BRO) के मजदूर कंटेनर हाउस में रुके थे, तभी बर्फ का पहाड़ खिसक गया। सभी मजदूर इसकी चपेट में आ गए।

♦ अब तक 7 मजदूरों की मौत, 1 की तलाश जारी, ड्रोन-थर्मल कैमरे से सर्चिंग

माणा तिब्बत सीमा पर आखिरी गांव: 4 मजदूरों की स्थिति गंभीर 45 मजदूरों को जोशीमठ के आर्मी हॉस्पिटल में भर्ती किया गया है। एक मजदूर की हालात गंभीर होने के बाद उसे ऋषिकेश AIIMS रेफर किया गया है। जोशीमठ आर्मी हॉस्पिटल में पैनलिस्ट डॉक्टरों की टीम सभी मजदूरों का इलाज कर रही है। जिनको सर्जिकल स्पेशलिस्ट डॉक्टर अंकित मिश्रा लीड कर रहे हैं। जोशीमठ आर्मी हॉस्पिटल में मेजर अमित कुमार मिश्रा ने कहा, 'अभी हमारे पास 45 मरीज हैं। इनमें से 3 गंभीर हैं। इसमें से एक को लीवर में चोट आई है। खून का रिसाव हो रहा है उसको हमने मैनेज किया। अभी उनकी स्थिति ठीक है। अगर इलाज के लिए आगे भेजना होगा तो हम भेजेंगे। अभी सभी खतरे से बाहर है।'

जलगांव में केंद्रीय मंत्री की बेटी से छेड़छाड़

एजेंसी, जलगांव

महाराष्ट्र के जलगांव में केंद्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे की बेटी के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। जलगांव के मुक्ताई नगर इलाके में एक मेले के दौरान कुछ लड़कों ने केंद्रीय मंत्री की बेटी और उसकी सहेलियों से छेड़खानी की। मामले की शिकायत खुद मंत्री रक्षा खडसे ने मुक्ताई नगर थाने में की है। SDPO कृष्णत पिंगले ने बताया कि 28 फरवरी को कोथली गांव में एक यात्रा थी। इसी यात्रा में अनिकेत घुई और उसके 7 दोस्तों ने 3-4 लड़कियों का पीछा किया और उनके साथ छेड़छाड़ की।

हमने POCSO (प्रिवेंशन ऑफ चाइल्ड फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंस) एक्ट के साथ-साथ IT (इन्फॉर्मेशन) एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया है। एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। बाकियों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें भेजी गई हैं। मंत्री की बेटी और सहेलियों का वीडियो बना रहे थे लड़के पुलिस के मुताबिक, मेले के दौरान कुछ लड़कों ने रक्षा खडसे की बेटी से छेड़खानी की। साथ मौजूद पुलिस सुरक्षाकर्मी का कॉलर पकड़ा और उसे भी धमकी दी। लड़के रक्षा खडसे की बेटी और उसकी सहेलियों का वीडियो बना रहे थे। जब गार्ड ने देखा तो उसने लड़कों को रोका। गार्ड ने जब मोबाइल जब्त कर जांच की। इसके बाद लड़कों ने सुरक्षाकर्मी से मारपीट शुरू कर दी। सुरक्षाकर्मी ने युवकों को बताया कि यह लड़की केंद्रीय मंत्री की रिश्तेदार है, लेकिन युवक नहीं रुके।

♦ वीडियो बना रहे थे युवक, रोका तो गार्ड से मारपीट, POCSO और IT एक्ट में मामला दर्ज

भाजपा बोली- मौजूदा और पहले की सरकारों की लापरवाही से हुआ हादसा

एजेंसी, नागरकुर्नूल

तेलंगाना के नागरकुर्नूल में निर्माणाधीन श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (SLBC) टनल में फंसे 8 मजदूरों के रेस्क्यू ऑपरेशन का रविवार को 9वां दिन है। 22 फरवरी को सुरंग का एक हिस्सा ढहने के बाद से बचाव कार्य जारी है। बीते 9 दिनों में फंसे मजदूरों से संपर्क नहीं हो सका है। टनल में पानी, कीचड़ और ढेर सारे मलबे के कारण रेस्क्यू में काफी दिक्कतें आ रही हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन में सेना, NDRD, SDRF समेत 11 एजेंसियां जुटी हुई हैं।

इधर, घटना को लेकर राजनीति भी जारी है। भाजपा विधायकों ने टनल का दौरा किया। MLA महेश्वर रेड्डी ने कहा- यह दुर्घटना मौजूदा और पहले की सरकारों के गलत मैनेजमेंट का नतीजा है। लापरवाही के कारण यह आपदा आई। भाजपा विधायक पायल शंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी टनल की घटना पर नजर बनाए हुए हैं। सभी जरूरी सहायता मुहैया कराई गई है। हमें उम्मीद है कि अंदर फंसे आठ लोग सुरक्षित बाहर निकल आएंगे। शनिवार को तेलंगाना की मुख्य सचिव शांति कुमारी, मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी और मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने सुरंग का दौरा किया था। इसके बाद सभी ने रेस्क्यू में जुटे अधिकारियों के साथ बैठक भी की थी।

हरियाणा में निकाय चुनाव वोटिंग, रोहतक में भाजपा-कांग्रेस समर्थक भिड़े, हिसार में ढाई घंटे मतदान रुका

एजेंसी, हरियाणा

♦ गुरुग्राम में बोगस वोटिंग पर हंगामा

हरियाणा में 9 नगर निगम समेत 40 निकायों के लिए वोटिंग चल रही है। वोटिंग शाम 6 बजे तक चलेगी। नतीजे 12 मार्च को आएंगे। शाम 4 बजे तक प्रदेश में 33% वोटिंग हुई है। रोहतक में बलियाना गांव के पोलिंग बूथ में घुसने को लेकर 2 भाजपा और कांग्रेस समर्थक भिड़ गए। यहां वार्ड 11 से कांग्रेस उम्मीदवार परीक्षित के भाई प्रशांत को चोटें लगी है। उन्होंने भाजपा उम्मीदवार राजेश बलियाना के भाई पर मारपीट के आरोप लगाए हैं। झज्जर में बेरी के वार्ड नंबर 6 में बनाए गए मतदान केंद्र में एक युवक बोगस वोट डालता हुआ पकड़ा गया। पुलिस ने युवक को हिरासत में ले लिया है। फर्जी वोटिंग रोकने के लिए वार्ड नंबर 6,7 और 8 में अतिरिक्त पुलिस फोर्स तैनात की गई है। वहीं गुरुग्राम के फर्रुखनगर में वार्ड नंबर 3 में बोगस वोट डालने को लेकर हंगामा हो गया। मतदाता ने पीठासीन अधिकारी और बूथ एजेंटों पर मिलीभगत का आरोप लगाया। वोटर ने अधिकारी से कहा कि मैं आप पर केस करूंगा।

उधर, हिसार के अर्बन एस्टेट में बनाए गए बूथ नंबर 145 में EVM खराब होने की वजह से ढाई घंटे से वोटिंग रुकी हुई है। लोग बिना वोट दिए वापस लौट रहे हैं। इसी बूथ पर दिन में भाजपा के 2 बूथ अध्यक्ष वोटर लिस्ट लेकर मतदान केंद्र में घुस गए। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो उन्होंने बहसबाजी की। उन्होंने पुलिस से कहा कि हम बूथ अध्यक्ष हैं, पार्टी ने ड्यूटी लगाई है। पुलिस ने उनसे कहा कि आप ऐसे अंदर नहीं जा सकते। पार्टी के एजेंट या उम्मीदवार को ही अंदर रहने की अनुमति होती है। इसके बाद बूथ अध्यक्ष वहां से चले गए। वहीं गुरुग्राम के वार्ड नंबर 30 और 32 के बूथ पर वोटर लिस्ट में नाम न मिलने पर लोगों ने हंगामा किया। शिव बडोनी नाम के व्यक्ति ने बताया कि वोटर लिस्ट में हमारा नाम नहीं है। हमने विधानसभा चुनाव में वोट डाला था, लेकिन निकाय चुनाव में हमारे नाम ही गायब कर दिए। यहां अपडेटेड लिस्ट आनी चाहिए।

कांग्रेस नेता हिमानी की मां का अंतिम संस्कार से इनकार

बोली- हत्या के पीछे पार्टी के ही लोग, वह पॉलिटिक्स छोड़ शादी करने वाली थी

एजेंसी, रोहतक

हरियाणा के रोहतक में 22 वर्षीय कांग्रेस नेता हिमानी नरवाल की हत्या के बाद उनकी मां ने शव लेने से इनकार कर दिया है। साथ ही उन्होंने पार्टी के लोगों पर ही हत्या का शक जताया है। बता दें कि शनिवार सुबह हिमानी का शव रोहतक के सांपला बस स्टैंड पर एक सूटकेस में मिला था। बॉडी सफेद सूट में थी और गले पर काली चुन्नी लिपटी हुई थी, हाथों में मेहंदी थी। पुलिस के मुताबिक, हिमानी 3 दिन से लापता थी और किसी शादी में गई थी। पिछले 5 महीने से हिमानी रोहतक में विजयनगर स्थित अपने पुश्तैनी मकान में अकेली रह रही थी।

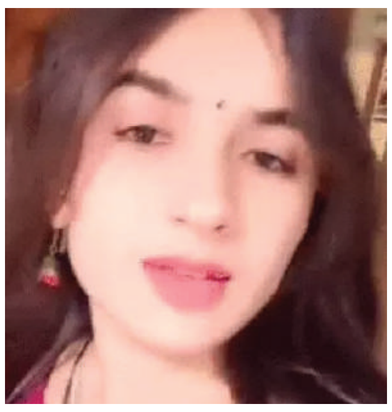

मां बोली- बेटी की तरक्की से जलते थे कांग्रेस नेता: आज हिमानी के शव का पोस्टमॉर्टम होना है, इससे पहले आज उनकी मां भी पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंच गईं। जहां पर उन्होंने पुलिस की जांच के साथ-साथ कांग्रेस पार्टी पर सवाल खड़े किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि हिमानी की हत्या में पार्टी का भी कोई व्यक्ति शामिल हो सकता है क्योंकि कई लोग बेटी की तरक्की से जलते थे। साथ ही उन्होंने कहा कि जब तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा तब तक वो हिमानी का अंतिम संस्कार नहीं होने देंगी।

अनिल विज बोले- कांग्रेसियों की आदत: वहीं, इस मामले पर हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "कांग्रेस के लोग पहले भी ऐसा करते आए हैं। जल्दी तरक्की करने के लिए दूसरों को पीछे ढकेलना कांग्रेस की पुरानी आदत है। पुलिस गहराई से इसकी जांच कर रही है।"

25 किमी दायरे में CCTV की जांच जारी: SHO बिजेंद्र सिंह ने बताया कि नेशनल हाईवे नंबर-9 पर रोहतक से रोहद टोल प्लाजा तक 25 किलोमीटर के एरिया में ही हत्यारों की तलाश में होटल व ढाबों के सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। पुलिस मकान से लेकर सांपला बस स्टैंड तक रास्ते में पड़ने वाले CCTV को चेक कर रही है।

कर्नाटक के डिप्टी CM बोले- हिंदू पैदा हुआ, हिंदू ही मरूंगा

एजेंसी, बेंगलुरु

♦ ईशा योग सेंटर में अमित शाह के साथ थे, कांग्रेस नेताओं ने सवाल उठाया

कर्नाटक के डिप्टी CM डीके शिवकुमार ने तमिलनाडु स्थित ईशा योग सेंटर में महाशिवरात्रि समारोह में शामिल होने पर सफाई दी है। उन्होंने कहा- मैं हिंदू के रूप में जन्मा था और हिंदू के रूप में मरूंगा। शिवकुमार ने कहा, 'सद्गुरु कर्नाटक से हैं। वह कावेरी जल के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने आकर मुझे व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया था। वह महान काम कर रहे हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों के विधायक और नेता वहां थे इसलिए, मैं वहां गया। यह मेरी व्यक्तिगत आस्था है।'

उन्होंने कहा कि, 'मेरे निर्वाचन क्षेत्र में यीशु की 100 फीट ऊंची मूर्ति है। निर्माण स्थानीय लोगों ने करवाया। तब भाजपा ने मुझे 'येसुकुमार' कहा था। मैं सभी धर्मों, जातियों में विश्वास करता हूं। कांग्रेस पार्टी की विचारधारा समाज में सभी को एक साथ लेकर चलने की है, इसलिए कुछ लोगों को यह पसंद हो सकता है, कुछ को पसंद नहीं।'

शाह के साथ मंच शेयर करने पर मंत्री ने उठाए सवाल 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर कोयंबटूर में ईशा योग सेंटर में एक कार्यक्रम हुआ था। इसमें गृह मंत्री अमित शाह आए थे। कर्नाटक के डिप्टी CM भी इसमें गए। इस पर कर्नाटक के सहकारिता मंत्री केएन राजन्ना ने कहा था कि राहुल गांधी की आलोचना करने वालों के साथ शिवकुमार मंच कैसे साझा कर सकते हैं?

राजन्ना ने मीडिया से कहा था कि, 'सद्गुरु ने खुद कहा था कि वह राहुल गांधी को नहीं जानते? शिवकुमार मुझसे बेहतर जानते हैं कि लोकसभा में हमारे नेता के बारे में क्या कहा जाता है। अब उन्हें ही जवाब देना चाहिए कि ऐसे लोगों के साथ मंच साझा करना कितना उचित है।'

कांग्रेस सचिव बोले- वे राहुल का मजाक उड़ाने वालों के साथ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) के सचिव पीवी मोहन ने शिवकुमार की कोयंबटूर यात्रा पर निशाना साधा। पीवी मोहन ने सोशल मीडिया पर लिखा- शिवकुमार एक ऐसे व्यक्ति के निमंत्रण पर गए, जो राहुल गांधी का मजाक उड़ाता है। तब पीवी मोहन के आरोपों का जवाब देते हुए शिवकुमार ने कहा- मैं एक हिंदू हूं। मैं एक हिंदू के रूप में पैदा हुआ हूं और मैं एक हिंदू के रूप में मर जाऊंगा, लेकिन मैं सभी धर्मों से प्यार करता हूं और उनका सम्मान करता हूं।

रूस से युद्ध रोकने का प्लान बनाएंगे यूक्रेन-ब्रिटेन-फ्रांस

एजेंसी, लंदन

ब्रिटेन, फ्रांस और यूक्रेन मिलकर रूस-यूक्रेन जंग को रोकने के प्लान पर काम करने के लिए राजी हुए हैं। ये प्लान अमेरिका के सामने रखा जाएगा। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के ब्रिटेन दौरे पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इसकी जानकारी दी है। स्टार्मर ने लंदन में यूरोपीय देशों की डिफेंस समिट बुलाई है। जेलेंस्की इस बैठक में शामिल होंगे। बैठक से पहले स्टार्मर ने कहा कि व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति से जेलेंस्की की बहस के बाद चारों देशों के नेताओं की बातचीत में इस प्लान का जिक्र हुआ। स्टार्मर ने कहा कि उन्हें यकीन है ट्रम्प यूक्रेन में स्थायी शांति चाहते हैं। उन्होंने ये भी कहा कि ये प्लान तभी काम करेगा जब अमेरिका अपनी सुरक्षा गारंटी पर टिका रहेगा।

ब्रिटिश पीएम ने जेलेंस्की का गले लगाकर स्वागत किया: जेलेंस्की शनिवार को इंग्लैंड पहुंचे तो ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने जेलेंस्की का गले लगाकर स्वागत किया। सड़कों पर लोगों ने जोरदार नारों के साथ जेलेंस्की का स्वागत किया गया। स्टार्मर ने जेलेंस्की से कहा कि आपको पूरे ब्रिटेन का सपोर्ट हासिल है। हम आपके और यूक्रेन के साथ खड़े हैं, भले ही इसमें कितना भी वक्त क्यों न लग जाए। जेलेंस्की ने इस सपोर्ट के लिए उनका शुक्रिया अदा किया। लंदन में आज यूरोपीय देशों की एक समिट होनी है। इस समिट में फ्रांस, जर्मनी, डेनमार्क, इटली समेत 13 देश शामिल होंगे। साथ ही NATO के महासचिव और यूरोपीय संघ और यूरोपीय काउंसिल के प्रेसिडेंट भी शामिल होंगे।

यूक्रेन को 24 हजार करोड़ का लोन दिया: ब्रिटेन ने यूक्रेन को 24 हजार करोड़ का लोन दिया। इसके लिए शनिवार को ब्रिटिश PM स्टार्मर और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने समझौते पर साइन किए। द कीव पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक इस लोन को G7 देशों की एक्सट्रा-ऑर्डिनरी रेवन्यू एक्सीलरेशन (ERA) पहल के तहत दिया गया है। इस लोन का इस्तेमाल यूक्रेन के जरूरी हथियार खरीदने में किया जाएगा। पिछले साल अक्टूबर में G7 देशों ने यूक्रेन को 50 बिलियन डॉलर यानी 4.3 लाख करोड़ रुपए की मदद देने का वादा किया था। यूक्रेन को सपोर्ट के मुद्दे पर EU के दो देश सहमत नहीं यूक्रेन के सपोर्ट के मुद्दे पर यूरोपियन यूनियन (EU) के अंदर भी दरार नजर आ रही है। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको का कहना है कि वो यूक्रेन को आर्थिक और सैन्य तौर पर मदद नहीं देंगे। यूक्रेन कभी भी सैन्य ताकत के दम पर रूस को बातचीत के टेबल पर नहीं ला पाएगा। इससे पहले हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान ने भी जेलेंस्की के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का सपोर्ट किया है। व्हाइट हाउस में दोनों के बीच हुई बहस के बाद उन्होंने ट्रम्प को मजबूत और जेलेंस्की को कमजोर कहा था। उन्होंने ट्रम्प का धन्यवाद भी किया था।

♦ ब्रिटिश PM बोले- ये प्लान अमेरिका के सामने रखेंगे, ट्रम्प की सुरक्षा गारंटी जरूरी

♦ स्टार्मर ने कहा कि उन्हें यकीन है ट्रम्प यूक्रेन में स्थायी शांति चाहते हैं

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, सोमवार, 03 मार्च, 2025

चैम्पियंस ट्रॉफी 2025

साउथ अफ्रीका चैम्पियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में, अफगानिस्तान का टूटा सपना

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में चारों सेमीफाइनिलस्ट का फैसला हो गया है. न्यूजीलैंड, भारत, ऑस्ट्रेलिया के बाद अब साउथ अफ्रीकी टीम ने भी सेमीफाइनल में जगह बना ली है. साउथ अफ्रीका की एंट्री के साथ ही अफगानिस्तान की उम्मीदें समाप्त हो गई हैं. इंग्लैंड यदि साउथ अफ्रीका के खिलाफ बड़ी जीत हासिल करता तो अफगानिस्तान के लिए चांस बनता. लेकिन इंग्लिश टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में 179 रनों पर ही ढेर हो गई. जवाब में साउथ अफ्रीका ने 29.1 ओवरों में ही तीन विकेट खोकर टारगेट को हासिल कर लिया. हालांकि सेमीफाइनल मुकाबले में कौन सी टीम किससे मुकाबला करेगी, ये 2 मार्च (रविवार) को भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले मुकाबले के बाद ही पता चल पाएगा. ग्रुप-ए से भारत और न्यूजीलैंड की टीम सेमीफाइनल में पहुंचीं. वहीं ग्रुप-बी से साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया ने ये उपलब्धि हासिल की. बता दें कि अफगानिस्तान की टीम तभी सेमीफाइनल में पहुंच पाती, जब इंग्लिश टीम

साउथ अफ्रीका के खिलाफ कम से कम 207 रनों से जीत हासिल करती. ताकि साउथ अफ्रीका का नेट-रनरेट अफगानिस्तान से कम हो जाए. हालांकि इंग्लिश बल्लेबाजों ने कराची के मैदान पर शर्मनाक प्रदर्शन किया और उसकी टीम पूरे 50 ओवर भी नहीं खेल पाई. चैम्पियंस ट्रॉफी में ग्रुप-ए की बात करें तो इसमें भारत, न्यूजीलैंड, बांग्लादेश और पाकिस्तान की टीमें हैं. न्यूजीलैंड की टीम इस ग्रुप में दो मैचों में दो जीत के साथ पहले नंबर पर है. कीवी टीम का नेट रनरेट 0.863 है. उधर, भारतीय टीम इस समय दो मैचों में दो जीत के साथ दूसरे स्थान पर है. भारत के 4 अंक हैं और उसका नेट रनरेट 0.647 है. हालांकि दोनों में से कौन सी टीम नंबर-1 पर रहेगी, इसका फैसला 2 मार्च को होगा. वहीं, बांग्लादेश तीसरे, जबकि पाकिस्तान चौथे नंबर पर है. दोनों टीमों के एक-एक अंक रहे, लेकिन बेहतर नेट-रनरेट के चलते बांग्लादेश टेबल में पाकिस्तान से आगे है.

हम बहुत खराब प्रदर्शन कर रहे हैं और हमें अभी बहुत काम करना है: ब्रेंडन मैकुलम

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल टीम लगातार दो आईसीसी वनडे टूर्नामेंटों से पहले दौर में बाहर होने के बाद काफी मुश्किल में है। इंग्लैंड पहले भारत में 2023 वनडे विश्व कप और अब पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी के पहले दौर से बाहर हो गया। दोनों टूर्नामेंटों में खराब प्रदर्शन का एक जैसा ही नजारा देखने को मिला। बल्लेबाजी आक्रमण में 50 ओवरों का सर्वश्रेष्ठ तरीके से उपयोग करने के लिए कोई खाका नहीं था और तेज गति के गेंदबाजों के बावजूद गेंदबाजी आक्रमण कमजोर दिख रहा था।

विदर्भ ने जीता रणजी ट्रॉफी का खिताब

फाइनल में केरल को हराया

नागपुर, एजेंसी। विदर्भ ने फाइनल मुकाबले में रनों का पहाड़ करते हुए केरल को हराकर रविवार को पहली पारी में मिली बढ़त के आधार पर रणजी ट्रॉफी का खिताब अपने नाम कर लिया है। केरल और विदर्भ के बीच नागपुर में खेला गया फाइनल मुकाबला पांचवें दिन ड्रॉ पर समाप्त हुआ। विदर्भ को पहली पारी में केरल पर बनाई गई बढ़त के आधार पर जीत मिली और इस घरेलू टूर्नामेंट में चैंपियन बन गया। विदर्भ ने तीसरी बार रणजी का खिताब जीता है। इससे पहले उसने 2017-18 और 2018-19 में खिताब जीता था। विदर्भ के दानिश मालेवार को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। वहीं विदर्भ के हर्ष दुबे को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला। विदर्भ ने कल के चार विकेट पर 249 रनों से आगे खेलना शुरु किया। आज सुबह के सत्र में मैच के पांचवें दिन करूण नायर ने अभी अपने कल के स्कोर में तीन रन जो? थे कि आदित्य सरवटे ने उन्हें अजरुद्दीन ने स्टंप कर पवेलियन भेज दिया। नायर ने (295) में 10 चौके और दो छक्के लगाते हुए (135) रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। हर्ष दुबे (चार) रन बनाकर आउट हुए। कप्तान अक्षय व?कर(25) को सरवटे ने बोल्ड आउट किया। अक्षय कारनेवार (30) को एनपी बासिल ने बोल्ड किया। दोनों कप्तानों की मैच ड्रा करने की सहमिति के समय विदर्भ ने 143.5 ओवरों में नौ विकेट पर 375 रन बना लिए थे और दर्शन नालकंडे (51 अवजित) और यश ठाकुर (आठ) अविजित रहे। केरल की ओर से आदित्य सरवटे ने चार विकेट लिए। एम डी निधीष, जलज सक्सेना, ईडन ऐपल टॉम, एनपी बासिल और अक्षय चंद्रन ने एक-एक विकेट लिया।

तीसरी बार बना चैंपियन

डब्ल्यूपीएल 2025

शेफाली वर्मा की तूफानी पारी ने आरसीबी को किया पस्त

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज शेफाली वर्मा पिछले कुछ महीनों से टीम इंडिया से बाहर हैं। हालांकि महिला प्रीमियर लीग में अपने नियमित प्रदर्शन से उन्होंने फिर से टीम इंडिया के दरवाजे पर दस्तक दे दी है। शनिवार को शेफाली ने दिल्ली कैपिटल्स के लिए तूफानी पारी खेली। आरसीबी के खिलाफ शेफाली के बल्ले से 80 रन निकले। वह अब तक सात मैचों में 43.33 के औसत से 260 रन बना चुकी हैं। वह लीग में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं।

दिल्ली ने आरसीबी को दी मात

मैच की बात करें तो शेफाली वर्मा और जेस जोनासेन के विस्फोटक अर्धशतकों से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 27 गेंद रहते नौ विकेट से हराकर जीत की लय जारी रखी। पिछले मैच में मुंबई इंडियंस को नौ विकेट से करारी शिकस्त देने वाली दिल्ली कैपिटल्स के लिए शेफाली और जोनासेन ने दूसरे विकेट के लिए महज 77 गेंद में 146 रन की अटूट साझेदारी निभाकर आसान जीत दिलाई।

शेफाली की तूफानी पारी- शेफाली ने अपनी तेज तर्रार पारी के लिए 43 गेंद खेली जिसमें आठ चौके और चार छक्के जड़े थे। वहीं जोनासेन ने भी उनका अच्छा साथ निभाते हुए 38 गेंद में नौ चौके और एक छक्के से नाबाद 61 रन बनाये। दिल्ली कैपिटल्स ने कप्तान मेग लैंनिंग (02) के रूप में एकमात्र विकेट गंवाया।

आरसीबी ने एलिस पैरी (नाबाद 60 रन) की अर्धशतकीय पारी से पांच विकेट पर 147 रन का स्कोर खड़ा किया। दिल्ली कैपिटल्स ने शेफाली और जोनासेन की मदद से यह लक्ष्य 15.3 ओवर में एक विकेट पर 151 रन बनाकर हासिल कर लिया।

पैरी का अर्धशतक गया बेकार

इससे पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद पैरी ने आरसीबी को शुरुआती झटकों से उबारते हुए सत्र का चौथा अर्धशतक जड़ा। उन्होंने 47 गेंद में तीन छक्के और इतने ही चौके से 60 रन की पारी खेली। पैरी के अलावा राघवी बिष्ट ने 33 रन का योगदान दिया जिसके लिए उन्होंने 32 गेंद में दो छक्के जमाये। ऑस्ट्रेलिया की अनुभवी खिलाड़ी पैरी ने इंग्लैंड की डानी वाट होज (21 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 44 रन और राघवी के साथ 68 रन की साझेदारी निभाकर आरसीबी की पारी मजबूत की। इस पारी से पैरी इस साल की डब्ल्यूपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गई, उन्होंने छह मैच में 98.33 के औसत से 295 रन बना लिए हैं। डानी वाट होज ने एक छक्के और दो चौके से 18 गेंद में 21 रन बनाये। दिल्ली कैपिटल्स के लिए शिखा पांडे और श्री चरानी ने 28-28 रन देकर दो दो विकेट झटके। मारिजाने काप ने नयी गेंद से कसी गेंदबाजी करते हुए 18 रन देकर एक विकेट लिया। दिल्ली कैपिटल्स की टीम अंकतालिका में पहले स्थान पर है। मुंबई इंडियंस की टीम पांच मैचों में तीन जीत और दो हार के साथ दूसरे नंबर पर है।

मैंने वेट्रेस के तौर पर काम किया

गुजरात जायंट्स की ऑलराउंडर का खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। गुजरात जायंट्स की इंग्लिश ऑलराउंडर डेनियल गिब्सन ने खुलासा किया कि वह पूर्णकालिक क्रिकेटर बनने से पहले वेट्रेस के तौर पर काम करती थीं, हालांकि उन्हें यह पसंद नहीं था। गिब्सन ने पैसे कमाने के लिए एक स्थानीय पब में वेट्रेस के तौर पर काम किया। उन्होंने डब्ल्यूपीएल 2025 मिनी-नीलामी में जायंट्स से 30 लाख रुपए का अनुबंध हासिल किया। गिब्सन ने 22 टी20आई में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया है। हालांकि वह महिला प्रीमियर लीग में अपना व्यापार करके अच्छी खासी कमाई कर रही हैं, लेकिन हमेशा से ऐसा नहीं था। गिब्सन ने रैपिड-फायर सेशन के दौरान बोलते हुए कहा, मैंने इंग्लैंड में एक पब में वेट्रेस के तौर पर काम किया। मुझे इसमें मजा नहीं आया। उसी वीडियो में गिब्सन ने बताया कि पहली बार वह 18 साल पहले लॉर्ड्स में लाइव क्रिकेट मैच देखने गई थी, जब वह सिर्फ छह साल की थी। उसने आगे बताया कि वह अपने भाइयों को टूर्नामेंट के फाइनल में खेलते हुए देखने गई थी। जब गिब्सन से उनके पहले क्रिकेट हीरो के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर एंड्रयू फ्लिंटॉफ का नाम लिया। उन्होंने बताया कि उनका पहला फोन सैमसंग टचस्क्रीन डिवाइस था। जब उनसे उनके पहले टैटू के बारे में पूछा गया तो गिब्सन ने कहा, मुझे क्रिकेट पसंद नहीं, बहुत पसंद है। 2001 में ग्लॉस्टरशायर में जन्मी गिब्सन ने जुलाई 2023 में बर्मिंघम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20आई में इंग्लैंड के लिए पदार्पण किया। वह आखिरी बार पिछले महीने नॉर्थ सिडनी में गवर्नर-जनरल इ्ढ्ढ महिलाओं के खिलाफ महिला एशेज टूर गेम में नजर आई थीं, जहां उन्होंने 3-0-14-0 की अच्छी गेंदबाजी की थी।

व्यापार

विवाहित महिला 500 ग्राम सोने के गहने रख सकती है

नईदिल्ली, एजेंसी। महिलाओं की सबसे पसंदीदा चीज की बात की जाए तो इसमें बेशक पहला नाम सोने के आभूषणों का आएगा। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या इसकी कोई तय सीमा है? क्या किसी सीमा से अधिक आभूषण रखने पर आपके खिलाफ आयकर विभाग की कार्रवाई हो सकती है? तो बता दें कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने एक परिपत्र में इसकी सीमा तय की है। नियमों के मुताबिक, एक विवाहित महिला 500 ग्राम सोने के गहने रख सकती है। अविवाहित

महिला के लिए यह सीमा 250 ग्राम है। वहीं पुरुषों के मामले में स्थिति थोड़ी साफ है। वह चाहे विवाहित हो अथवा अविवाहित, परिवार में प्रत्येक सदस्य के लिए यह सीमा 100 ग्राम तय की गई है। यानी कि यदि आयकर विभाग छापा मारता है तो इस मात्रा तक के स्वर्ण आभूषणों को जब्त नहीं किया जा सकता। टैक्स एवं इंवेस्टमेंट एक्सपर्ट बलवंत जैन कहते हैं कि सीबीडीटी के परिपत्र से यह स्पष्ट हो गया कि निर्धारित सीमा तक के सोने की जब्ती नहीं होगी, भले ही परिवार की आय कुछ भी हो. आयकर छापे की स्थिति में तय सीमा तक की मात्रा के आभूषणों को अलग कर दिया जाएगा. वह शेष आभूषणों को ही आयकर विभाग अपने साथ ले जा सकता है। सवाल अभी भी यही उठता है कि क्या आप इस सीमा से अधिक आभूषण नहीं रख सकते नियमों के मुताबिक सीमा से अधिक आभूषण रखने पर आयकर विभाग आपसे इनके स्रोत पूछ सकता है। अगर आप इस बारे में पूरा ब्योरा मुहैया करा देते हैं तो छापे की कार्रवाई के दौरान यह आभूषण जब्त नहीं किए जाने चाहिए।

रेखा झुनझुनवाला के निवेश वाली कंपनी 1 शेयर पर दे रही है 17.50 रुपये का डिविडेंड

नईदिल्ली, एजेंसी। रेखा झुनझुनवाला के निवेश वाली कंपनी मेट्रो ब्रांड्स ने अंतरिम डिविडेंड और स्पेशल डिविडेंड का ऐलान किया है। कंपनी इसी हफ्ते एक्स-डिविडेंड स्टॉक के तौर पर ट्रेड करेगी। शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर कंपनी के शेयरों भाव 3.84 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1120.15 रुपये के लेवल पर थे।

1 शेयर पर 17.50 रुपये का डिविडेंड दे रही है कंपनी- मेट्रो ब्रांड्स ने शेयरों बाजारों को 28 फरवरी को दी जानकारी में बताया था कि 5 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर 3 रुपये का अंतरिम डिविडेंड और 14.50 रुपये का स्पेशल डिविडेंड दे रही है। यानी हर एक शेयर पर योग्य निवेशक 17.50 रुपये का डिविडेंड दे रही है। कंपनी इस हफ्ते शुक्रवार यानी 7 मार्च को एक्स-डिविडेंड ट्रेड करने जा रही है। बता दें, यह कंपनी नियमित अंतराल पर निवेशकों को डिविडेंड देती आ रही है।

रेखा झुनझुनवाला के पास कितनी हिस्सेदारी?

आईएमएफ का रिपोर्ट: 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी भारत की जीडीपी

रोजगार व विकास को बढ़ाने के लिए सुधारों की जरूरत

मुंबई, एजेंसी। मजबूत निजी निवेश और व्यापक आर्थिक स्थिरता के दम पर भारत की सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी दर 2025-26 में 6.5 फीसदी की दर से बढ़ेगी। इस आधार पर यह सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी स्थिति बरकरार रखेगा। अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक कोष (आईएमएफ) की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का मजबूत आर्थिक प्रदर्शन देश को 2047 तक एक उन्नत अर्थव्यवस्था बनने की महत्वाकांक्षा को साकार करने के लिए महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण संरचनात्मक सुधारों को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है।

भारत सरकार के दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, 2024-25 के दौरान देश की अर्थव्यवस्था के 6.5 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है। खाद्य कीमतों के झटके कम होने के कारण मुख्य महंगाई लक्ष्य के अनुरूप होने की उम्मीद है। आईएमएफ ने कहा, निजी निवेश, रोजगार को बढ़ावा देने और विकास को आगे बढ़ाने के लिए संरचनात्मक सुधारों के गहन कार्यान्वयन की जरूरत है। आईएमएफ ने कहा, गुणवत्ता वाली नौकरियां पैदा करने, निवेश को बढ़ावा देने और उच्च संभावित विकास को प्राप्त करने के लिए व्यापक संरचनात्मक सुधार महत्वपूर्ण हैं। प्रयासों को श्रम बाजार सुधारों को लागू करने, मानव पूंजी को मजबूत करने और श्रम बल में महिलाओं की अधिक भागीदारी का समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

निजी निवेश और एफडीआई बढ़ाने की जरूरत - रिपोर्ट के अनुसार, निवेश और एफडीआई को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है। इसके लिए स्थिर नीति ढांचे, व्यापार करने में अधिक आसानी, गवर्नेंस सुधार और व्यापार एकीकरण में वृद्धि की जरूरत है। इनमें टैरिफ और गैर-टैरिफ कटौती दोनों उपाय शामिल होंगे।

पेटीएम ने 8 साल पहले खरीदी थी दो कंपनियां, अब ईडी ने भेजा नोटिस

नईदिल्ली, एजेंसी। फिनटेक फर्म पेटीएम की पैरेंट कंपनी-वन97 कम्युनिकेशंस की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दरअसल, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दो सब्सिडयरी कंपनियों के अधिग्रहण के संबंध में कंपनी द्वारा कुछ फेमा नियमों के कथित उल्लंघन के लिए नोटिस भेजा है। बता दें कि पेटीएम ने दोनों कंपनियों का अधिग्रहण 2017 में किया था। ये सब्सिडयरी कंपनियां- लिटिल इंटरनेट प्राइवेट लिमिटेड और नियरबाय इंडिया प्राइवेट लिमिटेड हैं।

क्या कहा कंपनी ने- वन97 कम्युनिकेशंस ने बताया- यह कंपनी द्वारा दो सब्सिडयरी कंपनियों लिटिल इंटरनेट प्राइवेट लिमिटेड (एलआईपीएल) और नियरबाय इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनआईपीएल) के साथ-साथ कुछ निदेशकों और अधिकारियों के अधिग्रहण के संबंध में विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 ('फेमा') के कुछ प्रावधानों के वर्ष 2015 से 2019 के लिए कथित उल्लंघन के संबंध में है। सूचना में कहा गया कि यह नोटिस वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड, इसकी दो अधिग्रहीत अनुषंगी कंपनियों एलआईपीएल और एनआईपीएल, तथा कंपनी और इसकी दो अनुषंगी कंपनियों के कुछ वर्तमान और पूर्व निदेशकों और अधिकारियों को जारी किया गया है।

सेवाओं पर नहीं पड़ेगा असर- पेटीएम ने कहा कि इस मामले को लागू कानूनों के अनुसार हल करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है और इस मामले का पेटीएम की अपने उपभोक्ताओं और व्यापारियों को दी जाने वाली सेवाओं पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सभी सेवाएं हमेशा की तरह पूरी तरह चालू और सुरक्षित हैं।

अब शेयर पर रहेगी नजर

बीते शुक्रवार को पेटीएम के शेयर की बात करें तो यह 1.30 प्रतिशत टूटकर 716.30 रुपये पर बंद हुआ। ट्रेडिंग के दौरान शेयर का निचला स्तर 698.10 रुपये था। मई 2024 में शेयर की कीमत 310 रुपये के लो पर थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो भी है। दिसंबर 2024 में शेयर 1,063 रुपये के 52 हफ्ते के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

नदी किनारे लगाएं कद्दू, करेला, लौकी, टिण्डा

भूमि व खेत की तैयारी

नदी के किनारों पर यदि सुरक्षात्मक उपाय उपलब्ध हों जहां कार्बनिक पदार्थ की मात्रा अच्छी हो एवं जल भराव न हो वहां पर कद्दूवर्गीय सब्जियों को सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है। खरबूज को बलुई दोमट मिट्टी में अच्छी खाद मात्रा के साथ उगाकर अच्छी उपज प्राप्त की जा सकती है। जहां बुवाई करनी है वहां पर 10–12 किग्रा गोबर खाद डालकर थाला बनते हैं।

जलवायु

कद्दूवर्गीय सब्जियों के उत्पादन के लिए कम से कम 20 डिग्री एवं अधिकतम 35–40 डिग्री तापमान उचित है। करेला, ककड़ी, खरबूज, तरबूज सभी ग्रीष्म ऋतु में जहां मृदा पीएच 5.5–6.5 के मध्य हो खेती आसानी से की जा सकती है।

उन्नत किस्में

करेला– पूसा विशेष, पूसा दो मौसमी

लौकी– पूसा समर प्रौफेलिक राउण्ड, पूसा समर प्रौफेलिक लांग, पूसा नवीन

तरोई– पूसा चिकनी, पूसा नसदार

तरबूज– पूसा सरबती, पूसा मधुरस, हरा मधु, अर्का जीत, अर्का राजहंस

बीज उपचार एवं बुवाई

बुवाई के पूर्व 2–3 ग्राम थाइरम प्रति किग्रा बीज से बीजोपचार करें। प्रत्येक थाले में 4–5 बीज डालकर 3 सेमी गहराई पर बुवाई की जाती है। उर्वरक की उचित मात्रा का प्रयोग करते हुए नाइट्रोजन की आधी मात्रा बुवाई के समय व फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा बुवाई के समय तथा शेष नाइट्रोजन एक माह के बाद देते हैं।

सहारा देने का तरीका

कद्दूवर्गीय सब्जियां नार वाली होती है एवं आसानी से फैलती है इन्हें सहारा देने के लिए लम्बे बांस गड़ाकर इसके ऊपर तार बांध कर तारों के बीज रस्सी लगाकर अच्छी तरह सहारा दिया जाता है।

बीमारियां

चूर्णिल आसिता (पाउडरी मिल्ड्यू)

यह एक प्रकार की फफूंदी से फैलने वाली बीमारी है जिसका संक्रमण होने पर बेलों, पत्तियों एवं तनों पर सफेद परत चढ़ जाती है। इसकी रोकथाम हेतु प्रति हेक्टेयर 2 ग्राम बाविस्टीन प्रति लीटर पानी से हिसाब से घोल बनाकर छिड़कें।

मृदु रोमिल आसिता (डाउनी मिल्ड्यू)

इस बीमारी के प्रभाव से पत्तियों की निचली सतह पर भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं रोग का प्रकोप अधिक होने पर पत्तियां सूखकर गिर जाती हैं तथा फलों का मीठापन कम हो जाता है।

रोग नियंत्रण

रोग के रोकथाम हेतु डाइथेन जेड–78 के 0.2 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें एवं आवश्यकता पड़ने पर 15 दिन बाद पुनः दोहराये।

श्याम वर्ण (एन्थ्रेक्नोज)

इस रोग के प्रकोप से फूलों एवं पत्तियों पर गहरे भूरे रंग के धब्बे बन जाते हैं। गर्म मौसम में प्रकोप अधिक होता है। रोगग्रसित भाग मुरझाकर सूखने लगते हैं।

रोग नियंत्रण – रोग के रोकथाम हेतु डाईथेन जेड–78 के 0.2 से 0.3 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें।

पौध संरक्षण

प्रमुख कीट

कद्दू वाला लाल भृंग : यह कीट लाल रंग का होता है यह नई पत्तियों को खाकर छेद कर देता है इसके रोकथाम हेतु 2 ग्राम कार्बोरिल या 3 मिली क्लोरोफिल प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर सुबह के समय छिड़के। आवश्यकता होने पर 15 दिन बाद पुनः दोहरायें।

फल मक्खी

यह फल मक्खी फलों में छेद करके फल के अंदर अण्डे देता है जिससे फल सड़ जाते हैं। यह फलों को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाती है। फसल को इनसे बचाने के लिए 2 मिली मिथाइल पैराथियान प्रति लीटर पानी में गुड़ के घोल में मिलाकर छिड़कें।

बकरियों के लिये उपयुक्त आहार

जो वनस्पति उसे पसंद आ जाती हैं उसे वह कुछ ज्यादा देर तक खाती हैं। लेकिन इसका भी कोई भरोसा नहीं। वह जिद्दी स्वभावधारी पशु हैं अतः उसका दिल करें तो वह एक विशिष्ट वनस्पति पर चराई करेगी तथा जिस पल उसका दिल उस वनस्पति से भर जायें तब दूसरी वनस्पति की ओर चल देती है। बकरियां अक्सर झुंड में रहना तथा झुंड में रहकर साथ–साथ चरना पसंद करती हैं। उन्हें अकेले रहना कतई पसंद नहीं होता। अगर किसी ने ऐसी कोशिश की तो वह मायूस होकर, सहमकर या तो खड़ी रहती हैं या जमीन पर बैठ भी सकती हैं तथा चराई बंद कर देती हैं। कई बार वह भूखी होते हुये भी चराई नहीं करती। उसे खेत में वनस्पतियों से भरे मैदान में अकेले बांधकर रखें भी तो वह ऐसा ही बर्ताव दर्शाती हैं। उन्हें झुंड से अलग करने पर वह बेचैन हो जाती हैं तथा उनके गले में रस्सी बांधकर उन्हें अन्य जगह ले जाने का प्रयास करें तो वे डर जाती हैं तथा सहमकर बैठ जाती हैं। कई बार इधर–उधर भागने की कोशिश करती हैं तथा नाकामयाब होने पर मायूस होकर एक जगह हताश होकर बैठ जाती हैं।

ऐसी स्थिति में उन्हें कोई कुछ खिलाना भी चाहे तो वह उसे नहीं खाती। यहां तक कि उनकी मनपसंद पत्तियां भी खाने हेतु पेश की जाये तो भी वह उसे नहीं खाती। उन्हें जबरदस्ती चारा नहीं खिलाया जा सकता। वे अपनी मर्जी की मालिक होती हैं। उनके सामने किसी बर्तन में खाने योग्य पत्तियां डालने पर भी वह उसे नहीं छूती। अगर कोई पत्तियां या चारा जमीन पर गिर जाये तो वह उसे नहीं छूती। उसे गीला, मटमैला कीचड़ भरा चारा कतई पसंद नहीं होता। उन्हें खाने में हमेशा बदलाव पसंद है। एक बार उन्होंने कोई विशिष्ट चारा ग्रहण किया तो अगली बार यह जरूरी नहीं कि वे वह चारा दोबारा खायेगी। यहां तक कि एक बकरी को जो चारा पसंद आये वह दूसरी बकरी को पसंद आ जायेगी। हर एक की पसंद अलग–अलग होती हैं।

केन्द्रीय मरु अनुसंधान संस्थान जोधपुर के तहत कार्यरत क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, पाली, मारवाड़ राजस्थान में किये गये अध्ययन में ज्ञात हुआ कि गर्मियों में जब चरागाह में कोई चारा या घास उपलब्ध नहीं होता तब जो भी चारा मिले उसे मारवाड़ी नस्ल की बकरियां खा लेती हैं। यहां तक की भूखी होने पर बाड़े में लगी बेर की सूखी कटीली टहनियां भी खा जाती हैं। जनवरी तथा फरवरी माह में जब चारागाह में काफी हरी वनस्पतियां मौजूद होती हैं तब उनके खान–पान व्यवहार का गहन अध्ययन करते हुये ज्ञात हुआ कि मारवाड़ी बकरियों ने सबसे ज्यादा यानि बेरी के खंखाडों पर 55.79 प्रतिशत समय बिताया और उसकी पत्तियां खाई। इसके बाद उनकी दूसरी पसंद खेजड़ी की पत्तियां थी जिस पर उन्होंने 24.30 प्रतिशत समय बिताया। इसके बाद उनकी तीसरी पसंद जिजनी नामक कटीली फलीधारी वनस्पति थी जिस पर उन्होंने 5.69 प्रतिशत समय बिताया। इसके बाद उन्होंने रोहिडा वनस्पति पर 4.89 प्रतिशत, कर वनस्पति पर 4.50 प्रतिशत तथा देशी बबूल की पत्तियों पर 1.99 प्रतिशत समय बिताया।

बकरियों की कुछ शारिरिक विशेषताएं होती हैं। वे छरहरी, पतली तथा हल्के शरीरधारी होती हैं। वे तेज दौड़ सकती हैं तथा पिछले दो पैरों पर खड़ी होकर ऊंचाई पर स्थित वनस्पति की चराई कर सकती हैं। उनके ऊपरी होठ में एक दरार होती हैं तथा जीभ लंबी होती हैं जिनकी मदद से वह छोटे से छोटा पत्ता भी पकड़कर आसानी से खा सकती हैं। वह हमेशा जल्दबाजी में चरती हैं तथा कुछ देर पश्चात पेट भरने पर किसी पेड़ की छाया में आराम से बैठकर जुगाली करती हैं।

बकरियों के खान–पान व्यवहार पर कुछ अनुसंधान हुआ है जिनके शोधपरिणामों पर आधारित जानकारी अनुसार उन्हें कुछ वनस्पतियां जैसे बेर, खेजडी, जिजनी, रोहिडा, देशी बबूल, जंगल जलेबी, आडू पीपल, करंज ,गिरीपुष्प, सावरी, अशोक, इमली चिंचबिलाई आदि वनस्पतियों की पत्तियां खाना पसंद करती हैं। इसके अलावा उन्हे बेर के फल (बोरियां), बबूल की फल्लियां, कैर के फल शेहिडा के फूल आदि खाना पसंद हैं। इनके अलावा उन्हें स्वादिष्ट, रसीली, हरी भरी घांस जैसे बरसीम, ल्यूसर्न, चौलाई तथा स्वादिष्ट अनाज खाना पसंद होता हैं। अतः उन्हें उपरोक्त लिखित वनस्पतियों की पत्तियां, फूल, फल तथा घास–फूंस जो भी पसंद हैं वह खिलाये जायें तो उनका चारा ग्रहण तथा शुष्क पदार्थों का ग्रहण ज्यादा होगा। इन पदार्थों का स्वादिष्टता तथा पाचनीयता भी ज्यादा होने से भी ग्रहण अधिक होगा। इससे बकरियों का स्वास्थ्य अच्छा रहने के साथ बढ़वार, वृद्धिदर, प्रजनन क्षमता, दूध उत्पादन तथा मांस उत्पादन में बढ़ोतरी होने के ज्यादा आसार हैं तथा बकरी पालन व्यवसाय ज्यादा फायदेमंद साबित होगा।

जायद की तिल लगायें

भूमि– दोमट, हल्की चिकनी एवं कछारी भूमि तिल की खेती हेतु उपयुक्त होती है।

खेत की तैयारी– अच्छी जुताई कर भुरभुरी मिट्टी वाला समतल खरपतवार रहित खेत तैयार करें। सिंचाई हेतु नालियों एवं क्यारियों की व्यवस्था करना चाहिए।

बीज की मात्रा एवं बीजोपचार

5–6 किग्रा/ हे. की दर से उन्नत किस्म के प्रमाणित कार्बेन्डाजिम (2 ग्राम/किग्रा) फफूंदनाशी से बीजोपचार कर बोयें। बीजों के समान वितरण हेतु बीज : गोबर की खाद (2:20) मिलाकर बोनी करें।

उन्नत किस्में

ग्रीष्म ऋतु हेतु तिल की अनुशंसित किस्में टीकेजी–22, टीकेजी–55, जेटीएस–8, टीकेजी–306 फरवरी के तृतीय से चतुर्थ सप्ताह में बोयें। बोने में कतारों से कतारों की दूरी 12 इंच तथा पौधों से पौधों की दूरी 4 इंच रखने से उपयुक्त पौध संख्या 3 लाख / हे. प्राप्त होती है।

खाद एवं उर्वरक

गोबर की 10 टन खाद/ हेक्टेयर तथा रसायनिक उर्वरक 60:40:20 किग्रा नत्रजन:फास्फोरस:पोटाश/ हेक्टेयर की दर से डालें। स्फुर एवं पोटाश की पूरी मात्रा और नत्रजन की आधी मात्रा बोनी के समय तथा शेष आधी नत्रजन की मात्रा बोने के 3–4 सप्ताह बाद डालें।

निराई-गुड़ाई

बोने के 15–20 दिन बाद निराई–गुड़ाई करें और उसी समय अनावश्यक घने पौधे को निकाल दें।

सिंचाई

जायद मौसम हेतु ऐसी किस्मों का चयन करें। जो कम पानी व कम समय में अधिक उत्पादन दे। सामान्य तौर पर मई–जून में 7 दिन के अंतराल पर सिंचाई करते रहना चाहिए तथा सिंचाई सुबह–शाम करें। फूल आने तथा फलियां बनते समय तिल की फसल में सिंचाई अत्यंत आवश्यक है।

कीट नियंत्रण

तिल को पत्ती मोड़क एवं फली बेधक कीट पौधों की पत्ती अवस्था में एवं फूलों के अंदर घुसकर भीतरी भाग खाकर एवं फल्ली में छेदकर फसल को नुकसान पहुंचाती है। क्विनालफॉस 25 ईसी (2 मिली/ली.) या डाइमेथियेट (1 मिली/लीटर) का आवश्यकतानुसार छिड़काव करें।

रोग नियंत्रण

तिल की फसल में तना एवं जड़ सड़न रोग, आल्टरनेरिया पत्ती धब्बा रोग का प्रकोप होता है साथ ही पर्णभाग रोग का प्रकोप होता हैं जिसमें फूल हरे पत्तियों में बदल जाते हैं।

अधिक शाखायें और छोटी पत्तियां गुच्छों में होती है। रोग नियंत्रण हेतु उपयुक्त फसल चक्र अपनायें। कीट/ रोग से ग्रसित पौधों के भाग को तोड़कर/उखाड़कर तथा इल्लियों को इकटठा कर नष्ट करें। डायथेन एम–45 (2.5 ग्राम/ली.) मिलाकर बोने के 30 और 60 दिन पर आवश्यकतानुसार छिड़काव करें।

कटाई और गहाई

पत्तियां पीली होकर झड़ने लगें तथा फलियां हरी हो तभी तिल की कटाई करें। कटी फसल को लकड़ी के सहारे रखकर अच्छी तरह सुखायें। सूखे पौधों को छड़ियों से पीटकर गहाई करें।

उपज

700–800 किग्रा/ हेक्टेयर होती है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, सोमवार, 03 मार्च, 2025

मुश्किल में फंसी धनुष की कुबेर

साउथ सुपरस्टार धनुष और अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों कुबेर को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित कुबेर धनुष और सुपरस्टार नागार्जुन के बीच पहला सहयोग है। फिल्म में रश्मिका मंदाना मुख्य नायिका की भूमिका में हैं। सभी किरदारों के फर्स्ट लुक पहले ही जारी हो चुके हैं। वहीं, इस बीच अब खबर है कि कुबेर अब मुश्किल में फंस चुकी है।

करीमकोंडा नरेंद्र नाम के एक टॉलीवुड निर्माता ने दावा किया है कि उन्होंने नवंबर 2023 में तेलुगु फिल्म निर्माता परिषद के साथ कुबेर शीर्षक पंजीकृत किया था और उन्होंने अपनी फिल्म की शूटिंग का एक बड़ा हिस्सा पहले ही पूरा कर लिया है। नरेंद्र ने निर्देशक शेखर कम्मुला पर शीर्षक के उल्लंघन का आरोप लगाया और शीर्षक बदलने या उन्हें हुए नुकसान के लिए मुआवजे की मांग की। नरेंद्र ने तेलुगु फिल्म चैंबर से हस्तक्षेप करने और न्याय करने का अनुरोध किया है।

फिल्म की शूटिंग पूरी

वहीं, इन आरोपों पर अब तक कुबेर की टीम, धनुष या नागार्जुन में से किसी ने भी चुप्पी नहीं तोड़ी है। शीर्षक की मुसीबत के बीच शेखर कम्मुला की कुबेर की शूटिंग पूरी हो चुकी है और फिलहाल पोस्ट-प्रोडक्शन की औपचारिकताएं चल रही हैं। फिल्म का टीजर भी पहले ही जारी हो चुका है।

फिल्म की कहानी

फिल्म में धनुष के किरदार की बात करें तो कुबेर में धनुष एक ऐसे किरदार को निभा रहे हैं, जो एक बेघर व्यक्ति के रूप में शुरू होता है, लेकिन अंततः एक शक्तिशाली माफिया सरगना बन जाता है। रश्मिका और धनुष के साथ फिल्म में अक्किनेनी नागार्जुन, संदीप किशन, जिम सर्भ और अन्य भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म में नागार्जुन एक पुलिस ऑफिसर का किरदार निभा रहे हैं।

शेखर-धनुष की पहली फिल्म

सुनील नारंग और पुष्कर राम मोहन राव द्वारा निर्मित कुबेर में संगीत देवी श्री प्रसाद ने दिया है और सिनेमैटोग्राफी निकेथ बोम्मी ने की है। प्रोडक्शन डिजाइनर रामकृष्ण सब्बानी और मोनिका निगोत्रे तकनीकी दल का हिस्सा हैं। इस फिल्म के जरिए निर्देशक शेखर कम्मुला और धनुष पहली बार साथ काम कर रहे हैं। कुबेर शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित एक बहुभाषी फिल्म है।

रेस 4 में हुई रकुल प्रीत सिंह की एंट्री, सैफ के सामने आएंगी नजर!

फिल्म निर्माता रमेश तौरानी ने पहले पुष्टि की थी कि अभिनेता सैफ अली खान रेस 4 में मुख्य भूमिका में लौटेंगे। अब, पता चला है कि रकुल प्रीत सिंह इस प्रत्याशित थ्रिलर फ्रैंचाइज़ में खान के साथ शामिल हो सकती हैं। हालांकि सूत्र ने पुष्टि नहीं की कि सिंह जिस प्रोजेक्ट में शामिल हुई हैं वह वास्तव में रेस 4 है, लेकिन यह संभावना है कि यह वही हो, क्योंकि खान और तौरानी अभी केवल इसी प्रोजेक्ट पर साथ काम कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट के बारे में ज़्यादा जानकारी गुप्त रखी गई है, लेकिन रेस की दुनिया में सिंह का प्रवेश निश्चित रूप से इसे और भी रोमांचक बनाता है।

प्रोडक्शन से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि सिंह कुछ ऐसा करने के लिए वाकई उत्साहित हैं जो उन्होंने पहले कभी नहीं किया है। हालाँकि उन्होंने पिछले कुछ सालों में कई बड़े बजट की फ़िल्मों में काम किया है, लेकिन रेस फ़्रैंचाइज़ में प्रवेश करना उनके लिए एक दिलचस्प चुनौती होने जा रही है। सूत्र ने कहा, रकुल रमेश तौरानी के बैनर तले एक रोमांचक नई परियोजना के लिए सैफ अली खान के साथ काम करने के लिए तैयार हैं। मेरे हसबैंड की बीवी की सफलता के बाद, वह स्मार्ट विकल्प चुन रही हैं, और यह फिल्म उनकी गति को और बढ़ाएगी। 34 वर्षीय रकुल ने अतीत में विभिन्न शैलियों में काम किया है। उन्हें रोमांटिक-कॉमेडी शैली पर मजबूत पकड़ के लिए जाना जाता है, और रेस 4 उनके बहुमुखी करियर को और आगे ले जाएगी। हालाँकि, निर्माताओं द्वारा अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

रेस फ़ैंचाइज़ में सैफ अली खान की वापसी ने इस प्रोजेक्ट को लेकर पहले से ही काफी उत्सुकता बढ़ा दी है। अगर रकुल प्रीत सिंह इस फिल्म में शामिल होती हैं, तो स्क्रीन पर एक नई जोड़ी की उम्मीद की जा सकती है।

हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि दोनों को एक साथ जोड़ा गया है या नहीं। पिछले साल की शुरुआत में, खान के रेस 4 में काम करने की पुष्टि करते हुए, निर्माता रमेश तौरानी ने कहा- सैफ रेस फ्रैंचाइज़ में वापस आएंगे, और हम उन्हें लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने पहली दो फिल्मों में शानदार काम किया है। फिल्म में कई कलाकार होंगे, और हम स्क्रिप्ट और कलाकारों को अंतिम रूप दे रहे हैं। हमने निर्देशक को भी अंतिम रूप नहीं दिया है। हम फिल्म की आधिकारिक घोषणा अगले साल, संभवतः फ्लोर पर जाने से पहले करेंगे। इस बीच, सिंह को आखिरी बार अर्जुन कपूर और भूमि पेडनेकर के साथ मेरे हसबैंड की बीवी में देखा गया था। फिल्म इस महीने की शुरुआत में रिलीज़ हुई थी। रेस 4 उनके करियर में एक शानदार जोड़ होने जा रही है।

मृणाल ठाकुर अभिनीत डकैत में हुई अनुराग कश्यप की एंट्री

अदिवी शेष की आगामी फिल्म डकैत में मृणाल ठाकुर की एंट्री के बाद अब अनुराग कश्यप की एंट्री के साथ ही उनके किरदार से भी पर्दा उठा दिया गया है। फिल्म में अनुराग एक इंस्पेक्टर की भूमिका में नजर आएंगे, जिसका नाम स्वामी है। फिल्म निर्माताओं ने फिल्म से एक और नए किरदार का पहला लुक जारी किया है, जिसे बॉलीवुड फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप निभाएंगे। इस फिल्म में अनुराग एक इंस्पेक्टर स्वामी की भूमिका निभाते नजर आएंगे। इंस्पेक्टर स्वामी का पहला लुक शेयर करते हुए निर्माताओं ने पोस्ट को कैप्शन दिया, दीक्षा लो उन्ना पुलिस नन्नु पत्तुकुंटाडु अता.. नन्नु पत्तुकोवलांटे आ देवुडे डिजी रावली इमो.. डकैत में अद्भुत अनुराग कश्यप सर को लेकर बेहद खुश हूं।

अनुराग की पहली तेलुगु फिल्म है डकैत

फिल्म डकैत से अनुराग कश्यप तेलुगु सिनेमा में डेब्यू करने जा रहे हैं। निर्देशक से अभिनेता बने अनुराग कश्यप इससे पहले तमिल फिल्मों में काम कर चुके हैं। इससे पहले, डकैत के कलाकारों में बड़ा बदलाव तब हुआ था, जब किन्हीं वजहों से श्रुति हासन ने मुख्य अभिनेत्री के रूप में इस प्रोजेक्ट से हाथ खींच लिया था और श्रुति की जगह फिर मृणाल ठाकुर को साइन कर लिया गया। 17 दिसंबर, 2024 को डकैत के निर्माताओं ने अदिवी के जन्मदिन के साथ ही मृणाल ठाकुर का पहला लुक जारी किया था। इस पोस्टर में मृणाल के माथे पर चोट लगी है और वह एक कार में बैठी नजर आ रही हैं और उनके हाथ में बंदूक दिखाई दे रही है। इस पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा, हमारे डकैत अदिवी शेष को जन्मदिन की शुभकामनाएं। उनके खास दिन पर, हम उनसे मिलवाते हैं जिसने उन्हें धोखा दिया। उनका प्यार। उनका दुश्मन। मृणाल ठाकुर का फिल्म में स्वागत है।

'क्रेजी' का नहीं बन पा रहा क्रेज

फिल्म 'छावा' लगभग दो हफ्तों से अधिक समय से सिनेमाघरों में टिकी हुई है और अच्छा कलेक्शन कर रही है। इसी बीच शुक्रवार को सोहम शाह की फिल्म 'क्रेजी' भी रिलीज हुई। इस फिल्म की चर्चा रिलीज से पहले काफी हो रही थी। लेकिन पहले दिन फिल्म ने कोई बड़ा कमाल कलेक्शन के मामले में नहीं किया। जानिए, दूसरे दिन फिल्म 'क्रेजी' ने कितना कलेक्शन किया है। फिल्म क्रेजी के दूसरे दिन के कलेक्शन की बात करें तो अब तक प्राप्त जानकारी के अनुसार यह फिल्म 57 लाख रुपये ही कमा पाई है। जबकि पहले दिन इसने 1 करोड़ रुपये की कमाई का नंबर हासिल कर लिया था। लेकिन जितनी उम्मीद इस फिल्म के मेकर्स को थी, उतना कलेक्शन यह फिल्म नहीं कर पाई। फिल्म की कुल कमाई भी अब तक 1.57 करोड़ रुपये ही है।

वीकएंड का फायदा नहीं उठा पाई 'क्रेजी'

वीकएंड पर कम कमाई करने वाली फिल्में भी अपने कलेक्शन में बढ़ोतरी कर लेती हैं। लेकिन सोहम शाह की फिल्म ऐसा करती नहीं दिख रही है। इसकी वजह फिल्म 'छावा' है। दरअसल, सिनेमाघरों में दो हफ्ते बाद भी 'छावा' का क्रेज बना हुआ है। यह फिल्म काफी अच्छा कलेक्शन कर रही है, 400 करोड़ क्लब में भी शामिल हो चुकी है।

जिस चीज से प्यार करती हूं, वह कर पा रही हूं

फिल्म दम लगा के हईशा को रिलीज हुए 10 साल हो गए। इस फिल्म में अहम किरदार निभाने वाली अभिनेत्री भूमि पेडनेकर को भी फिल्म इंडस्ट्री में 10 साल हो गए। वह अपने इस सफर को लेकर कृतज्ञता से भरी हैं। हाल ही में उन्होंने कहा मैं बहुत खुशनसीब हूं कि मैं अभी भी वह कर पा रही हूं, जिससे मैं बहुत प्यार करती हूं।

फिल्म के हिट और फ्लॉप होने का नहीं था दबाव

एक रिपोर्ट के मुताबिक भूमि पेडनेकर ने कहा कि मुझे अभी भी याद है जब दम लगा के हईशा का प्रीमियर आया था। मुझे नहीं पता था कि क्या होगा, लेकिन बहुत खुश थी क्योंकि मेरे ऊपर दबाव नहीं था कि फिल्म हिट होगी या फिर प्लॉप। मेरी पहली फिल्म रिलीज हो रही थी और शायद ये मेरी सबसे बड़ी कामयाबी थी। जब मुझे कभी शक होता है, तो मैं उसी ऊर्जा का इस्तेमाल करती हूं।

फिल्मों में चुना अलग-अलग किरदार

भूमि का कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं रहा है। उन्होंने अपना करियर अपरंपरागत रोल से शुरा किया। उनके मुताबिक तब से वह ऐसे विकल्प चुनती आ रही हैं क्योंकि वह खुद को सीमित नहीं रखना चाहतीं। भूमि ने कहा मैं अपने आपको किसी भी सांचे में नहीं रखना चाहती, न मैं वैसा करना चाहती हूं, जो मेरे किसी साथी ने किया है। मैं वह काम करना चाहती हूं जिससे मैं जुड़ती हूं। कुछ मेरे लिए आसान होते हैं, तो कुछ मुश्किल, लेकिन ये सभी मेरी पसंद हैं और मैं इस पर फख्र महसूस करती हूं। भूमि पेडनेकर ने दम लगा के हईशा फिल्म से अपने करिअर की शुरूआत की। इसके बाद वह टॉयलेट; एक प्रेम कथा में नजर आईं। उनकी दूसरी बेहतरीन फिल्मों में सांड की आंख, बाला, बधाई दो और रक्षा बंधन है। हाल ही में वह मेरे हस्बैंड की बीवी में नजर आई थीं। इस फिल्म में भूमि के अलावा रकुल प्रीत सिंह और अर्जुन कपूर हैं। फिल्म का निर्देशन मुदस्सर अजीज ने किया है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत ज्यादा कमाल नहीं कर पाई है।

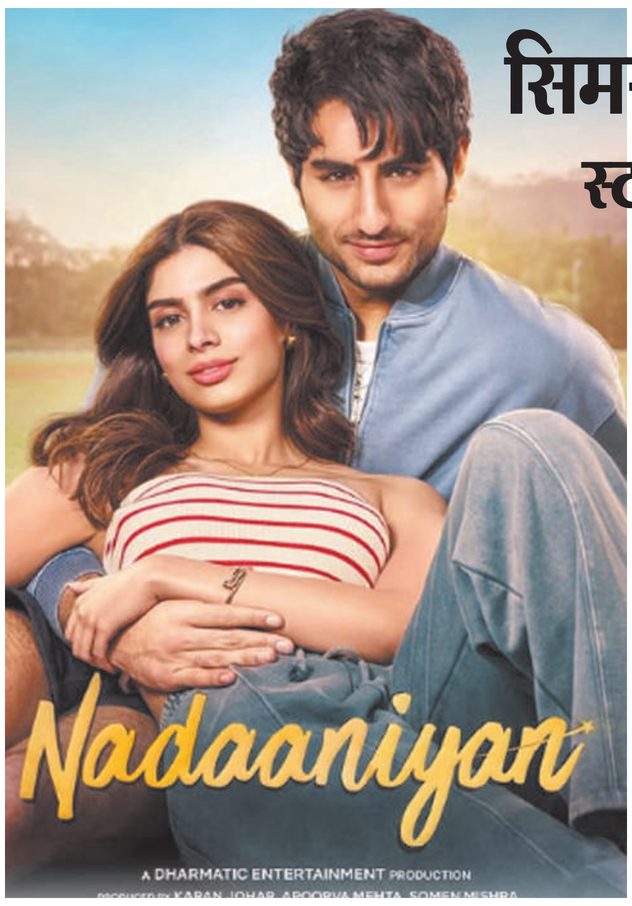

सिमर से लेकर शनाया कपूर तक ये स्टार किड्स आएंगे इन फिल्मों में नजर

7 मार्च को नेटफ्लिक्स पर सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान की फिल्म नादानियां रिलीज होने वाली है। वह इस फिल्म से बॉलीवुड इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रहे हैं। ऐसे कई स्टार्स के किड्स हैं, जो साल 2025 में बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। आइए इनके बारे में जानते हैं।

संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर

संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर बॉलीवुड में कदम रखने को तैयार हैं। खबर है कि वह दक्षिण भारत की फिल्म वृषभ में नजर आएंगी। फिल्म इसी साल रिलीज होने वाली है। संजय कपूर की बीवी का नाम महीप कपूर है।

शाहरुख के बेटे आर्यन खान

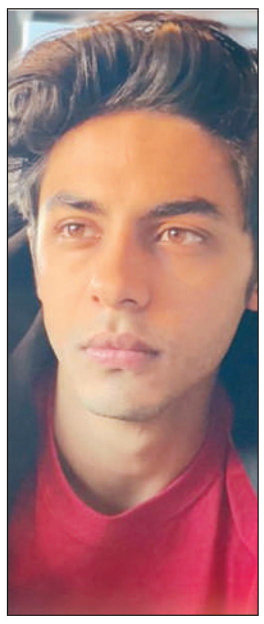

बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान के बेटे भी बॉलीवुड में आ रहे हैं। लेकिन वह बतौर डायरेक्टर-राइटर इस इंडस्ट्री में आएंगे। वह वेब सीरीज से इंडस्ट्री में कदम रखेंगे। उनकी सीरीज नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इसे शाहरुख खान प्रोड्यूज कर रहे हैं।

अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया

अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया भी बॉलीवुड में अपने जलवे दिखाने वाली हैं। वह अमिताभ बच्चन के नाती अगस्तया नंदा के साथ फिल्म इक्कीस में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म का निर्देशन श्रीराम राघवन करने वाले हैं।

अब्राहिम अली खान खुशी कपूर

सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान नादानियां के अलावा सरजमीन फिल्म में नजर आएंगे। उनके साथ एक्ट्रेस काजोल भी नजर आने वाली हैं। जल्द ही इस फिल्म की बाकी अपडेट भी आएगी। नादानियां में सैफ के साथ श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर भी नजर आएंगी।

परिणीति चोपड़ा ने शुरू की वेब सीरीज की शूटिंग

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा अब जल्द ही एक वेब सीरीज में नजर आएंगी, जो नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। अनटाइटल्ड थ्रिलर-ड्रामा वेब सीरीज की शूटिंग को लेकर परिणीति ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक अपडेट शेयर किया है। इस जानकारी से मिलने पर प्रशंसकों के बीच वेब सीरीज को लेकर उत्साह और अधिक बढ़ गया है। परिणीति ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल की स्टोरी पर सुबह शूटिंग के लिए सेट पर जाते हुए खास वीडियो शेयर किया है। शूटिंग लोकेशन का जिक्र किए बिना परिणीति ने कैप्शन में लिखा, चलो शूटिंग पर डे 7 जिससे पता चलता है कि शूटिंग शुरू हुए एक हफ्ता हो चुका है और शूटिंग का सातवां दिन है।